रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

नवरात्र

महानवमी

आज

* * www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 183 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

गोगो दीदी योजना

हर महीने की
11 तारीख को
₹2100
सभी महिलाओं
के खाते में

भाजपा लाएगी
भरोसे की बहार
झारखंड की
महिलाओं को हर साल
₹25 हजार+

भारतीय जनता पार्टी
झारखंड प्रदेश

रोटी बेटी माटी की पुकार, झारखंड में आ रही भाजपा सरकार

हाई रेजव्यूलेशन से युक्त होगा ड्रोन, तस्वीर और वीडियो होगी क्लीयर

देसी ड्रोन से होगी ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की निगरानी

- फाइनल की जा रही है टेंडर की प्रक्रिया

रवि भारती।रांची

ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की निगरानी देसी ड्रोन से होगी. टेंडर की शर्तों के अनुसार योजनाओं की निगरानी के लिए विदेशी ड्रोन का उपयोग नहीं करना होगा. खास कर मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं का अनुश्रवण और निरीक्षण ड्रोन टेक्नोलॉजी के माध्यम से किया जाएगा. इस तकनीक का उपयोग राज्य के सभी जिलों में होगा। इस योजना का उद्देश्य ड्रोन आधारित सेवाओं का उपयोग करके चल रहे कार्यों की निगरानी करना है. साथ ही पूर्ण कार्य का निरीक्षण, पूर्ण कार्यों का प्रभाव का मूल्यांकन, विशेष निरीक्षण और कार्य की व्यवस्थित और वैज्ञानिक योजना के विस्तृत दायरे को देखना है.

हर टीम के पास एक समय पर कई ड्रोन होने चाहिए : योजनाओं की निगरानी के लिए प्रत्येक टीम के पास समय पर कई ड्रोन और संबंधित सहायक उपकरण होने चाहिए. न्यूनतम 30 से 45 मिनट की निरंतर रिकॉर्डिंग सुनिश्चित होनी चाहिए. ड्रोन को फिर से निर्बाध रूप से उड़ान भरने के लिए 3 से 4 घंटे के भीतर तैयार होना चाहिए. ड्रोन उच्च रिज़ॉल्यूशन छवियों और वीडियो के साथ वस्तुओं को स्पष्ट रूप से कैप्चर करने में सक्षम होना चाहिए. सेंसर में 30 एक्स ऑप्टिकल ज़ूम विकल्प उपलब्ध होना चाहिए. वीडियो रिकॉर्डिंग का डेटा एचडी वीडियो फॉर्मेट में स्पष्ट और शार्प होना चाहिए. वीडियो में दिनांक, समय और निर्देशांक की मुहर होनी चाहिए. उड़ान की स्थिति (पोजीशन होल्ड फ़ंक्शन) को बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए.

योजनाओं के कार्यों को देखा जा सकेगा लाइव : उच्च गुणवत्ता वाली इमेजरी और स्थलाकृतिक डेटा को कैप्चर करने के लिए सर्वेक्षणों से मिले इनपुट के आधारल पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी. योजनाओं की कार्यप्रगति को लाइव प्रस्तुत करने के लिए तैयार डेटा भंडारण सुविधा के साथ एक सहज विज़ुअलाइज़ेशन डैशबोर्ड का विकास किया जाएगा. निगरानी डेटा और मानचित्रण जानकारी भी दी जाएगी. डैशबोर्ड को आवश्यकता के अनुसार डिजाइन किया जाएगा (सी) विज़ुअलाइज़ेशन के लिए ड्रोन से एकत्र किए गए डेटा के निर्बाध हस्तांतरण की अनुमति देने के लिए डेटा अपलोडिंग कार्यक्षमता का एकीकरण किया जाएगा.

इन चीजों का लगेगा पता

- क्षेत्र की 3 डी मैपिंग, जिसमें लंबाई और क्षेत्र की माप, वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण (कार्यों के मामले में) जैसी गणना का पता लगेगा.
- भू-संदर्भित छवियों को कैप्चर करके बनाई गई संपत्तियों का हो सकेगा आकलन.
- कार्य परिसंपत्ति के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाएगा.
- कार्य स्थल पर मौजूद श्रमिकों की संख्या का भी पता चल सकेगा.

11 जिलों में पोस्टिंग चाहने वाले जवानों के पास मौका, करें ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता।रांची

झारखंड पुलिसकर्मियों के पास 11 जिलों में काम करने का सुनहरा अवसर है. इच्छुक पुलिसकर्मी इन जिलों में काम करने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश के मुताबिक, रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा, देवघर, सरायकेला, दुमका और गिरिडीह में सिपाही और हवलदार को पदस्थापित किया जाना है. जो पुलिसकर्मी इन जगहों पर जाने को इच्छुक हैं वो नीचे दिये गये क्यूआर कोड लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं.

ऑनलाइन आवेदन में देनी होगी ये जानकारियां : पदनाम और नाम, वर्तमान में पदस्थापित जिला, मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, जेंडर, गृह जिला, नियुक्ति तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि, किस जिले में नियुक्त हुए, पिछली पांच पोस्टिंग की जानकारी, कोई बीमारी हो तो उसकी जानकारी और तबादले के लिए जिले की सूची.

छठ महापर्व पर जारी होगी मंईयां योजना की चौथी किस्त

विशेष संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड की महिलाओं-बहनों को सम्मान देने के लिए 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' की शुरुआत की है. इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं के खातों में अब तक तीन किस्तें आ चुकी हैं. सीएम हेमंत ने पहली किस्त रक्षाबंधन, दूसरी किस्त करम पर्व और तीसरी किस्त नवरात्रि के अवसर पर जारी कर दी है. वहीं अब मंईयां सम्मान योजना की चौथी किस्त छठ महापर्व पर जारी की जाएगी. इसकी जानकारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स हैंडल पर शेयर की है. उन्होंने कहा कि मुझे अत्यंत हर्ष है कि हमने 51 लाख बहनों के खातों में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की तीसरी किस्त जारी की है. छठ पूजा के पावन अवसर पर चौथी किस्त भी आप तक पहुंच जाएगी. यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि हमारी बहनों के सशक्तीकरण की दृढ़ प्रतिज्ञा है. मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि हर झारखंडवासी की उन्नति ही हमारा लक्ष्य है. हमने शुरुआत की है, पर यह केवल आरंभ है.

जेल से लौट कर पिछले तीन माह में हमने काफी तेजी से कार्य किया है और आगे हम इस गति को और तेज करेंगे. हम सब मिल कर झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करेंगे. यह मेरा संकल्प है, आप सबसे हमारा वादा है.

विस चुनाव: इंडिया गठबंधन का खाका तैयार, 14 के बाद तस्वीर हो जाएगी साफ

कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा चलेगी हेमंत की मर्जी

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कल्पना के साथ सीट शेयरिंग का फार्मूला कांग्रेस को सौंपा
- निर्णायक दौर की बातचीत में शामिल होंगे तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य भी

कौशल आनंद।रांची

आगामी झारखंड विधानसभा के लिए इंडिया गठबंधन के सीट शेयरिंग का खाका तैयार कर लिया गया है. मुख्यमंत्री और झामुमो कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने इसे कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दिया है. बीते दिवस दिल्ली में करीब एक से डेढ़ घंटे की बातचीत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वेणुगोपाल के साथ हेमंत सोरेन की बातचीत हुई. इसमें एक-एक सीट पर गहन मंथन किया गया. बातचीत में ये भी प्रमुख बिंदु रहा कि कोई खास सीट या कम लेना कोई फैक्टर नहीं होना चाहिए, जीत कैसे सुनिश्चित होगी, उस पर सभी दलों को फोकस किया जाना चाहिए. इसलिए उसी सीट को टॉरगेट किया जाए, जिसमें 80 प्रतिशत से ऊपर जीतने की स्थिति में हैं. मिली जानकारी के अनुसार एक और दौर की बातचीत होगी, जिसमें राजद नेता तेजस्वी यादव और माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य शामिल होंगे. इसके बाद फाइनल रूप से 14 अक्टूबर के बाद सीटों का ऐलान कर दिया जाएगा. सीटों के ऐलान के बाद सभी दल अपने-अपने स्तर से प्रत्याशियों का ऐलान शुरू करेंगे.

सूत्रों के मुताबिक हरियाणा चुनाव में पराजय का मुंह देखने वाली कांग्रेस बहुत फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रही है. वह बहुत ज्यादा बार्गेनिंग की स्थिति में खुद को नहीं पा रही है. ऐसे में वह झारखंड के चुनाव में झामुमो को बड़ा भाई मान कर उसकी हर सलाह पर गौर करेगी. कांग्रेस का भी मानना है कि ज्यादा सीटें लेने से ज्यादा जरूरी है, सीटें जीतना. हेमंत सोरेन ने भी सलाह दी है कि सीटों को लेकर किसी भी तरह की खींचतान से गलत मैसेज जाएगा. अच्छा होगा कि जो जहां मजबूत हो, वहां से चुनाव लड़े. ज्यादा सीटों पर लड़ने से ज्यादा महत्वपूर्ण है, ज्यादा सीटें जीत कर झारखंड में फिर से सरकार बनाना. माना जा रहा है कि इंडिया गठबंधन में सीटों का बंटवारे में सीएम हेमंत सोरेन की ही चलेगी. और हेमंत सोरेन के ही चेहरे पर इंडिया ब्लॉक मैदान में जाएगा.

झामुमो ने अपनी सीटों को कांग्रेस के समक्ष रखा

झामुमो ने अपनी ओर से जिन सीटों मजबूत है, उसका आंकड़ा कांग्रेस नेताओं के समक्ष रखा. इसमें झामुमो की सीटिंग सीटों के अलावा और कई सीटें भी शामिल हैं. इनमें तीन से पांच नई सीटें भी शामिल हैं, जिन पर पिछली बार कांग्रेस और राजद चुनाव लड़ चुके हैं. झामुमो कांग्रेस को मांडू और पोड़ैयाहाट सीट देने को तैयार हो गई है. पोड़ैयाहाट से पिछली बार झाविमो की ओर से चुनाव लड़े सीटिंग विधायक प्रदीप यादव एवं भाजपा से चुनाव लड़े मांडू के जेपी पटेल शामिल हैं. झामुमो पलामू की कुछ सीटों पर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है. मगर ये कौन-सी सीटें है, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है.

कांग्रेस भी अपनी ओर से तैयार करेगी अपनी सीटों का खाका

सीएम हेमंत सोरेन के सभी सुझावों को कांग्रेस ने वस्तुतः मान लिया है. इस पर अपनी सहमति भी प्रदान कर दी है. कांग्रेस नेतृत्व ने अपने प्रदेश नेतृत्व से एक सप्ताह में पक्की जीत वाली सीटों का खाका तैयार करके दिल्ली रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है. चूंकि वर्तमान प्रभारी गुलाम अहमद मीर अभी जम्मू-काश्मीर मे नई सरकार के गठन तक व्यस्त रहेंगे, इसलिए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और प्रदेश सह प्रभारियों को होमवर्क पूरी करने का निर्देश दिया गया है. प्रदेश नेतृत्व से रिपोर्ट मिल जाने के बाद कांग्रेस अपनी ओर से सीटों की दावेदारी झामुमो के समक्ष प्रस्तुत करेगी.

राजद के साथ ही साथ माले को संतुष्ट करना होगी बड़ी चुनौती

झामुमो-कांग्रेस इसी फार्मूले को राजद और माले के समक्ष भी रखेंगे. उन्हें भी जीत की अधिक संभावना वाली सीटों का खाका तैयार करने का संदेश पहुंचाया जा रहा है. चूंकि मार्क्सवादी समन्वय समिति का विलय माले में हो चुका है. इसलिए माले की दावेदारी भी बढ़ गई है. मगर गठबंधन की ओर से माले को दो से तीन सीट ही देने के मूड में है, जिसमें विनोद सिंह की सीट बगोदर और अरूप चटर्जी की सीट निरसा शामिल हैं. एक और सीट इधर-उधर मैनेज की जा सकती है. राजद को पिछली बार की तरह सात नहीं, बल्कि पांच सीटें दी जा सकती है. अब राजद और माले इसके लिए तैयार होगी या नहीं, यह समय बताएगा.

सूचना आयुक्त की नियुक्ति न होने पर अधिकार मंच ने जताई चिंता

संवाददाता।रांची

जन सूचना अधिकार मंच रांची के संयोजक मोहम्मद अकरम राशिद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झारखंड राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नही होने पर चिंता जताई है. उन्होंने कहा की झारखंड राज्य सूचना आयोग में सुनवाई पूरी तरह से ठप है. वजह झारखंड में सूचना आयुक्तों का नहीं होना है. सरकार पिछले चार साल में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं कर पाई है. 12 अक्टूबर को सूचना अधिकार स्थापना दिवस के रूप में पूरे देश में मानिए जाता है. लेकिन झारखंड राज्य की सरकार है कि मौलिक अधिकार का हनन कर रही है. पिछले चार साल में सरकार मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नहीं कर पाई. जिस कारण झारखंड राज्य सूचना आयोग में 20 हजार से भी अधिक मामले सुनवाई के लिए पेंडिंग हैं.

उन्होंने कहा सूचना आयोग की नियुक्ति में हुई देरी पर चिंता व्यक्त करते हैं. पिछले 4 वर्षों से इस महत्वपूर्ण संस्था की नियुक्ति नहीं होना न केवल नागरिकों के अधिकारों का हनन है, बल्कि यह लोकतंत्र की मूल भावना के विरुद्ध भी है. उन्होंने सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस मामले में तत्काल ध्यान दे और सूचना आयोग की नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करे. यह न केवल नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए भी जरूरी है.

राज्यपाल ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया

संवाददाता।रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है. कहा है कि उनके निधन की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है. उन्होंने उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्रों में अपने दूरदर्शी और निःस्वार्थ योगदान से देश को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं. उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व के कारण भारत ने न केवल व्यापारिक व उद्योग जगत में, बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी विश्वस्तरीय पहचान बनाई. रतन टाटा की विनम्रता और परोपकार की भावना सदियों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी. उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उनका व्यक्तित्व और उनका निस्वार्थ समाज सेवा का दृष्टिकोण सदैव अविस्मरणीय रहेगा.

उनके निधन से देश ने एक महान व्यक्तित्व और अनमोल रत्न खो दिया है. ईश्वर से प्रार्थना है कि रतन टाटा के परिवारजनों और उनके अनगिनत प्रशंसकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें.

एक दिन का रहा राजकीय शोक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताया

संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. बुधवार की देर रात को ही मुख्यमंत्री सोरेन ने रतन टाटा के असामयिक निधन पर एक दिन का राजकीय शोक की घोषणा भी की. मुख्यमंत्री ने दुःख एवं संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि रतन टाटा देश के अनमोल रत्न थे. उन्होंने उद्योग जगत के साथ-साथ समाजसेवा एवं परोपकार के क्षेत्र में देश और दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है. वे एक सच्चे राष्ट्रवादी थे. उनका जीवन उपलब्धियों से भरा रहा है. उद्योगपति रतन टाटा एक-एक देशवासियों केदिलों में राज करते थे. उनका निधन राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है. ईश्वर इस पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें.

किरण पासी को पशुपालन निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

रांची। राज्य सरकार ने दो आइएएस अफसरों का तबादला किया है. इसमें समाज कल्याण निदेशक किरण पासी को पशुपालन निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं निदेशक पशुपालन के पद पर पदस्थापित आदित्य रंजन को सूचना प्रौद्योगिकी का निदेशक बनाते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशक का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

चंदनक्यारी और हुसैनाबाद सीट को लेकर अब तक फंसा है पेंच

एनडीए में दो सीटों को लेकर भाजपा-आजसू के बीच झकझूमर

- काम नहीं आ रहा सुदेश महतो का प्रेशर पॉलिटिक्स

रवि भारती।रांची

एनडीए में दो सीटों को लेकर भाजपा और आजसू के बीच झकझूमर चल रहा है. चंदनक्यारी और हुसैनाबाद सीट पर अब तक पेंच फंसा हुआ है. इसपर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का प्रेशर पॉलिटिक्स भी काम नहीं आ रहा है. इसकी वजह यह है कि चंदनक्यारी भाजपा की सीटिंग सीट है. यहां से नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी लगातार दो बार 2014 और 2019 में चुनाव जीत चुके हैं, जबकि आजसू नेता और पूर्व मंत्री उमाकांत रजक ने 2009 में इस जीत पर जीत हासिल की थी. उमाकांत रजक हर हाल में इस सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं. वहीं अमर बाउरी अपनी टिकट कंफर्म मान रहे हैं. जानकारी के अनुसार, टिकट नहीं मिलने की स्थिति में उमाकांत रजक दूसरे दल के टिकट से चुनाव लड़ सकते हैं.

पिछले तीन चुनाव में नेक टू नेक फाइट रही : चंदनक्यारी में पिछले तीन चुनावों में नेक टू नेक फाइट रही है. 2009 में उमाकांत रजक ने अमर बाउरी को पटखनी दी थी. उमाकांत को 36,620 वोट मिले थे, जबकि अमर बाउरी को 33,103 वोट मिले थे. 2014 में अमर बाउरी ने उमाकांत को शिकस्त दी थी. इस समय अमर बाउरी को 81,925 वोट मिले थे, जबकि उमाकांत रजक को 47,761 वोट मिले थे. 2019 के चुनाव में अमर कुमार बाउरी को 67,739 वोट मिले थे, जबकि उमाकांत रजक 58,528 वोट लेकर दूसरे नंबर पर रहे.

चंदनकियारी विधानसभा सीट 1967 में अस्तित्व में आया था. इस सीट से पहली बार निर्दलीय एसबी बाउरी ने जीत हासिल की थी. 1972, 1977 और 1985 में कांग्रेस ने सीट जीती थी. जबकि 1990 और 2019 में बीजेपी को और 2000 और 2005 में जेएमएम को जीत मिली. इस सीट से हारू रजवार तीन बार, दुर्गा चरण दास, गौर हरिजन और अमर बाउरी ने दो-दो बार जीत हासिल की.

कमलेश सिंह ने बिगाड़ा हुसैनाबाद सीट का गणित

कमलेश सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद वहां का गणित गड़बड़ा गया है. आजसू के शिवपूजन मेहता यहां से चुनाव लड़ने की जुगत में हैं. कमलेश सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद माना जा रहा है कि भाजपा इस सीट से कमलेश सिंह पर ही दांव खेलेगी. इंडिया ब्लॉक की तरफ से यह सीट राष्ट्रीय जनता दल के खाते में जा सकती है. वहीं एनडीए गठबंधन की तरफ से कौन लड़ेगा चुनाव इसकी तस्वीर साफ नहीं हो रही है. हुसैनाबाद विधानसभा सीट चित्तौड़गढ़ के नाम से भी जाना जाता है.

गोगो दीदी योजना की स्वीकार्यता देख कर हेमंत बौखला गए : बाबूलाल

- अफसरों के जरिये भाजपा कार्यकर्ताओं को कर रहे हैं डराने-धमकाने का प्रयास

प्रमुख संवाददाता।रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि राज्य की महिलाओं के बीच गोगो दीदी योजना की स्वीकार्यता को देखकर सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन बौखलाहट में हैं. हेमंत सोरेन गोगो दीदी योजना का दुष्प्रचार कर रहे हैं. सरकारी अधिकारियों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं को डराने धमकाने का प्रयास कर रहे हैं. भाजपा कार्यकर्ता हेमंत की गीदड़भभकी से डरने वाले नहीं हैं. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि पिछले 5 सालों में जनता के साथ झूठा वादा करने वाले हेमंत को झारखंड की जनता करारा जवाब देगी.

सरकार बनते ही भाजपा पंच प्रण करेगी लागू : भाजपा के पंच प्रण की घोषणा से भी हेमंत सोरेन हताशा में हैं. झारखंड के युवाओं को नौकरी के लिए तरसाने वाले, मौत के मुंह में सुलाने वाले हेमंत अपनी निश्चित हार देख कर बौखला चुके हैं.

झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही अपने पंच प्रण को लागू करेगी, जनता से किए हर वादे को पूरा करेगी. भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में ही गोगो दीदी योजना के तहत झारखंड की हर महिला के बैंक खाते में हर महीने की 11 तारीख को 2,100 रुपए तक की वित्तीय सहायता पर मुहर लगाई जाएगी. भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे नवंबर 2025 तक 1.5 लाख भर्तियां पूरी होंगी. वार्षिक परीक्षा कैलेंडर भी जारी जाएगा. प्रत्येक साल एक लाख रोजगार का सृजन किया जाएगा.

दशहरा, दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं, बधाई

सुखमनी देवी

पंचायत समिति सदस्य ग्राम पंचायत नरौली, कैरो प्रखंड, लोहरदगा

जन शिकायतों के लिए वाट्स ऐप नंबर जारी

रांची। जन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर से एक वाट्सएप नंबर (8809692001) जारी किया गया है. इसके नोडल पदाधिकारी पुलिस मुख्यालय के पीजी शाखा के डीएसपी होंगे. डीएसपी को इस व्हाट्सएप नंबर पर जो भी जन शिकायतें प्राप्त होगी, उसका एक अलग से पंजी बनाने और संबंधित जिला व इकाई को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजने का निर्देश दिया गया है. पुलिस ने राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया था. डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत 10 सितंबर से हुई थी. कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दों पर आम जनता की समस्या सुनी गयी थी.

दशहरा, दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं, बधाई

प्रवीण साहू

समाजसेवी

कैरो, लोहरदगा

विस चुनाव 2024 झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा अब तक उतार चुका है 20 प्रत्याशी

जयराम महतो ने जारी की 14 प्रत्याशियों की दूसरी सूची

विशेष संवाददाता।रांची

प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी करते जयराम महतो व अन्य.

जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है. गुरुवार को जारी दूसरी लिस्ट में 14 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा हुई है. मोर्चा के संसदीय बोर्ड की स्वीकृति के बाद प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई है. इससे पहले 3 अक्टूबर को जयराम महतो ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी.

पहली लिस्ट में 6 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया था, जिसमें पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के डुमरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की गई थी.

पहली लिस्ट के प्रत्याशी

विधानसभा	उम्मीदवार
डुमरी	जयराम महतो
सरायकेला	प्रेम मार्डी
राजमहल	मोतीलाल सरकार
जमुआ	सलीन कुमार दास
तमाड़	दमयंती मुंडा
पोटका	प्रीति राज

दूसरी लिस्ट के प्रत्याशी

विधानसभा	उम्मीदवार
मांडर	गुणा भगत
टुंडी	मोतीलाल महतो
धनवार	राजेश रतन
कोडरमा	मनोज कुमार यादव
बरही	कृष्णा यादव
बरकट्ठा	महेंद्र मंडल
हजारीबाग	उदय मेहता
डाल्टेनगंज	अनिकेत मेहता
गोड्डा	परिमल ठाकुर
गांडेय	अकील अख्तर
धनबाद	सपन कुमार मोदक
खरसावां	पंडू राम हेब्रू
सिंदरी	उषा देवी
बोकारो	सरोज कुमारी

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 183 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रतन टाटा के अंतिम दर्शन करने उमड़ा सैलाब, गृह मंत्री से अंबानी तक देने पहुंचे आखिरी विदाई

वर्ली श्मशान घाट में अंतिम संस्कार

पंचतत्व में विलीन हुए रतन टाटा, थम गई मुंबई, आंखें नम, उमड़ा जनसैलाब

आखिरी सफर पर निकला देश का 'अनमोल रतन'

एजेंसियां। मुंबई

दिग्गज कारोबारी रतन टाटा का पार्थिव शरीर गुरुवार की शाम पंचतत्व में विलीन हो गया. मुंबई के वर्ली श्मशान पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. इससे पहले उनकी पार्थिव देह को अंतिम दर्शनों के लिए नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स हॉल में रखा गया, जहां नामी हस्तियों ने उनके अंतिम दर्शन किए. बता दें कि टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में बुधवार रात को निधन हो गया था.

रतन टाटा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मुंबईकरों का जनसैलाब उमड़ पड़ा. हर आंख नम थीं. सभी अपने अनमोल रतन की अच्छाइयों की ही चर्चा कर रहा था. रतन टाटा के अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे सहित अन्य लोग भी मौजूद थे. श्मशान घाट पर मौजूद एक पुजारी ने बताया कि अंतिम संस्कार पारसी परंपरा के अनुसार किया गया. उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार के बाद दक्षिण मुंबई के कोलाबा में दिवंगत उद्योगपति के बंगले में तीन दिनों तक अनुष्ठान किए जाएंगे.

टाटा सन्स के अध्यक्ष ने दोहराया संकल्प

टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने एक बयान में कहा कि हम रतन को दुख के साथ विदाई दे रहे हैं, जो असाधारण थे, जिनके योगदान ने न केवल टाटा को बल्कि राष्ट्र के ताने-बाने को आकार दिया. हमारे लिए टाटा अध्यक्ष से कहीं बढ कर थे. वह गुरु, मार्गदर्शक व मित्र थे.उत्कृष्टता, अखंडता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ उनके नेतृत्व में समूह ने अपने नैतिक मानदंडों पर हमेशा सच्चे रहते हुए वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया. शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, उन्होंने गहरी छाप छोड़ी,जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा. पूरे टाटा परिवार की ओर से मैं उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं. उनकी विरासत हमें प्रेरित करती रहेगी, क्योंकि हम उनके सिद्धांतों को बनाए रखने का हम सब हमेशा प्रयास करते रहेंगे.

अब कौन संभालेगा टाटा समूह

रतन टाटा के निधन के बाद अब चर्चा यह है कि उनकी विरासत कौन संभालेगा. रतन टाटा ने अपना वारिस नहीं बनाया. ऐसे में ट्रस्ट के ट्रस्टियों में से ही अध्यक्ष चुना जाएगा. समूह के दो मुख्य मुख्य ट्रस्ट हैं- सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट. दोनों की संयुक्त रूप से मूल कंपनी टाटा संस में करीब 52% हिस्सेदारी है. टाटा संस समूह की कंपनियों का संचालन करता है. दोनों ट्रस्टों में 13 ट्रस्टी हैं. इनमें से कई लोग दोनों में हैं. इनमें पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह, वेणु श्रीनिवासन, रतन टाटा के सौतेले भाई और ट्रेंट के चेयरमैन नोएल टाटा, व्यवसाई मेहली मिस्त्री और डेरियस खंबाटा के नाम हैं. ट्रस्ट के प्रमुख का चुनाव ट्रस्टियों में से बहुमत से होता है. विजय सिंह और वेणु श्रीनिवास इन दोनों ट्रस्टों के उपाध्यक्ष हैं. लेकिन दोनों के प्रमुख चुने जाने की संभावना कम है. जिस व्यक्ति को टाटा ट्रस्ट का प्रमुख बनाए जाने की अधिक संभावना है, वो हैं 67 साल के नोएल टाटा. नोएल की नियुक्ति से पारसी भी खुश होंगे. रतन टाटा पारसी थे. यह भी तय होगा कि एक पारसी ही इस समूह को संभाले. सच यह है कि सिर्फ पारसियों ने ही ट्रस्ट की कमान संभाली है. टाटा का कार्यकाल पूरा होने के बाद माना जाता था कि नोएल चेयरमैन बनेंगे. लेकिन साइरस मिस्त्री को बैठाया गया. साइरस के निकाले जाने के बाद कमान टीसीएस के सीईओ एन चंद्रशेखरन ने संभाली. नोएल और रतन टाटा कभी एक साथ नजर नहीं आए. हालांकि रतन टाटा के अंतिम दिनों में नोएल से उनके रिश्ते काफी मधुर हो गए थे.

छुट्टी की सूचना

दुर्गापूजा एवं विजयादशमी के उपलक्ष्य में शुभम संदेश का कार्यालय 11-12 अक्टूबर (शुक्रवार और शनिवार) को बंद रहेगा. अतः झारखंड, देश और दुनिया की खबरें जानने के लिए लगातार.इन पर लॉग इन करें. अखबार का अगला अंक 14 अक्टूबर (सोमवार) को आपके हाथों आएगा. शुभम संदेश परिवार की तरफ से सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभेच्छुओं को दुर्गापूजा और विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं. - **संपादक**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,500
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

दिल्ली में विधायक निधि बढ़ाकर 15 करोड़ रुपए

नयी दिल्ली। दिल्ली कैबिनेट ने गुरुवार को विधायक फंड की राशि 10 करोड़ से बढ़ाकर 15 करोड़ रुपए करने का फैसला किया है. अब दिल्ली में हर विधायक को विकास कार्यों के लिए सालाना 15 करोड़ मिलेंगे, जो देश के बाकी राज्यों से कई गुना ज्यादा है. कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए सीएम आतिशी ने कहा कि विधायक फंड लोकतंत्र में महत्वपूर्ण होता है. इससे विधायक अपने क्षेत्र में छोटे-बड़े विकास कार्य करवा सकते हैं.

राफेल नडाल ने टेनिस को कहा- अलविदा

वारसा। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने गुरुवार को टेनिस से संन्यास लेने का एलान कर दिया. नडाल के नाम पुरुष एकल वर्ग में 22 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं. उनसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम सिर्फ सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जीते हैं.

-खेल पेज भी देखें

हिज्ब-उत-तहरीर पर केंद्र ने लगाया प्रतिबंध

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1953 में इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है. साथ ही सरकार ने कहा है कि इस कट्टरपंथी समूह का उद्देश्य इस्लामिक राज्य की स्थापना करना है.एक अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी भोले-भाले युवाओं को आतंकी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में शामिल है.

सीएम हेमंत सोरेन ने फिर मांगा राज्य का बकाया 1 लाख 36 करोड़ रुपया, कहा

भीख नहीं हक मांग रहे

कौशल आनंद। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने फिर बकाया को लेकर झारखंड के भाजपा नेताओं पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने गुरुवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया है. कहा कि क्या आपने कभी सोचा है कि किसी भाजपा नेता ने राज्यवासियों का बकाया 1 लाख 36 हज़ार करोड़ रुपया क्यों नहीं मांगा? झारखंड ने पिछले तीन लोकसभा चुनावों में 12/14, 12/14, 9/14 सांसद भाजपा को जिताए. फिर भी उन्होंने हम झारखंडियों का हक क्यों नहीं मांगा? मुझे एक बोगस मामले में जेल में डाला गया. क्योंकि वे मुझे चुप कराना चाहते हैं. वे चाहते हैं कि मैं अपना हक मांगना छोड़ दूं.मुझे वापस जेल में डाल दें, तब भी मैं मरते दम तक संघर्ष करूंगा और हक़ मांगूगा.

सोरेन ने कहा कि आज झारखंड में उन्होंने केंद्र से लेकर राज्य तक अपनी पूरी शक्ति लगा रखी है, ताकि किसी तरह मुझे रास्ते से हटा सकें और फिर झारखंडियों का हक मार लें. हम न भीख मांग रहे, न किसी अन्य राज्य की तरह विशेष पैकेज. हम तो सिर्फ अपना हक़ मांग रहे हैं. हेमंत आगे कहते हैं कि इसलिए आज मुझे अपने वीर झारखंडियों का साथ चाहिए. अगर आप आज अपना हक नहीं मांगेंगे, तो हमारे पैसों से दूसरे राज्यों को विशेष पैकेज मिलेगा और आप खाली हाथ रह जाएंगे. आज आवाज उठाइए. अपने अधिकारों के लिए खड़े होइए. झारखंड का भविष्य आपके हाथों में है.

- तीन लोकसभा चुनाव में भाजपा के 12-12 सांसद तक जीते, मगर क्यों नही दिलवा सके झारखंडियों का बकाया
- जेल में डालकर मुझे चुप कराना चाहते हैं, मगर हम मरते दम तक संघर्ष करते रहेंगे, हमें झारखंडियों का सहयोग चाहिए
- मेरे झारखंडियों अपने अधिकारों के लिए खड़े हो जाइए, झारखंड का भविष्य आपके हाथों में है

शुभम संदेश की खबर को हेमंत ने पोस्ट कर साधा केंद्र पर निशाना

दुर्गापूजा की खुशी पर भारी पड़ी महंगाई : रिजर्व बैंक ने नहीं किया रेपो रेट में कोई बदलाव
दाल-आटे में लगी आग, होम लोन ईएमआई में कमी नहीं
हर तरह के वाहनों की बिक्री में बड़ी गिरावट
सभी श्रेणियों में गिरावट

इधर हेमंत सोरेन ने शुभम संदेश में छपी खबर '**आटे-दाल में लगी आग, होम लोन ईएमआई में कमी नहीं**' को एक्स हैंडल पर पोस्ट करके कहा कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र की नीतियों ने देश के आम नागरिकों को गहरे संकट में डाल दिया है. आम आदमी की कमर टूट गई है, जबकि कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को करोड़ों की रियायतें मिल रही हैं. महंगाई आसमान छू रही है, रोजगार के अवसर की मांग बढ़ रही है, पर छोटे उद्यमियों को कर्ज नहीं मिल रहा. सरकारी संपत्तियों का कौड़ियों के भाव बेचा जाना चिंताजनक है.

सीएम का केंद्र सरकार को सुझाव

- **आर्थिक नीतियों में सुधार कर छोटे व्यवसाय, छोटे दुकानदारों को सहयोग करें (सिर्फ़ बड़े उद्योगपतियों के बड़े रिटेल चेन को नहीं) , किसानों की एमएसपी समेत अन्य मांगों पर ध्यान दें.**
- शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी उन्मूलन में निवेश बढ़ाना. ख़ास कर के शिक्षा में बजट कटौती की जगह और ज़्यादा इन्वेस्टमेंट की जरूरत है. स्वास्थ्य में अबुआ स्वास्थ्य जैसे क्रांतिकारी फैसले लेने की जरूरत है.
- **संतुलित विकास - पर्यावरण और ग्रामीण-शहरी समानता. जंगल बचेगा, तो बचेंगे वरना भीषण गर्मी, बरसात, पर्यावरण नुकसान हमें नेस्तानाबूत कर देंगे. हसदेव जैसे जंगल को कटने से बचाना था.**
- आदिवासी- दलितों - पिछड़ों पर अन्याय बंद कर उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने के लिए खुले दिल से नीतियां बनाने की जरूरत है, ताकि वे देश को और आगे ले कर जा सकें.

बढ़ी रार : हरियाणा की हार पर कांग्रेस में मंथन

राहुल ने हुड्डा को सुनाई खरी-खरी

जांच के लिए पार्टी बनाएगी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

हरियाणा की अप्रत्याशित हार को लेकर कांग्रेस अब तक पचा नहीं सकी है. यही नहीं इसे लेकर शीर्ष स्तर पर मंथन चल रहा है और आनेवाले समय में यदि कुछ नेताओं के खिलाफ ऐक्शन हो जाए, तो कोई हैरानी वाली बात नहीं होगी. सूत्रों के अनुसार गुरुवार को इस संबंध में दिल्ली में एक बैठक भी की गई. इस मीटिंग में कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद थे. बैठक में भूपिंदर सिंह हुड्डा भी आए थे. उनके सामने ही राहुल गांधी ने कहा, कुछ लोगों ने पार्टी की जगह निजी हितों को ज्यादा प्राथमिकता दी. यही नहीं हार के कारणों की पड़ताल के लिए कांग्रेस ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के गठन का फैसला लिया है. माना जा रहा है कि राहुल गांधी की यह बात भूपिंदर सिंह हुड्डा को संदेश देने के लिए ही थी. खास बात यह है कि इस बैठक में भूपिंदर सिंह हुड्डा को तो हरियाणा से बुलाया गया, लेकिन कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला नहीं थे. इससे साफ था कि राहुल गांधी सीधे हुड्डा को ही संदेश देना चाहते थे. इसी के चलते उन्होंने सैलजा और सुरजेवाला को बैठक में नहीं बुलाया. राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी जगह निजी हितों को ज्यादा प्राथमिकता दी गई. प्रदेश अध्यक्ष उदयभान भी इस दौरान मौजूद थे. पार्टी सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी इस बात से बहुत नाराज हैं कि आखिर कैसे कांग्रेस ने जीती जिताई बाजी को हरा दिया. राहुल गांधी के इस रवैए से माना जा रहा है कि आनेवाले दिनों में भूपिंदर सिंह हुड्डा जैसे बड़े नेताओं पर ही ऐक्शन हो सकता है. इसकी वजह यह है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा अकेले ही पूरी कमान संभाले हुए थे. कुमारी सैलजा से उनके मतभेद साफ थे और मंच शेयर तक करने के लिए दोनों तैयार नहीं थे. दरअसल चर्चा तेज है कि हुड्डा ने कमलनाथ की तरह ही काम किया, जैसे मध्य प्रदेश में वही अकेले कमान संभाले हुए थे. उसी तरह हुड्डा ने भी किसी अन्य को मौका नहीं दिया और गुटबाजी साफ दिख रही थी. हार की यह भी एक वजह है. आनेवाले दिनों में इसके चलते भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ कुछ ऐक्शन भी हो सकता है.

बैठक में शामिल हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और हरियाणा चुनाव के लिए पार्टी पर्यवेक्षक अजय माकन ने कहा कि एग्जिट पोल और एग्जेक्ट रिजल्ट बिल्कुल उलट हैं, जिसकी समीक्षा होगी.

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की भूमिका पर पार्टी के अंदर ही मतभेद है, इस पर भी मंथन हुआ. माकन ने कहा, हरियाणा के नतीजे अप्रत्याशित हैं. चुनाव के एग्जिट पोल और रिजल्ट में जमीन-आसमान का अंतर है. हमने चुनाव परिणाम से जुड़ी अलग-अलग वजहों की चर्चा की है. चुनाव आयोग से लेकर आपसी मतभेद पर भी बात हुई, जिसके ऊपर हम आगे और कार्रवाई करेंगे. बैठक में खरगे और राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. प्रभारी दीपक बाबरिया बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े.

मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर हुई बैठक में बोले राहुल- चुनावों में निजी हित को ऊपर रखा गया

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कुमारी शैलजा का फाइल फोटो.

सब शरीक-ए-जुर्म हैं...

झारखंड विधानसभा में नियुक्ति घोटाले जी जांच अब सीबीआई करेगी. यह आदेश हाईकोर्ट ने दिया है. यह आदेश एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद आया है. लेकिन जांच रुकवाने के प्रयास शुरू हो गये हैं. खबर है कि झाखंड विधानसभा ने हाईकोर्ट के आदेश के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले में राज्य सरकार भी प्रतिवादी है. लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं है. अलबत्ता विधानसभा का मानना है कि नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच की जरूरत नहीं है. इस मामले में दो आयोग बनाये गये थे. आयोग की रिपोर्ट के आलोक में कार्रवाई चल ही रही है. यह भी कि हाईकोर्ट का आदेश विधायिका के विशेषाधिकार का उल्लंघन जैसा है. सवाल यह है कि विधानसभा ने अवैध नियुक्तियों की जांच के लिए बने आयोगों की रिपोर्ट पर कृत कार्रवाई से न्यायालय को अवगत क्यों नहीं कराया ? यह भी कि उसने यह क्यों नहीं बताया कि कार्रवाई कब तक हो जाएगी ? वैसे भी हमारी विधानसभाएं निर्णय लेने में लेट-लतीफी का रिकॉर्ड बनाती रही हैं. जहां तक विधानसभा प्राधिकार के विशेषाधिकार की बात है यह मामला अधिकार क्षेत्र का नहीं है. यह भ्रष्टाचार का मामला है और भ्रष्टाचार की जांच रोकने के लिए कोई भी प्राधिकार अपने विशेषाधिकार की आड़ नहीं ले सकता है. हाईकोर्ट को अब भी लग रहा है कि उसके आदेश के अनुपालन में राज्य सरकार और विधानसभा अड़ंगा लगा सकती है. इसलिए उसने सीबीआई से कहा है कि यदि प्रतिवादी सहयोग न करें तो शिकायत लेकर मेरे पास आइए.

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

दुष्यंत कुमार ने लिखा है इस सिरे से उस सिरे तक सब शरीक-ए-जुर्म हैं, कुछ जमानत पर रिहा हैं, कुछ अदालत से फरार. इस प्रकरण में भी यही हुआ है. सभी विधानसभाएं और राज्य सरकारें इस घोटाले से अवगत होते हुए भी कार्रवाई न करने के बहाने ढूंढ़ती रही हैं. ऐसा नहीं है कि इस घोटाले की भनक सरकार और विधायकों को देर से लगी. विधानसभा में नियुक्ति घोटाला मीडिया की सुर्खियां रहा है. सूचनाधिकार कार्यकर्ताओं ने भी इसे उठाया था. सूचना आयोग में भी इस मामले में सुनवाई हुई थी. भारी दबाव के बाद इस मामले की जांच के लिए आयोग बना भी, तो उसे सहयोग नहीं मिला. उसका कार्यकाल भी बढ़ाया गया. वर्ष 2018 में रिपोर्ट आई और कार्रवाई की अनुशंसा की गई, तो रिपोर्ट की फाइल दाखिल दफ्तर कर दी गयी. दरअसल आयोग बनाये ही जाते हैं किसी मामले को अटकाने, भटकाने और लटकाने के लिए. आयोगों के पास कानूनी अधिकार नहीं होते हैं. उनका दायित्व केवल रिपोर्ट देना भर होता है. कार्रवाई तो उस प्राधिकार को करनी होती है जो आयोग गठित करता है. इस मामले में पहले आयोग (जस्टिस लोकनाथ प्रसाद) को तो विधानसभा के अधिकारियों ने ही इतना तंग किया कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया. फिर हाईकोर्ट में जनहित याचिका के कारण दूसरे आयोग की रिपार्ट में त्रुटियां निकाल कर नया आयोग बना दिया गया और उसने किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने की अनुशंसा कर दी. इस आयोग का गठन महाधिवक्ता के परामर्श पर किया गया था. समझदार को इशारा ही काफी होता है. इसमें भी घोटाला हुआ. दूसरे आयोग (जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद) ने अपनी रिपोर्ट के साथ कुछ एनेक्सचर भी लगाये थे. वे एनेक्सचर तीसरे आयोग (जस्टिस एजे मुखोपाध्याय) को दिये ही नहीं गये. इसकी भी पोल हाईकोर्ट में खुल गई है. बार-बार नोटिस दिये जाने के बावजूद दोनों आयोगों की रिपोर्ट हाईकोर्ट में तब दाखिल की गयी जब कोर्ट को चेतावनी देनी पड़ी.

इस कलंक कथा का श्रीगणेश नैतिकता के उदधि विधानसभा के पहले अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने किया. वह ऐसे महानुभाव हैं जो सौ-दो सौ ग्राम नैतिकता अपनी जेब में लिए चलते हैं और उसे यत्र-तत्र-सर्वत्र ऐसे छिड़कते चलते हैं जैसे किसी जलसे में गुलाब जल छिड़का जाता है. सुभाषित तो उनके कंठ से अनवरत फूटते रहते हैं. वह खांडवप्रस्थ को इंद्रप्रस्थ बनाने की संकल्पनावाले गिरोह के नाहर थे. उन्होंने किया क्या ? उन्होंने 214 लोगों को बहाल कर दिया, निहायत अपारदर्शी तरीके से.

- शेष पेज 11 पर

साहित्य का नोबेल पुरस्कार द. कोरिया की हेन कांग को

एजेंसी। जेनेवा

दक्षिण कोरियाई लेखिका हेन कांग को 2024 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया. उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए उनको यह पुरस्कार मिला है.

उनकी किताबों में 'द वेजिटेरियन, द व्हाइट बुक, ह्यूमन एक्ट्स और ग्रीक लेसन्स शामिल हैं. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हेन कांग का जन्म 1970 में दक्षिण कोरियाई शहर ग्वांगजू में हुआ था. 9 साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ सियोल चले गए थे. वह एक साहित्यिक पृष्ठभूमि से आती हैं और उनके पिता एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार हैं.

अपने लेखन के साथ-साथ, उन्होंने खुद को कला और संगीत के लिए भी समर्पित कर दिया है. नोबेल पुरस्कार विजेता हेन कांग की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल उपन्यास ''द वेजिटेरियन'' 2015 में आई. तीन भागों में लिखी गई यह पुस्तक उन हिंसक परिणामों को चित्रित करती है.

1993 में हेन कांग ने 'मुनक गवा साहो' साहित्य और समाज के शीतकालीन अंक में 'विंटर इन सियोल' सहित पांच कविताएं प्रकाशित करके एक कवि के रूप में अपनी साहित्यिक शुरुआत की थी. उन्होंने अगले वर्ष जीत हासिल करके एक उपन्यासकार के रूप में अपना करियर शुरू किया. 1995 में अपना पहला लघु कहानी संग्रह येओसु (मुन्जी पब्लिशिंग कंपनी) शीर्षक से प्रकाशित किया. आर्ट्स काउंसिल कोरिया के समर्थन से 1998 में तीन महीने के लिए आयोवा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय लेखन कार्यक्रम में भाग लिया था.

लौहनगरी शोकाकुल, पूजा पंडालों में दी गई रतन टाटा को श्रद्धांजलि

गुरुद्वारों में अरदास, पूजा समितियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द, जगह-जगह शोकसभा आयोजित कर किया गया नमन

संवाददाता। जमशेदपुर

रतन टाटा के निधन से लौहनगरी जमशेदपुर शोकाकुल है. दुर्गा पूजा के उत्साह के बीच बुधवार की रात उनकी मौत की खबर ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया. उनके निधन की खबर शहर पहुंचते ही सभी शोक में डूब गये. दुर्गा पूजा पंडालों में सभी लाइटें कुछ देर के लिए बंद कर दी गईं. सोशल मीडिया पर शोक संदेश का तांता लग गया. बता दें कि जमशेदपुर से गहरा नाता रखने वाले और यहां के लोगों को अपना परिवार मानने वाले टाटा संस के मानद अध्यक्ष भारत रत्न रतन टाटा का 86 वर्ष की उम्र में बुधवार (9 अक्टूबर 2024) की रात निधन हो गया. उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली. उनके निधन से देश ने एक होनहार अमूल्य उद्योगपति खो दिया है. जमशेदपुर और यहां के लोगों से उन्हें विशेष लगाव था. जमशेदपुर उनका दूसरा घर था. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टेल्को (वर्तमान में टाटा मोटर्स) से की थी. टेल्को में उन्होंने प्रशिक्षण लिया था. वे अपने छात्र जीवन में पहली बार जमशेदपुर आए थे. उन्होंने टेल्को और टिस्को में हो रहे कार्यों को जाना और समझा. दोनों के प्लांटों को घूमकर देखा था. इसका उल्लेख उन्होंने कुछ दिनों पूर्व अपने इंस्टाग्राम पर किया था.

शहर के तमाम पूजा पंडालों में दी गई रतन टाटा को श्रद्धांजलि

जमशेदपुर में कुल 332 छोटी-बड़ी व मध्यम दुर्गा पूजा समितियां विधिवत पंडाल बनाकर दुर्गोत्सव का आयोजन कर रही हैं. बुधवार की देर रात देश के रत्न रतन टाटा के आकस्मिक निधन के बाद गुरुवार को केंद्रीय समिति के महासचिव आशुतोष सिंह की इस अपील का तमाम समितियों ने पालन किया और पंडाल में रतन टाटा की तस्वीर स्थापित कर उनको श्रद्धांजलि दी. रतन टाटा के आकस्मिक निधन के कारण गुरुवार को न्यू सिदगोड़ा पूजा कमेटी द्वारा शाम के सारे सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए. साथ ही शाम को श्रद्धांजलि सभा रखी गई जिसमें शामिल होकर समिति के तमाम सदस्यों व पदाधिकारियों ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी. दूसरी ओर, एग्रिको दुर्गा पूजा कमेटी ने भी पंडाल में रतन टाटा की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए. नेतृत्व कमेटी के महासचिव भूपेंद्र सिंह ने किया. श्रद्धांजलि सभा में कमेटी के तमाम पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे. आशुतोष सिंह ने बताया कि शहर की कई दुर्गा पूजा कमेटियों ने पंडाल में रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए अपने पूर्व निर्धारित सांस्कृतिक कार्यक्रम रद कर दिए.

सागदी से दुर्गा पूजा मनाएं पूजा कमिटियां : आशुतोष सिंह

जमशेदपुर केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के महासचिव आशुतोष सिंह ने महान उद्योगपति टाटा समूह के चेयरमैन (एमिरेट्स) रतन टाटा के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की. साथ ही शहर के तमाम दुर्गा पूजा समितियों से अपील की कि वे रतन टाटा के निधन पर एक दिन दुर्गा पूजा सादगी से मनाएं. कहा कि रतन टाटा हम सबों के आदर्श, प्रेरणा स्रोत थे. उन्होंने पूजा समितियों से पंडाल में उनकी तस्वीर रख श्रद्धांजलि देने की भी अपील की.

साकची गुरुद्वारा में अरदास, लोगों ने दी श्रद्धांजलि

टाटा संस के चेयरमैन (एमेरिट्स) रतन टाटा के निधन पर बृहस्पतिवार को साकची गुरुद्वारा में अरदास के बाद श्रद्धांजलि दी गई. सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह ने कहा कि रतन टाटा का इस दुनिया से जाना उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति है. मौके पर साकची गुरुद्वारा के प्रधान सरदार निशान सिंह, महासचिव परमजीत सिंह काले, सेंट्रल सिख नौजवान सभा के प्रधान सरदार अमरीक सिंह, सतबीर सिंह सोमू सरदार जसवीर सिंह गांधी, अर्जुन वालिया, अमरपाल सिंह, गुरचरण सिंह बिल्ला, सुरिंदर सिंह सिंदा, वीरजी खालसा सेवा दल के हरवीर सिंह, जगतार सिंह, जोगिंदर सिंह जोगी, सिख स्त्री सत्संग सभा, सुखमणि साहिब कीर्तनी जत्था, अमन सिंह, स्कूल सचिव सुखविंदर सिंह निक्कू, उपाध्यक्ष सरदार त्रिलोचन सिंह तोची, सरदार मनोहर सिंह मिते, सरदार बलबीर सिंह, सरदार बलबीर सिंह धंजल समेत समाज के लोग मौजूद थे.

पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने शोक व्यक्त किया

पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार सिंह ने रतन टाटा के असामयिक निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की. उन्होंने कहा कि रतन टाटा के निधन से किसी की व्यक्तित क्षति नहीं हुई. बल्कि पूरे देश की अपूरणीय क्षति है.

28 दिसंबर, 1937 — 9 अक्टूबर 2024

रतन टाटा की स्मृति में कानन इंटरप्राइजेज 86 पौधे लगाएगा

जमशेदपुर। सिदगोड़ा स्थित कानन इंटरप्राइजेज के प्रधान कार्यालय में बृहस्पतिवार को एक शोकसभा का आयोजन किया गया. जिसमें महान उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई. इस दौरान सभी ने प्रण किया कि उनकी आत्मा की शांति के लिए संस्था की ओर से 86 पौधे लगाए जाएंगे. साथ ही इतने ही गरीब बच्चों को पढ़ाई की सामग्री उपलब्ध करायी जाएगी तथा भोजन कराया जाएगा. मौके पर कंपनी के प्रोपराइटर बिशेष खां, विजय खां, भानु भास्कर, स्नेहा कुमारी, राजेश भूमिज, सुष्मिता नायक, मरिया किस्कू, रोहित शर्मा, दीपक कुमार, बबलू झा, सौरव झा, दीपक झा, संजय झा, चन्दन पांडेय, अशोक राय, सुनील सिंह, जैस्मिन सोरेन और अन्य उपस्थित रहे.

रतन टाटा लोगों के दिलों सदैव अमर रहेंगे : एसिया

आदित्यपुर | देश के महान उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा का परलोक गमन किसी परिवार के लिए व्यक्तिगत क्षति नहीं बल्कि पूरे देश के लिए महान क्षति है. उक्त बातें आदित्यपुर स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल ने गुरुवार को ऑटो क्लस्टर में आयोजित शोक सभा में कही. उन्होंने कहा कि अपनी दूरदर्शिता और मानवता की सेवा की वजह से करोड़ों भारतीयों के दिल में वे बसते थे. ऑटो क्लस्टर के एमडी एसएन ठाकुर ने कहा कि उन्होंने उद्योग जगत में अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता में कभी समझौता नहीं किया जिसके वजह से उपभोक्ता कीमत को दरकिनार करते हुए आपके प्रोडक्ट का प्रशंसक और उपभोक्ता बने रहे. जिसके कारण टाटा एक ब्रांड बन गया. एसिया के ट्रस्टी संतोष खेतान ने कहा कि रतन टाटा हमेशा ही देश को समृद्ध और परम वैभव पर पहुंचाने के लिए प्रत्याशील रहे. हर मुसीबत में देश की रीढ़ की हड्डी के रूप में आपने सपोर्ट किया. आने वाले दिनों में वे करोड़ों भारतीयों के साथ-साथ विश्व के अन्य देशों को भी प्रेरणा देने का स्रोत बने रहेंगे. पूर्व महासचिव दशरथ उपाध्याय ने कहा कि नक्सलवाद सांप्रदायिकता आदि से ऊपर उठकर भारत के समस्त संपत्ति पर सबका समान अधिकार हो ऐसी सोच रतन टाटा की थी. रतन टाटा महान थे और महान ही बने रहेंगे. आज सुबह तड़के आपके निधन की खबर ने नवरात्रि के पावन पर्व को भी फीका कर दिया और लोग सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने परिवार में भी आप जैसे व्यक्तित्व को खोने का गम भुला नहीं पा रहे हैं. शोक सभा में प्रवीण गुटगुटिया, राजकुमार संघी, सुधीर सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में उद्यमी मौजूद रहे जिन्होंने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी.

पूरे देश व उद्योग जगत की अपूरणीय क्षति

देश के रत्न, उद्योगपति और संवेदनशील व्यक्ति रतन टाटा के निधन से वे स्तब्ध हैं. उनका जाना न केवल उद्योग जगत, बल्कि संपूर्ण भारत के लिए अपूरणीय क्षति है. उनके कुशल नेतृत्व में टाटा ग्रुप की कंपनियों ने देश के विकास में अहम योगदान दिया. राष्ट्र सेवा में उनके अमूल्य योगदान के लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा.

– रघुवर दास, राज्यपाल, ओडिशा.

महान विभूति की कीर्ति कभी मरती नहीं है. रतन टाटा की कीर्ति सदैव जीवित रहेगी. उन्होंने अपनी दूरदर्शी सोच से टाटा समूह को वैश्विक पहचान दिलायी. कोरस एवं जगुआर जैसी कंपनियों का टाटा हिस्सा बनाया, यह उनकी दूरदर्शी सोच को दर्शाता है. उन्होंने अपने पूर्वजों की विरासत को अच्छी तरह आगे बढ़ाया.

– बन्ना गुप्ता, स्वास्थ्य मंत्री, झारखंड.

रतन टाटा भारतीय उद्योग जगत की प्रेरणा थे, उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. रतन टाटा की मानवता के प्रति प्रतिबद्धता और शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण के क्षेत्र में योगदान सदैव याद रखा जाएगा. उनका जाना भारतीय समाज और उद्योग जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है.

– अमरप्रीत सिंह काले, पूर्व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता.

रतन टाटा का निधन भारतीय उद्योग जगत की अपूरणीय क्षति है. जमशेदपुर के विकास में रतन टाटा का बड़ा योगदान है. रतन टाटा ने टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में महत्ती भूमिका निभायी थी. उन्होंने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अन्य उद्योग समूहों के लिए एक मानक स्थापित किया.

– डा. अजय कुमार, पूर्व सांसद सह कांग्रेस नेता

रतन टाटा भारत के अनमोल रतन, एक सच्चे राष्ट्रवादी और दूरदर्शी उद्योगपति थे. उन्होंने टाटा समूह को ऊंचाइयों पर पहुंचाया. उनके नेतृत्व से टाटा समूह को उल्लेखनीय सफलता हासिल की, जिससे इसके वैश्विक विस्तार में मदद मिली और विश्व मंच पर हमारे देश की उपस्थिति काफी मजबूत हुई.

– सुरेश सोंथालिया, राष्ट्रीय महासचिव, कैट.

साकची गुरुद्वारा में अरदास करते सिख समाज के लोग.

एग्रिको दुर्गा पूजा पंडाल में रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई.

रतन टाटा का श्रद्धांजलि अर्पित करते स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता.

आदित्यपुर में शोक सभा करते एसिया के उद्यमी.

ब्रीफ खबरें

दूरदर्शी सोच के धनी थे रतन टाटा : फुलकांत

आदित्यपुर । रतन टाटा दूरदर्शी सोच के धनी थे. उनके निधन से देश को अपूरणीय क्षति हुई है. उक्त बातें पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस के वरीय जिला उपाध्यक्ष फुलकांत झा ने कही. उन्होंने कहा कि रतन टाटा वास्तव में देश के रत्न थे. वे एक कुशल प्रबंधक के साथ अच्छे इंसान भी थे. देश को औद्योगिक और आर्थिक रूप से समृद्ध करने में उनकी अहम भूमिका रही थी. वे एक कुशल रणनीतिकार भी थे.

राजलाबांध पूजा पंडाल का विधायक ने किया उद्घाटन

बहरागोड़ा । नवरात्र के पावन अवसर पर विधायक समीर कुमार मोहंती ने बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के राजलाबांध सार्वजनिन दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया. इस अवसर पर विधायक ने बताया कि कमेटी के सदस्य ने बताया कि 25 वर्ष पूरा होने के अवसर पर सिल्वर जुबली मनाया जा रहा है. इसको लेकर राजलाबांध गांव में उत्सव का माहौल है. वहीं महाअष्टमी एवं महानवमी के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. साथ ही लोगों के बीच महाप्रसाद का वितरण भी किया जाएगा. वहीं पूजा कमेटी की ओर से अध्यक्ष असित मिश्रा, उपाध्यक्ष बृहस्पति राणा, मुख्य सचिव गजेंद्र सिंह, निर्मल दुबे, सचिव सुजीत पात्र, सह सचिव गौरी शंकर महतो, कोषाध्यक्ष पद्मलोचन पैड़ा व अन्य अपना दायित्व निभा रहे हैं.

बैंक कॉलोनी दुर्गोत्सव में शामिल हुए भाजपा नेता

आदित्यपुर।आदित्यपुर के मांझी टोला नदी किनारे बसी बैंक कॉलोनी के दुर्गोत्सव में भाजपा नेता दीपू सिंह शामिल हुए. उन्होंने इस मौके पर रात्रि जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया. उनके साथ भाजपा नेता कृष्ण गोपाल पिंटू, कांग्रेस नेता देबू चटर्जी, धीरज कुमार, विनोद कुमार गुप्ता सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे. कमेटी के सदस्य विनीत सिन्हा और गणेश सिंह ने बताया कि बैंक कॉलोनी में 10 वर्षों से पक्का मंदिर निर्माण कर दुर्गोत्सव मनाया जा रहा है. इसमें कॉलोनी के सभी लोग शरीक होते हैं.

दुर्गा पूजा पंडालों में हुई पूजा अर्चना, उमड़ी भीड़

संवाददाता। घाटशिला

प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में गुरुवार की सुबह महासप्तमी की पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की गई. घाटशिला के दहीगोड़ा स्थित संस्कृति क्लब दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा बाबा केदारनाथ मंदिर की आकृति में भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है. इस पंडाल को देखने के लिए लोग पहुंच रहे हैं. इसके अलावा भातृ संघ लालडीह, गोपालपुर ओवर ब्रिज के समीप, गांधी स्पोर्टिंग क्लब, बाबू लाइन, टूमांडूंगरी, कसीदा न्यू कॉलोनी, अस्वस्थ कुंज, राजस्टेट मैदान, ढोडाडीह, जेसी स्कूल परिसर एवं पावड़ा सिद्ध कानू मैदान में भव्य पंडाल का निर्माण कर प्रतिमा स्थापित कर सार्वजनिक पूजा अर्चना की जा रही है. शुक्रवार की सुबह महाअष्टमी तथा संधि पूजा के साथ महानवमी की पूजा की जाएगी. श्रद्धालुओं की भीड़ प्रत्येक पंडाल में पुष्पांजलि के लिए पहुंचेगी. इसके लिए कमेटी की ओर से महिलाएं एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था की गई है. पूजा को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन की ओर से चाक चौबंद व्यवस्था है. ताकि किसी भी पंडाल के समीप भीड़भाड़ के कारण विवाद उत्पन्न ना हो. इसके लिए कमेटी द्वारा वालंटियर भी रखे गये हैं.

घाटशिला के एक पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक भक्त.

वैदिक रीति रिवाज के साथ हुई पूजा अर्चना

बहरागोड़ा | नवरात्र के पावन अवसर पर गुरुवार को वैदिक रिवाज के साथ महासप्तमी का पूजा अर्चना शुरू हुई. इस अवसर पर ईचड़ाशोल सार्वजनिन दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से कपाड़िया तालाब से गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकली गई. शाखा मैदान में स्थित भव्य पंडाल में पुजारी तपन आचार्य ने मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापना कराई. इसके बाद मां की पूजा अर्चना शुरू की गई.

दुर्गोत्सव की धूम से पूरा जादूगोड़ा भक्तिमय

जादूगोड़ा | जादूगोड़ा व उसके आसपास के ग्रामीणों क्षेत्रों में दुर्गोत्सव की धूम से पूरा जादूगोड़ा भक्तिमय हो गया है. जादूगोड़ा मोड़ चौक स्थित श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में इधर आज बृहस्पतिवार को महाष्टमी के मौके पर मां दुर्गा की आठवीं रूप महागौरी के पूजा की गई. मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने के लिए भक्तों की पूजा पंडाल में भारी भीड़ उमड़ रही है. ऐसी मान्यता है कि महागौरी की पूजा करने से माता शांति प्रदान करती हैं. पूजा पंडाल को सोने के रंग से सजाया गया है. पंडाल के अंदर मां दुर्गा के नौ रूप विराजमान हैं, जिनकी आभा लोगों को बरबस अपनी ओर खींच रही है. इन्हें बनाने में दो महीने से कोलकाता के कारीगर लगे थे. पूरा पंडाल बास काटी से तैयार किया गया है. पूजा समिति के संजू बारीक,अमित अग्रवाल, देव दत्ता नमाता, अनिल अग्रवाल,अमित डे, विशाल गुप्ता, प्रमोद कालिंदी ने बताया कि यहां 1968 से पूजा होती आ रही है. भक्तों के लिए अगले चार दिनों तक भोग की वितरण की व्यवस्था की गई है.

गोविंदपुर में 12 को होगा 51 फीट के रावण के पुतले का दहन

जमशेदपुर। गोविंदपुर स्थित श्रीश्री वीर कुंवर सिंह स्टेडियम रावण दहन समिति विजयदशमी यानि 12 अक्टूबर को रावण के विशालकाय पुतले का दहन करेगी. इस आयोजन में बातैर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल होंगे. विशिष्ट अतिथि के रूप में उनके साथ आजसू के पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस व सम्मानित अतिथि के रूप में अमरप्रीत सिंह काले, बाबूलाल सोरेन समेत अन्य शामिल होंगे. समिति के संस्थापक राधेश्याम सिंह और महामंत्री कमलेश सिंह ने बताया कि गोविंदपुर के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में 12 अक्टूबर को जमशेदपुर के सबसे बड़े रावण के पुतला का दहन किया जाएगा. बंगाल के कारीगरों द्वारा इस बार 51 फीट ऊंचा पुतला बनाया जा रहा है. ओडिशा की टीम आतिशबाजी करेगी, जो लगभग तीन घंटे तक जारी रहेगी. आयोजन समिति में मुख्य रूप से ललन साह, सुनील सिंह, विजय यादव, रमन झा, पवन सिंह, मधु सिंह, जुगनू वर्मा, धीरज सिंह समेत अन्य लोग शामिल हैं.

श्रद्धांजलि | उद्योग एवं व्यापार जगत ने अपना अभिभावक खो दिया : मूनका

सिंहभूम चैम्बर रतन टाटा के निधन से मर्माहत

संवाददाता। जमशेदपुर

सिंहभूम चैम्बर ने टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया. अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि रतन टाटा के निधन से देश को अपूरणीय क्षति हुई है. देश ने एक महान व्यक्तित्व के स्वामी को खो दिया है. रतन टाटा देशभक्त उद्योगपति के साथ-साथ एक समाजसेवी भी रहे. उद्योग एवं व्यापार जगत ने अपना अभिभावक खो दिया है. जमशेदपुर के प्रति उनकी एक अलग परिकल्पना थी. वे एक दूरदर्शी व्यक्तित्व के स्वामी भी थे, जिन्होंने टाटा घराने को एक नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया. मानद महासचिव मानव केडिया ने कहा कि रतन टाटा एक सहज और सहृदय व्यक्ति थे. जमशेदपुर से उनका गहरा लगाव था. टाटा संस की कमान उनके हाथों में आने के बाद कई बार उन्होंने जमशेदपुर का दौरा किया. सिंहभूम चैम्बर के प्रति भी उनकी निष्ठा थी. अपने जमशेदपुर आगमन पर उन्होंने तीन मार्च, 2012 को चैम्बर के सदस्यों को संबोधित भी किया और एक सफल उद्यमी बनने के गुर बताये. उपाध्यक्ष पुनीत कांवटिया ने कहा कि देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता. जमशेदपुर के लोगों के दिलों में ही नहीं वरन देश के लोगों के दिलों में भी वे सदैव जीवित रहेंगे.

टाटा स्टील के द्वारा सेंटर फॉर एक्सीलेंस में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कोषाध्यक्ष सीए अनिल रिंगसिया, सचिव बिनोद शर्मा, सुरेश शर्मा लिपु, उपाध्यक्ष अनिल मोदी, अधिवक्ता राजीव अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, सचिव भरत मकानी, अधिवक्ता अंशुल रिंगसिया ने भी रतन टाटा के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय में बृहस्पतिवार को यूनियन की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. जिसमें यूनियन अध्यक्ष गुरमीत सिंह, महामंत्री आर के सिंह समेत अन्य पदाधिकारी शामिल हुए.

इस दौरान टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. मौके पर महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि रतन टाटा का दिल मजदूरों के साथ-साथ समस्त भारत वासियों के लिए हमेशा खुला रहता था. उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा याद किए जाएंगे.

आरके सिंह ने कहा कि गरीबों का हितैषी होने के नाते ही उन्होंने नैनो कार लांच किया. कोरोना काल में उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा याद किए जाएंगे. अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने कहा कि रतन टाटा जैसी शख्सियत कभी-कभी ही पैदा होते हैं. वे युगो-युगों तक याद किए जाएंगे.

न्यूज अपडेट

माझी परगना को पूर्व विधायक ने किया सम्मानित

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के जयप्रकाश नारायण भवन परिसर में गुरुवार को नवरात्र के पावन अवसर पर पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने क्षेत्र के माझी परगना एवं ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया. वहीं कार्यक्रम में सर्वप्रथम जाने माने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर उनके आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया . तत्पश्चात पारंपरिक रीति रिवाज के अनुसार सभी माझी बाबा, नायके, गुड़ैत, जोगमाझी तथा ग्राम प्रधानों को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया. पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने कहा हमारे संस्कृति परंपरा के अनुसार ये हमारे पूर्वजों से ही सम्मानित व्यक्ति हैं.

गुमटी बस्ती में पहली बार हो रही दुर्गा पूजा

आदित्यपुर । आदित्यपुर गुमटी बस्ती में पहली बार मां दुर्गा की पूजा हो रही है जिससे बस्तीवासियों में खुशी का माहौल है. यहां श्रीश्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी आदित्यपुर गुमटी बस्ती नियर मां मानसा मंदिर रेलवे फाटक की कमेटी बनाई गई है जिसमें सभी बस्तीवासी शामिल हैं. यहां आज महिलाएं महाअष्टमी पर विशेष पूजन के लिए थाल सजाकर पंडाल पहुंची और पूजा अर्चना की. यहां की कमेटी ने महाष्टमी और महानवमी को माता का महाभोग का आयोजन किया है. कमेटी के यजमान बाबू तांती ने बताया कि यहां विजया दशमी को भी माता का भोग बनाया जाएगा.

कर्ण सिंह ने किया पीसीसी सड़क का शिलान्यास

घाटशिला । प्रखंड अंतर्गत पावड़ा पंचायत के अमाईनगर स्थित शिशु मंदिर स्कूल से लेक टाउन हॉल तक लगभग 1000 फीट पीसीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास गुरुवार को जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने नारियल फोड़कर किया. कर्ण सिंह ने कहा कि यह सड़क काफी जर्जर स्थिति में थी. नीलू दत्ता ने इस सड़क निर्माण का टेंडर लिया है लगभग 14 लाख रुपये की लागत से सड़क का निर्माण कराया जाएगा. मौके पर मुख्य रूप से उप प्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल पावड़ा पंचायत की मुखिया पार्वती मुर्मू विजय सिन्हा सहित अन्य स्थानीय लोग उपस्थित थे.

विधायक संजीव ने अनाथ बच्चों को दिया राशन

डुमरिया । डुमरिया प्रखंड के धोलाबेड़ा गांव के पांच अनाथ बच्चों को विधायक संजीव सरदार ने 50 किलोग्राम अनाज, पांच कंबल और पांच बेडशीट प्रदान किया. विधायक संजीव सरदार ने पांच अनाथ बच्चों को गोद लेकर भरण पोषण और पढ़ाई का जिम्मा लिया है. बड़ा भाई थोड़ो बोयपाई के कंधे पर चारों भाई बहनों के भरण पोषण की जिम्मेदारी है. विगत दिनों दौरे के क्रम में विधायक संजीव सरदार को इस संबंध में जानकारी हुई. इसके बाद विधायक ने इन सभी बच्चों को गोद लेते हुए भरण पोषण का जिम्मा लिया.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● जमशेदपुर, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 183 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

रतन टाटा का निधन राष्ट्रीय क्षति : बिद्युत बरण महतो

जमशेदपुर । भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख स्तंभ एवं टाटा समूह के पुरोधा रतन टाटा के निधन पर सांसद बिद्युत बरण महतो ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय क्षति है. उनके निधन से जो रिक्तता आई है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती. उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने कई नए राष्ट्रीय एवं अतंर्राष्ट्रीय मुकाम हासिल किया. सांसद श्री महतो ने कहा कि झारखंड की धरती पहले से ही टाटा घराने की ऋणी है.

हमने एक मार्गदर्शक और राष्ट्रभक्त खो दिया : दिनेश

जमशेदपुर । टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन और भारतीय उद्योग जगत के महानायक रतन टाटा के निधन पर भाजपा नेता दिनेश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया. उन्होंने कहा, रतन टाटा का निधन केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उनके जाने से हमने एक मार्गदर्शक और सच्चे राष्ट्रभक्त को खो दिया है. देश और समाज में रतन टाटा की विरासत सदैव जीवित रहेगी.

सीजीपीसी ने रतन टाटा के निधन पर जताया शोक

जमशेदपुर । टाटा समूह के मानद चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सीजीपीसी ने गहरा शोक जताया है. गुरुवार को साकची स्थित कार्यालय में स्वर्गीय रतन टाटा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई.

कांग्रेस ने रद्द किए सभी राजनैतिक कार्यक्रम

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में रतन टाटा के निधन पर गुरुवार को तिलक पुस्तकालय में शोक सभा का आयोजन किया. पार्टी ने 24 घंटे के लिए पार्टी का झंडा आधा झुकाया और सारे राजनैतिक कार्यक्रम रद्द कर दिवंगत रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी. जिला अध्यक्ष ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस लौहनगरी के लिए स्व. रतन टाटा न केवल एक उद्योगपति थे, बल्कि वे प्रत्यक्ष रूप से हमारे अन्नदाता थे.

विधायक संजीव ने पूजा पंडालों का किया दौरा

डुमरिया । पोटका विधायक संजीव सरदार ने गुरुवार को डुमरिया प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा किया. माता दुर्गा की पूजा अर्चना करते हुए विधायक ने क्षेत्र की सुख - समृद्धि की कामना की. विधायक संजीव सरदार डुमरिया, कुमड़ाशोल और अष्टकोशी प्लस टू हाईस्कूल भालुकपतड़ा स्थित पंडालों में गये पूजा कमेटी के सदस्यों विधायक का स्वागत तिलक लगाकर किया.

बामनगोड़ा के पूर्व शिक्षक एसडी मिश्रा का निधन

जमशेदपुर । विद्यासागर विद्यालय बामनगोड़ा के पूर्व शिक्षक सत्यदेव मिश्रा (एसडी मिश्रा) का मंगलवार की रात निधन हो गया. बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान नम आंखों से लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी. एसडी मिश्रा की पहचान उनकी सादगी एवं साइकिल रही. प्रौढ़ावस्था में भी वो साइकिल से ही विद्यालय आना-जाना करते थे. स्व. मिश्रा के निधन पर स्कूल के पूर्ववर्ती छात्रों ने गहरा दुःख व्यक्त किया.

भारत ने खोया अपना एक अनमोल रत्न : विधायक

जमशेदपुर । टाटा समूह के चेयरमैन रतन टाटा के निधन पर जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने कहा गहरी संवेदना व्यक्त की. कहा रतन टाटा के कुशल नेतृत्व क्षमता ने टाटा समूह को ऊंचाइयों पर पहुंचाया. उनकी ईमानदारी, परोपकार और दूरदर्शिता ने उन्हें भारत के सबसे सम्मानित उद्योगपतियों में स्थान दिलाया. देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में, रोजगार निर्माण करने में उनका बड़ा योगदान रहा.

टाटा वर्कर्स यूनियन ने शोकसभा अयोजित कर रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर टाटा वर्कर्स यूनियन में गुरुवार को भारत रत्न रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए शोकसभा का आयोजन किया गया. यूनियन कार्यालय के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में रतन टाटा की प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई. शोकसभा में रतन टाटा को टाटा स्टील कॉरपोरेट कम्युनिकेशन के वाइस प्रेसिडेंट चाणक्य चौधरी, एचआरएम की वाइस प्रेसिडेंट आत्रेयी सान्याल, टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी उर्फ टुन्नू चौधरी, डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश सिंह, हरिशंकर सिंह के अलावा अन्य ऑफिस बेयरर्स, सभी कमेटी मेंबर और कंपनी के कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि दी.

विसर्जन जुलूस की वीडियोग्राफी होगी, सीसीटीवी से रहेगी नजर

एसडीओ ने नदी घाट का किया निरीक्षण, कमियों को दूर करने का निर्देश

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

दुर्गा पूजा के साथ-साथ जिला प्रशासन प्रतिमा विसर्जन की तैयारियों में जुट गया है. विसर्जन के दौरान कड़ी चौकसी रखी जाएगी. ड्रोन कैमरे के अलावे विसर्जन जुलूस की वीडियोग्राफी भी करायी जाएगी. वहीं शहर में जगह-जगह लगे सीसीटीवी से कंट्रोल रूम से नजर रखी जाएगी. ताकि किसी तरह की गड़बड़ी होने पर दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा सके.

इसके मद्देनजर बृहस्पतिवार को धालभूम की अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार ने शहरी क्षेत्र के स्वर्णरेखा व खरकई नदी के विभिन्न विसर्जन घाट में प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने घाट पर प्रशासनिक व्यवस्था का जायजा लिया. जहां-जहां कमियां दिखी उसे दुरूस्त करने का निर्देश दिया. ताकि विसर्जन के दिन आने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो.

अनुमंडलाधिकारी ने विसर्जन के दिन ड्यूटी में लगाये गए संबंधित सुपर जोनल व जोनल मजिस्ट्रेट से अपनी-अपनी ड्यूटी स्थल का दौरा कर सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरूस्त कराने के लिए कहा. अनुमंडलाधिकारी ने बीडीओ, सीओ, नगर निकाय के कार्यपालक एवं विशेष पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों व थाना प्रभआरियों को निर्देश दिया कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया जाय. जमशेदपुर में पूजा समितियों ने 13 अक्टूबर को विसर्जन करने का निर्णय लिया है.

जमशेदपुर में गुरुवार को नदी घाट का निरीक्षण करती धालभूम की अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार.

विसर्जन घाट पर मौजूद रहेंगे गोताखोर

अनुमंडलाधिकारी ने कहा कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दिन नदी घाट घाट पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था के साथ बैरिकेडिंग की जाएगी. जिससे प्रतिबंधित क्षेत्र में कोई प्रवेश नहीं कर सके. उस दिन सभी घाटों पर लाइफ जैकेट के साथ गोताखोर मौजूद रहेंगे. उन्होंने मातहत अधिकारियों को डेंजर जोन चिन्हित कर कार्रवाई करने लिए कहा. उन्होने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे गहरे पानी में नहीं जाएं जिससे जनहानि की कोई संभावना बने. मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी.

छह घाटों पर विसर्जित होंगी प्रतिमाएं

जिला प्रशासन की ओर से दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए स्वर्णरेखा व खरकई नदी में छह घाट तैयार किए गए हैं. जिसमें मानगो गांधी घाट के समीप, भुइयांडीह, सती घाट कदमा, दोमुहानी, बेली बोधनवाला घाट बिष्टुपुर, बड़ौदा घाट बागबेड़ा शामिल हैं. उक्त सभी घाट पर पर आने-जाने के लिए मार्ग का समतलीकरण कर दिया गया है. साथ ही वहां बैरिकेडिंग व लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है.

शहर में 43 जगहों पर लगाए गए सीसीटीवी

दुर्गा पूजा में विधि व्यवस्था बनाए रखने लिए जिला प्रशासन की ओर से 16 थाना क्षेत्र के 43 प्वाइंट पर सीसीटीवी लगाया गया है. उक्त सीसीटीवी के माध्यम से दुर्गा पूजा घूमने आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों पर नजर रखी जाएगी. बृहस्पतिवार को एसडीओ शताब्दी मजूमदार ने घुम-घुमकर लगाए गए सीसीटीवी का भौतिक सत्यापन किया. इस दौरान छूटे हुए कुछ स्थानों में सीसीटीवी लगाने का कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश दिया.

विधानसभा चुनाव की आहट से शिलान्यास-उद्घाटन की बहार

जन प्रतिनिधि रोज कर रहे योजनाओं का भूमि पूजन

झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कभी भी हो सकती हैं. इसको देखते हुए जनप्रतिनिधियों में योजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास की होड़ मच गई हैं. प्रतिदिन कहीं न कहीं पूर्ण हो चुकी योजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है. वहीं चुनाव की अधिसूचना से काम बाधित नहीं हो, इसलिए योजनाओं का तेजी से शिलान्यास किया जा रहा है. विगत एक सप्ताह में करोड़ो रुपये की लागत से क्रियान्वित होने वाली योजनाओं का शिलान्यास किया गया.

जमशेदपुर पूर्वी में 14.77 करोड़ की लागत से 7 सड़कों का होगा निर्माण

सड़क निर्माण का शिलान्यास करते विधायक सरयू राय

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने बृहस्पतिवार को 14 करोड़ 77 लाख रुपए की लागत से 7 सड़कों के निर्माण का शिलान्यास किया. सभी सड़कें पथ निर्माण विभाग की निधि से बनायी जाएंगी. शिलान्यास के लिए गोलमुरी नामदा बस्ती, आनंद नगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विधायक सरयू राय ने कहा कि विधायक बनने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने सड़कें बनवाई और नागरिक सुविधा उपलबध कराने का कार्य किया. उन्होंने कहा कि कई योजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो चुका है. इन सभी योजनाओं के पूर्ण हो जाने पर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की लगभग सभी बड़ी सड़कों का निर्माण हो जाएगा. इसके पश्चात सिर्फ गलियों के अंदर स्थित छोटे छोटे सड़क ही शेष रह जाएंगे. ये सभी योजनाएं भी जिला योजना चयन समिति में चयनित हो गये हैं और प्रक्रियाधीन है.

ज्ञात हो कि सिर्फ पथ निर्माण विभाग के मद से ही जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के विभिन्न इलाकों में 96 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के सड़क निर्माण कार्य की योजनाएं स्वीकृत हुए हैं.

बोड़ाम का डुल्दुडूंगरी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा

जमशेदपुर । बोड़ाम प्रखंड के रूपसान गांव स्थित डुल्दुडूंगरी (पहाड़ी क्षेत्र) को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित किया जाएगा. जिससे सैलानी यहां आकर्षित हो. इसके लिए वन्य, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने 14 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की. बृहस्पतिवार को विधायक मंगल कालिंदी ने इसका शिलान्यास किया. मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि डुल्दुडूंगरी की कहानी 138 वर्ष पुरानी है. पर्यटन के दृष्टिकोण से इसका विकास होने से सैलानी यहां आकर्षित होंगे. खासकर वैसे सैलानी एवं श्रद्धालु जो बोड़ाम में हाथीखेदा मंदिर में पूजा अर्चना करने आते हैं. इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलकर इसकी स्वीकृति करायी. वहीं वन्य विभाग की ओर से पटमदा के माचा में वन्य विश्रामगार का भी शिलान्यास विधायक ने किया. कहा माचा अस्पताल के सामने वन विश्रामागार बन जाने से मरीजों के साथ अस्पताल आने वाले लोगों को ठहरने की सुविधा मिलेगी.

दुर्गापूजा में वर्षों पुरानी मांग पूरी, पुल निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

गुड़ाबांदा | गुड़ाबांदा प्रखंड के बालिजुड़ी में स्वर्णरेखा नदी पर 16.11 करोड़ रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण ग्रामीण विकास विभाग विशेष प्रमंडल द्वारा किया जाएगा. विधायक समीर कुमार मोहंती की अनुशंसा पर राज्य सरकार द्वारा पुल निर्माण की स्वीकृति दी गई है. गुरुवार को सांसद बिद्युत बरण महतो और विधायक समीर कुमार मोहंती ने बालिजुड़ी स्वर्णरेखा नदी घाट पर पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया. पुल का शिलान्यास संपन्न होने पर बालिजुड़ी के ग्रामीण काफी खुश नजर आये. विदित हो कि बालिजुड़ी से बहरागोड़ा प्रखंड जाने के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी. ग्रामीण इस घाट पर पुल निर्माण के लिए वर्षों से आंदोलनरत थे. ग्रामीणों ने कहा माता के आशीर्वाद से वर्षों बाद पुल को स्वीकृति मिली है.

बांगुड़दा में बाइक पुलिया से टकराई, चालक की मौत

विशेष सहयोगी । पटमदा

कमलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांगुड़दा स्थित मां काली होटल के समीप गुरुवार की सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई. युवक की मोटरसाइकिल बराभूम- बांदोवान मुख्य सड़क पर स्थित पुलिया की रेलिंग से टकरा गई. घटना के बाद गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे पटमदा के माचा स्थित सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

मृत युवक की पहचान पश्चिम बंगाल के बांदोवान थाना क्षेत्र के सुपुरुड़ी गांव निवासी विकास कर्मकार के रूप में की गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद युवक के परिजन सीएचसी पहुंचे. जहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया.

नोवामुंडी में कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक घायल

संवाददाता । किरीबुरु

अज्ञात कार ने मोटरसाइकिल सवार युवकों को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में घायल टीमू महाराणा की इलाज के दौरान टाटा स्टील के नोवामुंडी अस्पताल में हो गई. दूसरा घायल आशीष नायक का इलाज जारी है. मृतक व घायल युवक बड़ाजामदा के भट्ठीसाई निवासी हैं. घटना के बाबत बताया जा रहा है कि 9 अक्टूबर की रात लगभग पौने दस बजे मोटरसाइकिल से टीमू महाराणा और आशीष नायक बड़ाजामदा से नोवामुंडी की तरफ जा रहे थे. तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही अज्ञात कार ने गांवगुटु के पास मोटरसाइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार घटनास्थल से फरार हो गया. घटना की खबर मिलते ही बड़ाजामदा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को नोवामुंडी अस्पताल ले गयी. वहां इलाज के दौरान गुरुवार को टीमू महाराणा की मौत हो गई. इस घटना से बड़ाजामदा में शोक की लहर है. पुलिस मामले की जांच प्रारम्भ कर जरुरी कानूनी कार्यवाही में लग गई है.

दुर्घटना में मृत टीमू महाराणा

आज भी होगी बारिश कल से मिलेगी राहत

जमशेदपुर । बारिश होने के कारण दुर्गोत्सव का मचा फीका पड़ता दिख रहा है. मौसम विभाग ने 11 को बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है. हालांकि 12 अक्टूबर से मौसम साफ हो जाएगा. इन तीन दिन ही दुर्गा-पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा उमड़ती हैं. वर्षा होने से इसमें कमी आने की संभावना है. बुधवार दोपहर में शहर और आसपास के इलाके में बारिश हई. वहीं, कई स्थानों पर वज्रपात भी हुआ. इसी तरह बृहस्पतिवार को भी दोपहर में कई जगहों पर हल्की एवं मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. जिसके कारण पंडाल परिसरों में कीचड़ भर गया. इससे लोगों को परेशानी भी हुई.

रैश ड्राइविंग में युवक धराए, 5 बाइक जब्त

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

दुर्गा पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था के के मद्देनजर शहर के प्रमुख चौक चौराहों, पूजा पंडाल के रास्तों में पुलिस द्वारा चौकसी बढ़ा दी गई है. इसके तहत सभी थाना क्षेत्रों में चौक-चौराहों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा. यातायात नियमों का उल्लंघन व रैश ड्राइविंग करने वाले युवाओं के विरुद्ध पुलिस द्वारा विशेष सख्ती बरती जा रही है. जांच अभियान में वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस और वाहनों की डिक्की में रखे सामानों की तलाशी ली जा रही. इसी क्रम में साकची गोलचक्कर से 5 बाइक में सवार युवा रैश ड्राइविंग करते पकड़े गए. सभी को हिरासत में लेते हुए गाड़ियां जब्त कर ली गई हैं. साथ ही उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की तैयारी जा रही है. दूसरी ओर पुलिस की ओर से रैश ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ सख्ती देखकर दूसरे लोगों में हड़कंप मच गया है.

49 पेटी अवैध विदेशी शराब बरामद

जमशेदपुर | परसुडीह थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के झारखंड नगर बस्ती में एक घर में छुपाकर रखी गयी 49 पेटी अवैध विदेशी शराब बरामद की. इस दौरान शराब का भंडारण करने वाले राजकुमार भगत को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में उसने बताया कि अवैध रूप से बिक्री के लिए उसने शराब मंगायी थी. परसुडीह थाने में मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए सिटी एसपी ने बताया कि बरामद शराब की कीमत एक लाख रुपये से ज्यादा है. राजकुमार भगत अवैध रूप से शराब कारोबार करता है. उसी मंशा से उसने उपरोक्त शराब मंगायी थी. इससे पहले इसकी जानकारी मिलने के बाद सिटी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. टीम ने छापेमारी करके शराब बरामद की.

धरोहर कतरास राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह व रामधन पाल के संयुक्त प्रयास से हुआ था निर्माण

सिपाही विद्रोह से पहले हुई थी तोपचांची दुर्गा मंदिर की स्थापना

अक्षय चौबे । तोपचांची

धनबाद जिले से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित तोपचांची दुर्गा मंदिर का इतिहास काफी पुराना है. मंदिर की स्थापना 1857 के सिपाही विद्रोह से पहले हुई थी.

उस वक्त मंदिर में दुर्गा मां की प्रतिमा स्थापित कर रामधन पाल ने की थी. बाद में कतरास के राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह व रामधन पाल के संयुक्त प्रयास से दुर्गा मंदिर व काली मंदिर का निर्माण करवाया गया. राजा प्रथा समाप्त होने के बाद तोपचांची दुर्गा मंदिर को रामधन पाल के वंशजों ने मंदिर को सोलह आना (सार्वजनिक) को सौंप दिया.

तोपचांची दुर्गा मंदिर को सार्वजनिक दुर्गा मंदिर के नाम से जाना जाता है. मंदिर में प्रत्येक साल मां की प्रतिमा स्थापित कर दुर्गा पूजा बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है.

अब 101 फीट का मंदिर

2023 में मंदिर को पुन: जीर्णोद्धार करने का फैसला लिया गया जो 2024 में मंदिर 101 फीट का भव्य मंदिर बन कर तैयार हो गया. नेशनल हाईवे में स्थित यह दुर्गा मंदिर सबसे ऊंची मंदिर में से एक है. इस वर्ष भी मंदिर में भव्य दुर्गा पूजा की तैयारी चल रही है. मां की प्रतिमा स्थापित कर दुर्गा पूजा भव्य तरीके से मई जाएगी.

1995 में बनकर तैयार हुआ भव्य मंदिर : ग्रामीणों ने मंदिर का जीर्णोद्धार सन 1990 में शुरू किया था जो 1995 में पूरा हो गया. दुर्गा मंदिर में अष्टमी और नवमी को धनबाद, बोकारो, गिरीडीह तथा अन्य जिलों से श्रद्धालु भतुआ व बकरा बलि देने आते हैं. मंदिर में बांग्ला रीति-रिवाज से पूजा अर्चना की जाती है.

टिकट देने में युवाओं को महत्व देगी एनसीपी : पवन पांडेय

संवाददाता । जमशेदपुर

एनसीपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सह झारखंड विधानसभा चुनाव संचालन समिति के कोल्हान प्रमंडल प्रभारी डॉ पवन पांडेय कोल्हान के दौरे पर गुरुवार को चाईबासा पहुंचे थे. उनके साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी था, जिसमें चाईबासा विधानसभा प्रभारी विल्सन कुल्लू, नागा यादव, अनवर हुसैन, मोहम्मद रिजवान शामिल थे.

यहां प्रेस वार्ता में डॉ. पवन ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी बेहतर परिणाम देने के लिए पूरी ताकत के साथ उतरेगी.

उन्होंने कहा कि प्रत्याशी को मजबूत करने के लिए केन्द्रीय नेता झारखंड विधानसभा चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे. हम चुनाव में ज्यादा से ज्यादा युवा वर्ग को प्रत्याशी बनायेंगे.

उन्होंने कहा कि पार्टी कई सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारेगी. जिसका ताजा उदाहरण चाईबासा सीट है, जहां पर पार्टी ने महिला उम्मीदवार कोमल निमा सोरन को उम्मीदवार बनाया है.

चतरा जिले में श्रद्धा के साथ नवरात्रि का त्योहार मनाया जा रहा है. दुर्गा पूजा पंडालों के पट खुल गए हैं.बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं. शुक्रवार को पंडालों में भारी भीड़ आने की उम्मीद है.

उपायुक्त-पुलिस अधीक्षक ने जय मां काली पूजा समिति (काली बाड़ी) के पंडाल का किया उद्घाटन

डीसी-एसपी ने किया विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण

संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने गुरुवार को शहरी क्षेत्र के सभी प्रमुख पूजा पंडालों का भ्रमण कर माता के दर्शन किया तथा सभी आवश्यक तैयारियों का जायज़ा लिया. उन्होंने विभिन्न पूजा मंडपों में मां दुर्गा का दर्शन कर आशीर्वाद भी लिया. पूजा समिति के सदस्यों ने उनके स्वागत में माता की चुनरी ओढ़ा कर सम्मान दिया. इस दौरान उपायुक्त व एसपी ने माता का भोग भी ग्रहण किया.

उपायुक्त व एसपी ने जिला भ्रमण के दौरान आयोजकों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था व साफ़ सफाई बरकरार रखने का निर्देश दिया. उन्होंने सभी आयोजकों से श्रद्धालुओं

की सुविधा के लिए महिला एवं पुरुष के अलग अलग निकास व प्रवेश द्वार की व्यवस्था करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने आयोजन स्थल पर सीसीटीवी, अग्निशमन, बिजली, प्रकाश आदि की व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया. पंडाल भ्रमण के दौरान आयोजकों द्वारा आकर्षक पंडाल एवं अच्छी व्यवस्था को देख उपायुक्त ने खुशी जाहिर की तथा उपस्थित पूजा समिति के सदस्यों को दुर्गापूजा की शुभकामनाएं दी. शहरी क्षेत्र के सभी पूजा पंडालों के भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी अशोक कुमार मौजूद रहे.

कोलघट्टी के देवी जागरण में खूब झूमे लोग

हजारीबाग। कोलघट्टी मोहल्ले के मनोकामना शिव मंदिर में हर्षोल्लास के साथ दुर्गा पूजा मनाई जा रही है. इस मौके पर देवी जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें भक्ति गीतों और और भजनों पर पूरे मोहल्ले के लोग खूब झूम उठे. माता के भजनों का आनंद लिया. मंदिर के संरक्षक छवि गोप अध्यक्ष कमल गोप, महामंत्री सुनील कुमार श्रीवास्तव, सचिव डॉ प्रवीण कुमार एवं कोषाध्यक्ष विपिन कुमार ने समिति के सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया. अतिथि सार्जेंट मेजर अजीत कुमार चौबे, डॉ अमित सिन्हा, अनिल सिंह अखौरी, बृजेश सहाय, डॉ. प्रहलाद सिंह को भी माता की चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा समिति के छवि गोप, रामविलास गोप, शशि शंकर प्रसाद, शैलेंद्र सिंह, कमल किशोर सिंह, कुमार आनंदम, संतोष कुमार, हरिहर प्रजापति, विजय सिंह, दासों गोप, तपेश्वर गोप, प्रकाश यादव आदि युवा कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग रहा.

कोलकोले पंचायत के ग्रामीण बोले- सिर्फ आश्वासन देते हैं सांसद व विधायक

गांव में बिजली नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद

संवाददाता। कुंदा(चतरा)

विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सरकार व नेताओं द्वारा किये गए वादों को पूरा नहीं करने पर ग्रामीणों ने वोट के बहिष्कार का ऐलान करना शुरू कर दिया है. बुधवार को लावालौंग प्रखंड के कोलकोले पंचायत वासियों ने गांव में बिजली बहाल कराने की मांग को लेकर जिला प्रशासन, मंत्री, सांसद व विधायक के प्रति नाराज दिखे. ग्रामीणों की मांग है कि इस बार विधानसभा चुनाव से पूर्व गांव में बिजली कार्य को दुरुस्त कर गांव में बिजली बहाल नहीं की गई तो कोलकोले पंचायत के मतदाता इस बार वोट का बहिष्कार करेंगे. बिजली की गांव में बहाली को लेकर उपायुक्त, बिजली विभाग के कर्मी, विधायक, मंत्री को अवगत करा चुके हैं. कई बार आवेदन भी दे चुके हैं. इससे नाराज ग्रामीणों ने गांव से निकल कर मुख्य सड़क पर पहुंच कर बिजली नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद किया है. इस विरोध प्रदर्शन में चुकरु, कोलकोले कला, बेहराडीह, कोलकोले खुर्द, राजपुर गांव के लोग शामिल रहे. बता दें कि पंचायत में कुल 6879 मतदाता हैं जिनमें महिला 2600 व पुरुष 4279 हैं.

बिजली नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद करते ग्रामीण.

क्या कहते हैं मतदाता

मो. वसीम ने कहा कि नेता चुनाव के वक्त हम सबको भरोसा दिलाकर जाते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद गांव की समस्या को देखना तो दूर की बात, सुनते तक नहीं है. गांव में बिजली बहाल कराने की मांग को लेकर कई बार बोल चुके हैं. बस आश्वासन मिलता है. इस बार गांव में किसी भी नेता को घुसने नहीं देंगे. वहीं राकेश कुमार ने कहा कि गांव में दो साल से बिजली नहीं है. कुंदा पॉवर सबस्टेशन से कोलकोले पंचायत को जोड़ा गया, लेकिन मामूली रिपेयरिंग के अभाव में कोलकोले गांव के लोगों को बिजली नहीं मिल रही है. जब तक गांव में बिजली नहीं मिलेगी तब तक हमलोगों ने वोट का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है. वहीं सकीदा खातून ने कहा कि उम्र के अंतिम पड़ाव में जा पहुंचे हैं. इसके बावजूद गांव में बिजली की समस्या जस की तस बनी है. 30 वर्ष से वोट दे रहे हैं, लेकिन समस्या का निदान नहीं हुआ. नेता का वादा भी फेल हो चुका है. गांव में बिजली नहीं मिलने से बच्चे की पढ़ाई, सिंचाई समेत अन्य जरूरत के कार्य प्रभावित हो रहे हैं. जब तक बिजली नहीं मिलेगी वोट नहीं करेंगे और न पंचायत के लोगों को करने देंगे.

डीईओ बने कस्तूरबा महिला इंटर महावि के सचिव

रामगढ़। कस्तूरबा इंटर महिला महाविद्यालय रामगढ़ के प्रबंधन एवं प्रशासन के लिए पूर्ण शासी निकाय के संबंध में प्राप्त शिकायत पर सचिव झारखंड अधिविध परिषद रांची जयंत कुमार मिश्रा के पत्रांक 1590 के आलोक में उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला शिक्षा पदाधिकारी को कस्तूरबा इंटर महिला महाविद्यालय रामगढ़ के प्रबंधन एवं प्रशासन के लिए पूर्ण शासी निकाय सचिव नियुक्त किया गया.

बता दें कि कस्तूरबा इंटर महिला महाविद्यालय रामगढ़ के प्रबंधन एवं प्रशासन के लिए पूर्ण शासी निकाय का गठन किया गया था, परंतु उक्त महाविद्यालय के सचिव शंकर चौधरी के संबंध में पूर्व में सूचित किया गया है कि महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक/कर्मियों को अनुदान की राशि एवं वेतन की चेक में हस्ताक्षर नहीं करने के कारण आए दिन मीडिया अथवा सोशल मीडिया में महाविद्यालय में तालाबंदी संबंधी समाचार प्रकाशित की जा रही है. साथ ही यह भी सूचना प्राप्त हुआ है कि महाविद्यालय के शिक्षक/कर्मियों का 20 महीने से वेतन भुगतान नहीं किया गया है और ना ही वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त अनुदान की राशि का वितरण किया गया है जिससे यह स्पष्ट होता है कि महाविद्यालय के सचिव अपने दायित्व का निर्वहन करने तथा महाविद्यालय के सफल संचालन में असफल हैं. जिस पर सचिव झारखंड अधिविध परिषद रांची जयंत कुमार मिश्रा जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र लिखकर पूर्ण शासी निकाय का सचिव नियुक्त किया गया.

ब्रीफ खबरें

जय मां दुर्गे की जयकारों से गूंजा रजरप्पा कोयलांचल

रामगढ़। प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर गुरुवार को मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की आराधना पूरे भक्तिभाव से की गई. शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी तिथि पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और सुख-समृद्धि की कामना की. जबकि देश के कई क्षेत्रों से पहुंचे साधक और भक्त मंदिर प्रक्षेत्र के विभिन्न हवन कुंडों में माता की आराधना करने में जुटे रहे. इसके साथ ही दूर-दराज से पहुंचे कई भक्तों ने यहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन भी किया. जबकि रजरप्पा मंदिर प्रक्षेत्र के दूसरे छोर में अवस्थित लुगू बाबा आश्रम में भी शारदीय नवरात्र को लेकर विशेष अनुष्ठान चल रहा है.

मेले में ज्यादा शुल्क लेने पर लोगों ने किया विरोध

रामगढ़। नया नगर बरकाकाना मेले में झूला ठेकेदार पर ज्यादा शुल्क लेने का आरोप लगाते हुए बुधवार रात मेला में जमकर हंगामा हुआ. सप्तमी रात झूला मैदान संचालक द्वारा फिश टनल एक्वेरियम का शुल्क 50 से बढ़कर 70 करने के बाद यह हंगामा शुरू हुआ. जानकारी के अनुसार निर्धारित शुल्क से 20 अधिक का टिकट काटने पर यह हंगामा हुआ. बताया जाता है की पूजा समिति के कुछ लोग और स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया. लोगों का कहना है कि पूजा समिति द्वारा पूर्व में ही झूला मैदान में लगे झूलों का रेट निर्धारित कर दिया है जिसके तहत 30 से 50 तक का ही टिकट निर्धारित है ऐसे में 70 का टिकट काटना कहीं से भी उचित नहीं है.

चतरा में पत्रिका पूजन को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

संवाददाता। चतरा

शारदीय नवरात्रि पर ढोढी मंधैनिया दुर्गा पूजा समिति द्वारा नव पत्रिका पूजन एवं मां दुर्गा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई. कलश यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी, जिला परिषद सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, मुखिया मंजित सिंह, मुखिया रामनाथ यादव ने संयुक्त रूप से कलश यात्रा में शामिल कन्याओं को आरती उतार एवं नव पत्रिका पूजन डोली में कंधा देकर यात्रा का शुभारंभ किया. कलश यात्रा मां दुर्गा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए मंधैनिया आहर पहुंचा. जहां मुख्य पूजा आचार्य बरुण इंद्रगुरु द्वारा वैदिक मंत्रोचारण कर कलश में जल भरवाया गया और नव पत्रिका पूजन कर मां दुर्गा मंदिर में कलश स्थापित कर मां दुर्गा का प्रण प्रतिष्ठा करवाया गया. प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मां दुर्गा का कपाट खोल दिया गया. मौके पर पूजा समिति अध्यक्ष बाबूलाल दांगी, रामबच्चन दांगी, योगेंद्र सिंह, सूरज कुमार सिंह, नरसिंह दांगी, विजय दांगी, उमेश यादव, अच्छुत कुमार सिंह, सिकेंद्र महतो आदि उपस्थित थे.

मशहूर उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर राजकीय शोक घोषित, लेकिन

हजारीबाग में तिरंगा झुकाना भूला प्रशासन

संवाददाता। हजारीबाग

विश्व भर में प्रसिद्ध उद्योगपति और देश के सपूत रतन टाटा के निधन से देशभर में शोक है. विशेष कर महाराष्ट्र और झारखंड में राजकीय शोक घोषित किया गया है. शोक की घोषणा के उपरांत जिला मुख्यालय सहित सभी स्थानों पर तिरंगा को झुका दिया जाता है, परंतु हजारीबाग जिला मुख्यालय में पूरे दिन झंडा शान से लहराता रहा और कानून का पालन करवाने वाले अधिकारी राजकीय शोक के दौरान तिरंगा झुकाना भूल गए. संध्या 5:00 बजे तक तिरंगा झुकाया नहीं जा सका था. इसको लेकर प्रशासनिक महकमा और आमजन मानस में चर्चा का विषय बना रहा.

ज्ञात हो कि रतन टाटा का झारखंड से संबंध रहा है और 1908 में देश की पहली इस्पात कंपनी टाटा की स्थापना झारखंड के जमशेदपुर में हुई थी. रतन टाटा का झारखंड से विशेष लगाव रहा है और उनके योगदान को लेकर ही राज्य सरकार द्वारा राजकीय शोक की घोषणा की गई है. एक दिवसीय शोक की घोषणा के साथ ही सभी स्थानों पर तिरंगा को झुका दिया गया, परंतु हजारीबाग में तिरंगा झुकाना संबंधित कर्मी और प्राधिकारी भूल गए.

खास बातें

- शोक के वक्त सभी स्थानों पर तिरंगा झुकाया जाता है
- संध्या 5 :00 बजे तक तिरंगा झुकाया नहीं जा सका था
- प्रशासनिक महकमा, आमजन मानस में चर्चा का विषय बना

विधायक की पहल पर मिली सौगात, झारखंड बॉर्डर पर ढाढर नदी पर बनेगा पुल

आजादी के वर्षों बाद चौपारण को डिग्री कॉलेज

संवाददाता। चौपारण

चौपारण सहित बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक उमाशंकर अकेला ने शिक्षा व बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक से बढ़कर एक महत्वपूर्ण कदम उठाने का लक्ष्य के साथ कदम बढ़ा रहे हैं. उनके अथक प्रयास ने चौपारण प्रखंड की पांडेयबारा पंचायत में डिग्री कॉलेज के निर्माण के लिए राज्य सरकार से 37 करोड़ 85 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है. कैबिनेट से भी इसको मंजूरी मिल चुकी है. विधायक उमाशंकर अकेला ने इस ऐतिहासिक निर्णय के बारे में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मैं केवल विकास का अध्याय नहीं लिख रहा हूं, बल्कि चौपारण का भौगोलिक परिदृश्य को बदल कर इतिहास रच रहा हूं. उन्होंने कहा कि यह कॉलेज ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए शिक्षा का एक बड़ा अवसर साबित होगा. खासकर उन परिवारों के लिए जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है और वे अपने बच्चों को बाहर पढ़ने भेजने में असमर्थ हैं. इस परियोजना से स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी. इसके अलावा विधायक अकेला के अथक प्रयासों से 14 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत से एक पुल परियोजना को भी प्रशासनिक स्वीकृति मिली है. यह पुल प्रखंड मुख्यालय से 26 किमी दूर झारखंड-बिहार को बांटने वाला भगहर पंचायत के ग्राम परसातरी में ढाढर नदी पर बनाया जाएगा, जो झारखंड और बिहार को जोड़ेगा. इस पुल का निर्माण मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत होगा. इस निर्णय से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और ग्रामीणों ने विधायक उमाशंकर अकेला की सराहना की है. स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कदम क्षेत्र के विकास के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है.

राज्य सरकार से 37 करोड़ 85 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है.

खास बातें

- ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए शिक्षा का एक बड़ा अवसर
- युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं

राजनीति

बहन-बेटियों को पैसा और सोने का सिक्का देने की घोषणा थी सफेद झूठ : मनीष जायसवाल

झारखंड की जनता के साथ छलावा कर रही हेमंत सरकार : सांसद

संवाददाता। हजारीबाग

क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल ने झंडा चौक स्थित सांसद सेवा कार्यालय में कहा कि हेमंत सरकार झारखंड की जनता के साथ छलावा कर रही है. यहां की बहन-बेटियों को पैसा और सोने का सिक्का देने की घोषणा सफेद झूठ निकली. किसी के खाते में न पैसे गए और न शादी में होने का सिक्का मिला. युवाओं, बेरोजगारों को भी बरगलाया. अब जब भाजपा मोदी की गारंटी के साथ गोगो दीदी योजना लायी है, तो झामुमो, कांग्रेस और राजद की ठगबंधन सरकार के पसीने छूटने लगे हैं. खुद भाजपा की योजना चोरी की और हमें ही नकलची बता रहे हैं. भाजपा की सरकार बहन-बेटियों के लिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पहले से योजना चला रही है. उसी का नकल कर हेमंत सरकार वह भी कार्यकाल के चार साल आठ माह पूरे होने पर मंइयां सम्मान योजना लाकर बेटी-बहनों को झांसा दे रही है. किसी के खाते में कोई पैसा नहीं आया है. यहां समूह में पहुंचीं दीदियों से आप पूछ सकते हैं. अब जब भाजपा गोगो (मां) दीदी योजना के तहत 2100 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की, तो हेमंत सरकार उनसे 2500 रुपये देने का फॉर्म भरवा रही है. यह छलावा नहीं, तो और क्या है. महिलाओं को चाहिए कि चूल्हा-चौके के नाम पर 2000 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा करने वाली सरकार से पहले बकाया मांग लें, फिर दूसरा आवेदन भरें. उन्हें पारिवारिक लाभ की राशि भी नहीं मिली. भाजपा प्रधानमंत्री की गारंटी के साथ गोगो दीदी योजना लायी है.

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल.

बेरोजगारी पर आड़े हाथों लिया प्रदेश सरकार को

सांसद ने कहा कि झारखंड सरकार के घोषणा पत्र में बेरोज़गारी भत्ता भी थी, जो आज तक किसी को नहीं मिला. करीब 2.87 लाख वैकेंसी भी नहीं भर पाई. अगर झारखंड में एनडीए की सरकार बनी, तो युवाओं के रोजगार के लिए सबसे पहले 2.87 लाख की वैकेंसी लाएगी ताकि युवाओं को रोजगार मिल सके. उन्होंने कहा कि कोई भी प्रतियोगिता परीक्षा यहां साफ-सुथरी नहीं हुई. झारखंड पेपर लीक में देश का सबसे बड़ा अड्डा बन गया है. कर्नाटक और हिमाचल में भी कांग्रेस ने कुछ नहीं किया. उनके किसानों, बेरोजगारों के घोषणा पत्र धूल फांकते रहे हैं.

डबल इंजन सरकार के कार्यकाल को सराहा

जायसवाल ने मोदी और रघुवर समेत अन्य राज्यों की भाजपा सरकार की सराहना की. उन्होंने कहा कि लक्ष्मी लाडली योजना के तहत लाखों बहन-बेटियों को लाभ मिला. उज्ज्वला योजना से महिलाओं को रसोई में राहत हुई. हिमाचल में भाजपा की सरकार में पेंशन और तनख्वाह पर लोगों ने सुखी जीवन व्यतीत की. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में महतारी योजना चल रही है. रघुवर सरकार में विकास के काफी काम हुए. उग्रवाद खत्म हुआ. लॉ एंड आर्डर दुरुस्त रहा. भाजपा और एनडीए गठबंधन की सरकार में हर काम जनहित और कुशल प्रबंधन में हुआ.

'नहीं आयी है राशि, भर रहे गोगो दीदी फॉर्म'

सांसद के सेवा कार्यालय पहुंचीं करीब 50 दीदियों ने कहा कि उनके खाते में मंईयां सम्मान योजना की राशि नहीं आयी है. उन्हें भाजपा और मोदी पर भरोसा है. सांसद ने बताया है कि गोगो दीदी योजना पर मोदी की गारंटी है. वे लोग वही आवेदन भरने यहां आयी हैं. एक सवाल पर जायसवाल ने कहा कि गोगो दीदी योजना पर जो सवाल उठा रहे हैं, वह राजनीति रोटी सेंक रहे हैं. जिला प्रशासन अगर इसे भ्रामक बता रहा है, तो हेमंत सरकार के आदेश और दबाव में यह किया जा रहा है. अभी चुनाव आदर्श आचार संहिता नहीं लगा है. इसलिए हम कोई भी योजना ला सकते हैं. इस पर हमारा अधिकार है.

आरएसएस की हजारीबाग नगर इकाई ने की शस्त्र पूजा

संवाददाता। हजारीबाग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हजारीबाग नगर इकाई ने गुरुवार को विजयादशमी उत्सव सह शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया. आरएसएस कार्यालय भवन में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सह विभाग संघचालक डॉ टीके शुक्ला, नगर संघचालक मनोज गोयल, विभाग प्रचारक आशुतोष कुमार ने शस्त्र पूजन कर कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला. शुक्ला ने कहा कि आरएसएस विजयदशमी को ही शस्त्र पूजन क्यों करती है इसको हम सभी को समझना चाहिए. संघ ने विजयादशमी उत्सव को इसलिए चुना, क्योंकि किसी भी देश को सुरक्षित रखने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है. नवरात्र का यह त्यौहार नौ देवियों को समर्पित होता है और ये नौ देवी शक्ति की प्रतीक हैं. इसी सोच को प्रथम रखते हुए आरएसएस ने विजयादशमी उत्सव का मनाने की शुरुआत की और स्वयं सेवक इस दिन विभिन्न माध्यमों से शक्ति की आराधना करते हैं. नगरसंचालक ने संघ की गतिविधियों पर प्रकाश डाला.

चक्रधरपुर में सप्तमी को घट यात्रा निकालकर की गई बेलवरण पूजा

चक्रधरपुर के थाना रोड स्थित मुक्तिनाथ महादेव घाट पर बेलवरण की पूजा अर्चना करते श्रद्धालु व मंत्रोच्चारण करते पंडित.

चक्रधरपुर । शारदीय नवरात्र की सप्तमी पर गुरुवार को चक्रधरपुर के सभी दुर्गा पूजा पंडालों से घट यात्रा निकाल कर बेलवरण पूजा की गई. शहर के शीतला मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल, ठठेरा मोहल्ला, शाउंडिक धर्मशाला, हिंद पूजा समिति, टाउन काली मंदिर दुर्गा पूजा समिति, रानी रसाल मंजरी दुर्गा पूजा समिति समेत अन्य पूजा पंडालों से बाजे गाजे व ढाकी के साथ घट यात्रा निकाली गई. पंडालों से घट यात्रा निकल कर चक्रधरपुर की पुरानी बस्ती सीढ़ी नदी घाट व थाना रोड स्थित मुक्तिनाथ महादेव घाट पहुंची. वहां पुजारियों ने विधिवत बेलवरण पूजा की. इसके बाद कलश में जल भरकर पूजा स्थल लाया गया. वहां मंत्रोच्चारण के साथ सप्तमी की पूजा अर्चना की गई. इस अवसर पर पूजा पंडालों व माता दुर्गा के मंदिरों में श्रद्धालु सुबह से ही पूजा अर्चना के लिए पहुंचने लगे थे. चक्रधरपुर के बंगाली एसोसिएशन दुर्गा मंदिर, प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित दुर्गा मंदिर के अलावे शहर के सभी दुर्गा पूजा पंडाल में सप्तमी पूजा के बाद दोपहर में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया.

चक्रधरपुर बंगाली एसो. दुर्गा मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा

एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित की गई थी टीम

रंगदारी मांगने के आरोप में प. बंगाल से बिलाल गिरफ्तार

संवाददाता । चांडिल

चौका थाना की पुलिस ने 10 लाख रुपये रंगदारी मांगने के आरोप में पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तार अभियुक्त पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला अंतर्गत बलरामपुर का रहने वाला 30 वर्षीय बिलाल हाशमी है. इस संबंध में चौका थाना क्षेत्र के बानसा निवासी मांगाराम महतो ने चौका थाना में चार अक्टूबर को मामला दर्ज कराया था. थाना को दिए आवेदन में मांगाराम ने बताया था कि तीन अक्टूबर को उनके मोबाइल पर अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा मोबाइल नंबर 7365042108 से फोन कर 10 लाख रुपये रंगदारी की मांग की गई थी. रुपये नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी. इसके आधार पर चौका थाना में मामला दर्ज किया गया था.

गिरफ्तारी की जानकारी देते एसडीपीओ अरविंद कुमार बिन्हा.

रंगादारी मांगने में प्रयोग किया गया मोबाइल जब्त

इस संबंध में चांडिल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अरविंद कुमार बिन्हा ने बताया कि मामले के उद्भेदन के लिए जिला पुलिस अधीक्षक ने उनके नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया था. दल ने गुप्त सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर साक्ष्य जुटाते हुए रंगदारी की मांग करने वाले अभियुक्त बिलाल हाशमी को गिरफ्तार किया. पुलिस ने उसके पास से घटना में रंगदारी मांगने के लिए प्रयोग किया गया मोबाइल और सिम दोनों बरामद किया है. उन्होंने बताया कि उसके पास से एक और फर्जी सिम एवं दो मोबाइल बरामद किया गया है. गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकारोक्ति बयान में अपना अपराध स्वीकार किया है. इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार बिलाल को जेल भेज दिया.

अंचलाधिकारी ने दुर्गा पूजा पंडालों को लिया जायजा

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर में धूमधाम के साथ विभिन्न जगहों पर पंडाल का निर्माण कर माता दुर्गा की आराधना की जा रही है. दुर्गा पूजा के दौरान विधि व्यवस्था दुरुस्त रहे इसे लेकर गुरुवार को चक्रधरपुर के अंचलाधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा ने शहर के कई पूजा पंडालों का जायजा लिया. उन्होंने विधि व्यवस्था को लेकर पूजा समिति के पदाधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए. वहीं उन्होंने पंडालों में सीसीटीवी कैमरा, अग्निशामक यंत्र की व्यवस्था, प्रवेश और निकास द्वार की सुविधा, हेल्पलाइन नंबर लगे होने आदि का जायजा लिया. उन्होंने पूजा कमेटी के सदस्यों से कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर विधि-व्यवस्था खराब करता है तो उसकी जानकारी तत्काल दें. अगर किसी प्रकार की अफवाह फैलती है तो इसकी भी सूचना दें.

इस दौरान उन्होंने बंगाली एसोसिएशन दुर्गा पूजा पंडाल, कुसुमकुंज दुर्गा पूजा पंडाल, शीतला मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल, ठठेरा मोहल्ला दुर्गा पूजा पंडाल समेत अन्य पूजा समिति के पूजा पंडाल का जायजा लिया.

दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों से वार्ता करते सीओ सुरेश कुमार सिन्हा.

भक्तिभाव से पूजी गई देवी दुर्गा, उमड़ी भीड़

माता की आकर्षक व भव्य प्रतिमा की पूजा करते भक्त.

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि की धूम मची है. शारदीय नवरात्रि पर मनाए जाने वाले दुर्गोत्सव को लेकर चारों ओर उल्लास का माहौल है. इस दौरान गुरुवार को चौका में सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित शारदीय दुर्गा पूजा में महाअष्टमी के पावन अवसर पर आदि शक्ति देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना पारंपरिक रीति-रिवाज से की गई. वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पंडितों ने देवी के भक्तों की पूजा संपन्न करायी. सुबह देवी के आठवें स्वरूप मां महागौरी का कलश स्थापना के बाद पूजा-अर्चना प्रारंभ हुई. इसके बाद देर शाम तक नवदुर्गा मंदिर में देवी की आराधना जारी रही. दिनभर मंदिर में भक्तों की कतार देवी के पूजन-वंदन के लिए लगा रहा. भक्तों ने श्रद्धा व भक्तिभाव से माता रानी की पूजा की और मन्नतें मांगीं. देवी के दर्शन-पूजन के लिए दूर दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे. यहां देवी के भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी. वहीं कई श्रद्धालुओं ने व्रतियों के लिए हलवा की व्यवस्था की थी.

देर रात तक जारी थी पूजा

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के कई मंदिर और पूजा पंडालों में गुरुवार शाम से महाअष्टमी की पूजा प्रारंभ की गई जो देर रात तक होती रही. पूजा करने वाले पंडितों ने बताया कि संधि पूजा के दौरान बलिदान शुक्रवार की सुबह 6.24 बजे दी जाएगी. वहीं दुर्गोत्सव को लेकर मंदिर और पूजा पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है. लोग माता की आकर्षक प्रतिमा के दर्शन करने के साथ पूजा पंडाल और आसपास के क्षेत्र में की गई साज-सज्जा देखने के लिए पहुंच रहे हैं. मंदिर और पूजा पंडालों में सुबह-शाम भक्तों की भीड़ जुट रही है. वहीं दुर्गोत्सव के अवसर पर आयोजित धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोग बढ़-चढ़कर शामिल हो रहे हैं.

34 वनग्राम को नहीं मिला है वनपट्टा, ग्रामीणों ने की बैठक

संवाददाता । चक्रधरपुर

बंदगांव प्रखंड की टेबो पंचायत के काड़ेदा मैदान में गुरुवार को 80 वनग्राम की आम सभा हुई. इसकी अध्यक्षता अनुमंडल वन अधिकार समिति के सदस्य मानिहंस मुंडा ने की. सभा में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई उपस्थित थे. मानिहंस मुंडा ने कहा कि पिछले दिनों देशाउलीबेड़ा में पूजा स्थल एवं खेत जमीन विवाद में 6 घर को ग्रामीणों द्वारा जलाने की जांच करने की मांग की गई थी. जांच के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई. छह घरों के परिवार प्लास्टिक, तिरपाल गाड़ कर रह रहे हैं. वनग्राम की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री के नाम दो बार मांगपत्र सौंपा गया था. उसका अब तक समाधान नहीं हो पाया है. अब ग्रामीण इंसाफ के लिए पुलिस के खिलाफ उग्र आंदोलन करेंगे. उन्होंने कहा कि 80 वनग्राम में 34 वनग्राम को वनपट्टा नहीं मिला है. इससे वनग्राम में रहने वालों का जाति, आय एवं आवासीय प्रमाणपत्र नहीं बन पाया है. उन्होंने कहा कि वन अधिकार कानून 2006 नियम 2008 और संशोधन नियम 2012 प्रारूप ग धारा 3(1) ड्रा के तहत 2005 से पहले से ही वन भूमि जमीन पर गांव बसाया गया है. डॉ विजय सिंह गागराई ने कहा कि बंदगांव प्रखंड के 80 वनग्राम में 34 वनग्राम को वनपट्टा दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे. आदिवासियों को हक जरूर मिलेगा. उन्होंने कहा बंदगांव प्रखंड में अब भी लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई है. यहां के ग्रामीणों को नदी एवं चुआं का पानी पीना पड़ रहा है. अब इस क्षेत्र का विकास ग्रामीणों के सहयोग से होगा. जिन गांव में बिजली नहीं है वहां बिजली लाई जाएगी. उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि नजदीक ही विधानसभा चुनाव है. ग्रामीण सोच समझ कर वोट देंगे . जिससे क्षेत्र का तस्वीर बदल सके.उन्होंने कहा एसपी से मिलकर जिन 6 घर को जलाया की मामले को लेकर बातचीत कर इंसाफ दिलाई जाएगी. इस मौके पर जिला अध्यक्ष विल्सन सोय, मानीहंस मुंडा, मंगलदास हंस, सुलेमान हंस, मादो पूर्ति, मोरगा सोय, धर्म दास बांकिरा, अब्राहम हंस मुंडा, सोमा हुनी पूर्ति समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे.

भारी वर्षा ने पूजा कमिटियों और दुकानदारों की बढ़ाई परेशानी

किरीबुरु । किरीबुरु-मेघाहातुबुरु व आसपास के क्षेत्रों में मौसम ने अचानक करवट ली. शाम लगभग साढे.चार बजे के बाद अचानक आसमान में काले बादल छाये एवं कुछ देर मूसलाधार वर्षा हुई. अभी भी हल्की वर्षा जारी है एवं आसमान में काले बादल छाये हुये हैं. तमाम पूजा कमिटी व दुकानदारों में भय है कि अगर वर्षा आगे भी जारी रही तो पूजा में खलल पडेगा. भक्त घर से नहीं निकल पाये तो दुकानदारों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा. उनके विभिन्न प्रकार के व्यंजन, आइसक्रीम आदि धरे के धरे रह जायेंगे. पूजा पंडाल वाले मैदान भी कीचड़मय हो गये हैं. इससे भी श्रद्धालुओं को परेशानी होगी.

सांसद से ग्रामीणों का विवाद सुलझाने की मांग

संवाददाता। किरीबुरु

कोल्हान वन प्रमंडल अंतर्गत बुंडू के ग्रामीणों ने सांसद जोबा माझी से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंप कर घाटखुड़ी कंपार्टमेंट संख्या- 1, 2, 3 एवं 4 की वन भूमि को लेकर बुंडू और अगरवां गांव के ग्रामीणों के बीच वर्षों से चले आ रहे विवाद के समाधान की गुहार लगाई है. बुंडू के ग्रामीणों ने बताया कि तत्कालीन झारखंड आंदोलनकारी नेताओं के दिशा निर्देश के अनुसार बुंडू के ग्रामीणों ने कई अन्य ग्रामीणों के साथ मिलकर वर्ष 1978 से इस कंपार्टमेंट

की जंगलों की साफ सफाई की थी. इसमें अगरवां के ग्रामीण शामिल नहीं थे. जब बुंडू के ग्रामीणों ने इस जगह को साफ सफाई करके खेती करने लायक बनाया तो अगरवां के ग्रामीण जबरदस्ती इस जगह पर अवैध तरीके से हक जमाना चाह रहे हैं. जबकि यह सरासर अन्याय है. प्रमाण के तौर पर ग्रामीणों ने आंदोलनकारियों के सारे कागजात इस आवेदन के साथ संलग्न किया है. उल्लेखनीय है कि उक्त वन भूमि पर कब्जा से जुड़े विवाद को लेकर दोनों गांवों के ग्रामीणों के बीच कई बार हिंसक झड़प हो चुकी है. एक घटना में बुंडू के ग्रामीणों ने अगरवां के तीन ग्रामीणों की हत्या व दर्जनों को घायल कर दिया था. इस विवाद को सुलझाने के लिए जिला पुलिस प्रशासन की तरफ से विशेष ग्राम सभा का आयोजन रोवाम में किया गया था. इसके अलावे अनेक बार बैठक भी हुई थी. लेकिन समाधान नहीं निकला. समाधान नहीं निकलने का मुख्य वजह यह है कि जिस जमीन के लिए दोनों गांवों के ग्रामीण लड़ रहे हैं वह आरक्षित वन भूमि है. जिसे जंगल काटकर ग्रामीणों ने झारखंड आंदोलन के दौरान साफ-सफाई कर उसपर कब्जा व खेती प्रारंभ किया था. इस दौरान झारखंडी शहीद दिवस कमिटी के अध्यक्ष कृष्णा तोपनो, वन अधिकार समिति के अध्यक्ष बेंगरा केराई, सचिव सुरेश अंगारिया, गंगदा गांव के मुंडा बिरसा सुरीन,माधो तोपनो, विजय अंगारिया, मथुरा पुरती शामिल थे.

न्यूज अपडेट

गाड़ीखाना दुर्गा पूजा पंडाल का हुआ उद्घाटन

चाईबासा । नवरात्र की षष्ठी के अवसर पर गाड़ी खाना हनुमान मंदिर चौक दुर्गा पूजा पंडाल का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी वैश्य संघर्ष मोर्चा पश्चिमी सिंहभूम के अध्यक्ष सुनील प्रसाद साव ने किया. विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पशुपालन पदाधिकारी सुधाकर सिंह मुंडा, अमला टोला काली पूजा समिति के बाबू भट्टाचार्य, केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष नितिन प्रकाश उपाध्यक्ष संजय चौबे जी विक्की शर्मा और गांधी टोला दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मनोज पटेल उपस्थित थे. सभी अतिथियों का सम्मान पुष्प गुच्छ एवं अजगणपट्टी देकर किया गया.

कपड़ापट्टी दुर्गा पूजा पंडाल का सांसद ने किया उद्घाटन

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के कपड़ा पट्टी स्थित श्री श्री कपड़ा पट्टी दुर्गा पूजा समिति पंडाल का बुधवार की रात सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने फीता काटकर उद्घाटन किया. उन्होंने मां दुर्गा के दरबार में माथा टेका और क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की. इससे पूर्व सांसद के पहुंचने पर पूजा समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत किया. इस अवसर पर सांसद ने पूजा समिति की स्मारिका का विमोचन किया. सांसद जोबा माझी 1974 में स्थापित श्री श्री कपड़ा पट्टी दुर्गा पूजा समिति की संरक्षक हैं. मौके पर समिति के अध्यक्ष सह झामुमो के युवा नेता जगत माझी, उपाध्यक्ष पवन शर्मा, संतोष मिश्रा, सचिव डा. शिवपूजन सिंह, सह सचिव मनोज भंसाली, प्रो. विकास कुमार मिश्रा, संयुक्त सचिव राम प्रकाश साह आदि मौजूद थे.

ग्रामीण श्रमदान कर चलने लायक बना रहे सड़क : महेन्द्र

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड पार्टी के केंद्रीय सचिव सह अधिवक्ता महेन्द्र जामुदा ने मनोहरपुर विधानसभा के अंश भाग जो बंदगांव प्रखंड के चम्पाबा पंचायत के चाकमटोनाग, रोड़ो, तोमरोग ग्राम का दौरा किया. इसमें देखा कि मनोहरपुर विधानसभा के जनप्रतिनिधि उस ओर ध्यान भी नहीं देते हैं. उन्होंने कहा कि चाकमटोनाग के लोग श्रमदान कर कीचड़ में रास्ता को चलने लायक बना रहे हैं. ग्रामीण मुंडा सनिका मुंडा ने कहा कि विगत एक वर्ष से ट्रांसफार्मर खराब है.

25-30 वर्षों में विकास के नाम पर सिर्फ तोमरोम गांव और चाकमटोनाग गांव को जोड़ने वाला पुलिया ही बना है. डाकुवा सोमा बडिंग ने कहा कि आसपास बसे ग्रामीण लोगों को वनपट्टा भी आज तक नहीं मिला है. उन लोगों से वनपट्टा के नाम पर ही वोट मांगा जाता है. वहीं पर ग्राम रोड़ो के हपाद टोला में 12 परिवार के लोग रहते हैं और आज भी वहां के लोग चुआं का पानी पीने को मजबूर हैं. चलने के लिए रास्ता भी मौजूद नहीं है. उबड़-खाबड़ रास्तों पर लोग मजबूरन मोटरसाइकिल चला रहे हैं. समाजसेवी रमेश लुगुन ने मांग की कि रोडो गांव के मुंडा घर से स्कूल तक एक किलोमीटर और रोडो स्कूल से हेसेल बुरू टोली होते हुए कोमन तक 7 किलोमीटर रास्ता बन जाने से लोगों को बदगांव आने-जाने में सुविधा होगी. मौके पर बिलसंन बडिंग, नियरग बडिंग, रवि सडिल, सोमा बडिंग, प्रकाश बडिंग, मनोज बडिंग, गंजू नाग, हिन्दू टेला, बासिया बडिंग, सुखराम संगोवार, माझी नाग आदि महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे.

रतन टाटा को दुर्गा पूजा कमिटी ने दी श्रद्धांजलि

किरीबुरु । सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमिटी फुटबॉल मैदान, बड़ाजामदा द्वारा पंडाल परिसर में शोकसभा का आयोजन कर भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषन प्राप्त विश्व व भारत के प्रसिद्ध बडे. उद्योगपति सह टाटा संस के मानद अध्यक्ष रतन नवल टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी. यह श्रद्धांजलि सभा कमिटी के पूर्व अध्यक्ष आलोक उर्फ किलू दत्ता के प्रस्ताव पर किरीबुरु के एसडीपीओ अजय केरकेट्टा, पूजा कमिटी के संरक्षक सह युवा उद्योगपति संजय कुमार सारडा, अध्यक्ष राजेश सिंह उर्फ लंचा भाई, सचिव संतोष साह आदि की मौजूदगी में आयोजित की गई. इस दौरान सभी ने दो मिनट का मौन रखा. मौके पर युवा उद्योगपति संजय कुमार सारडा, दीपक कुमार सिन्हा, बजरंग शारदा, कन्हैया प्रसाद गुप्ता, रमेश पांडिया, विवेक पहुजा, अशोक कुमार सिन्हा, अनिल आर्या, बृजेश शारदा, पुनीत खैतान, सौरभ बोस, रोहन दत्ता आदि मौजूद थे.

तैयारी सांसद जोबा माझी ने डीसी व एसपी के साथ कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

देवेंद्र माझी का शहादत दिवस 14 को, सीएम देंगे श्रद्धांजलि

- बाजार हाट में विराट श्रद्धांजलि सभा का होगा आयोजन

विशेष सहयोगी । गोइलकेरा

जल, जंगल और जमीन आंदोलन के प्रणेता और सांसद जोबा माझी के दिवंगत पति शहीद देवेंद्र माझी की 30वीं पुण्यतिथि 14 अक्टूबर को गोइलकेरा में मनायी जाएगी. इस मौके पर बाजार हाट में विराट श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है. श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री (सीएम) हेमंत सोरेन भी भाग लेंगे. मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं.

इस क्रम में गुरुवार को सांसद जोबा माझी के साथ उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी, गोइलकेरा के बीडीओ विवेक कुमार, थाना प्रभारी कमलेश राय समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने बाजार हाट स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. हर वर्ष 14 अक्टूबर को पूर्व विधायक देवेंद्र माझी के शहादत दिवस पर गोइलकेरा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाता है. इसमें बड़ी संख्या में सारंडा-पोड़ाहाट क्षेत्र के ग्रामीण और देवेंद्र माझी के समर्थक श्रद्धांजलि देने पहुंचते हैं. कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर सांसद जोबा माझी पिछले कई दिनों से विभिन्न प्रखंडों में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तैयारी कर रही हैं. सांसद और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण के दौरान झामुमो के युवा नेता जगत माझी, गोइलकेरा प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष अकबर खान, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मनसुख गोप, प्रिंस खान, बजरंग प्रसाद समेत अन्य झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

गोइलकेरा बाजार हाट में होने वाले कार्यक्रम को लेकर जायजा लेती सांसद जोबा माझी व मौजूद डीसी, एसपी.

सत्य और अहिंसा का संदेश

पर्व-त्यौहार हमें एकता के सूत्र में बांधने के साथ ही हमारे सामाजिक सौहार्द को मजबूती प्रदान करते हैं. नागरिकों के मन में देशप्रेम व मित्रता का भाव जगाते हैं. हमारे त्यौहार हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा व भारतीय सभ्यता के प्रतीक हैं. ये त्यौहार हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं. इन पर्वों व त्यौहारों के माध्यम से हमारी संस्कृति की वास्तविक पहचान होती है. हमारे जीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है. त्यौहार सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं जो की सभी जन-जीवन में जागृति लाते हैं. हमारे यहां वसुदेव कुटुम्बकम की भावना रही है जो भारतीय संस्कृति की परिचायक है. भारत विविधता में एकता को रेखांकित करता है. कई भाषाएं, वेश-भूषा, धर्म, रीति-रिवाज, त्यौहार हमारे देश की सांस्कृतिक परंपरा को मजबूत बनाते हैं. कई प्रदेशों के अलग-अलग संगीत, नृत्य, नाटिकाएं, साहित्य का जुड़ाव भारत को एकता के सूत्र में बांधे रखता है. भारतीय संस्कृति में त्यौहार केवल उत्सव मनाने के अवसर से कहीं अधिक हैं. वे जीवन के सबसे गहरे और सबसे गूढ़ पहलुओं को व्यक्त करने का माध्यम हैं. प्रत्येक त्यौहार का अपना अनूठा महत्व होता है, जो मूल्यवान शिक्षा, आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और सांस्कृतिक परंपराएं प्रदान करता है जो पीढियों से चली आ रही हैं. भारत एक विविधतापूर्ण संस्कृति वाला देश है. भारत की संस्कृति छोटी-छोटी अलग-अलग सभ्यताओं के समूह को संदर्भित करती है. कपड़े, त्सोहार, भाषाएं, धर्म, संगीत, नृत्य, वास्तुकला, भोजन और कला सभी भारतीय संस्कृति का हिस्सा हैं. सबसे खास बात यह है कि विभिन्न विदेशी सभ्यताओं को पूरे इतिहास में भारतीय संस्कृति ने प्रभावित किया है.दशहरा को अच्छाई की बुराई पर जीत के बतौर मनाया जाता है. इस संदेश को गहराई से आत्मसात करने की जरूरत है. भारतीय चेतना के विस्तार में इस मूल्य की अहम भूमिका रही है. आज के समय में इस संदेश को गहराई के साथ अपनाने की जरूरत है. सामाजिक गितशीलता किसी भी समाज के विकास में अह्म मिका निभाते हैं. मनुष्य ही है, जो विराट प्रकृति के आंगन में सभ्यता के रूप में अपना भौतिक परिवेश और प्रणाली रचता है. मनुष्य ही संस्कृति के रूप में मनोवैज्ञानिक प्रणाली और परिवेश की रचना करता है. त्योहारों की विविधता स्वायत्त अनुशासन का सृजन करती है. संस्कृति भी एक गम्भीर और व्यापक अनुशासन है. त्यौहार मनुष्य को फिर से रचते हैं. यानी उन्हें नया पन का अहसास दिलाते हैं. समाज की मौजूदा चुनौतियों से निपटने के तरीके भी उत्सवों से सीखा जा सकता है. भारतीय समाज की निरंतरता और गतिशीलता में उत्सवों की अहम भूमिका रही है. यही कारण है कि भारतीय समाज हमेशा एक नए पन के साथ दुनिया को अपनी सांस्कृतिक विविधता का अहसास कराता है. भारत ने दुनिया को एकता,अहिंसा और सामाजिकता का संदेश दिया है.

> त्योहार सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं जो की सभी जन–जीवन में जागृति लाते हैं. हमारे यहां वसुदेव कुटुम्बकम की भावना रही है जो भारतीय संस्कृति की परिचायक है. भारत विविधता में एकता को रेखांकित करता है.

सुभाषित

या श्रीः स्वयं सुकृतिनां भवनेष्वलक्ष्मी पापात्मनां कृतधियां हृदयेषु बुद्धिः।
श्रद्धा सतां कुलजनप्रभवस्य लज्जा तां त्वां नतास्म परिपालय देवि विश्वम्।

जो धर्मात्माओं के गृह में लक्ष्मी के रूप में, दुरात्माओं के यहां निर्धनता के रूप में, शुद्ध अन्तःकरणवाले पुरुषों के हृदय में बुद्धि के रूप में, सज्जनों में श्रद्धा के रूप में तथा कुलीन मनुष्यों में लज्जा के रूप से विराजमान रहती हैं, उन महामाया भगवती दुर्गा को हम प्रणाम करते हैं. देवि! आप सम्पूर्ण विश्व का पालन कीजिये.

अंतरिक्ष में लंबी छलांग की तैयारी

भारत के गगनयान कार्यक्रम को इसरो की मौजूदा परियोजना प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके संचालित किया जाएगा. इसका लक्ष्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक प्रमुख तकनीकों का निर्माण और प्रदर्शन करना है. इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए इसरो ने 2026 तक चल रहे गगनयान कार्यक्रम के तहत चार मिशन पूरे करने की योजना बनाई है.

• देश-काल

मुकुल व्यास

हाल ही में चार महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों को मंजूरी मिलने के बाद भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम को नया बल मिला है. इन मिशनों का उद्देश्य अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति को मजबूत करना है. ये मिशन अंतरिक्ष क्षमताओं को आगे बढ़ाने और वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए देश की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं. मंजूर किए गए मिशनों में चंद्रयान-4, वीनस ऑर्बिटर मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण और गगनयान अनुवर्ती कार्यक्रम शामिल हैं. प्रत्येक मिशन की अपनी चुनौतियां हैं. उनकी सफलता उन्नत तकनीक, कुशल विशेषज्ञता और पर्याप्त वित्तीय सहायता पर निर्भर करेगी. उनमें से सबसे प्रमुख चंद्रयान-4 है जो चंद्र अन्वेषण की दिशा में भारत की अगली छलांग है.

चंद्रयान-4 भारत के लिए एक अभूतपूर्व मिशन है, जो चंद्रमा से नमूने एकत्र करने और उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने पर ध्यान केंद्रित करता है. 2,104.06 करोड़ रुपये के प्रभावशाली बजट वाला यह मिशन चंद्रयान-3 की सफलता पर आधारित है, जिसने चंद्रमा पर उतरने की भारत की क्षमता को साबित किया. अब चंद्रयान-4 का लक्ष्य चंद्रमा की संरचना और भूगर्भीय इतिहास के बारे में हमारी समझ को गहरा करना है. चंद्रयान-4 का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा की सतह से मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्र करना और उनका विश्लेषण करना है. ये नमूने चंद्रमा की संरचना और विकास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करेंगे, जिससे वैज्ञानिकों को इसके निर्माण और अरबों वर्षों में इसे आकार देने वाली प्रक्रियाओं के बारे में बेहतर समझ मिलेगी.

सरकार द्वारा मंजूर किए गए अन्य मिशनों में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन विशेष रूप से उल्लेखनीय है. भारत ने 2035 तक यह स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है. पृथ्वी की कक्षा में एक परिक्रमा स्टेशन स्थापित करना क्यों जरूरी है? भारत अपने गगनयान मिशन के तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना चाहता है. एक बार अंतरिक्ष मानव उड़ानों का सिलसिला शुरू होने के बाद भारत को अंतरिक्ष में एक ऐसे ठौर-ठिकाने की जरूरत पड़ेगी जहां अंतरिक्ष यात्री कुछ समय बिताकर शून्य गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में वैज्ञानिक प्रयोग कर सकें. भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) अंतरिक्ष में हमारा अपना ठिकाना होगा. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीएएस की पहली इकाई के निर्माण को हरी झंडी दे दी है. भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर परिक्रमा करेगा. बीएएस को स्वीकृत का निर्णय गगनयान कार्यक्रम के विस्तार का हिस्सा है.

वहीं, गगनयान कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त 11,170 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. इस कार्यक्रम का दायरा बढ़ने के साथ कुल निधि 20,193 करोड़ रुपये हो गई है. इस कार्यक्रम में बीएएस के सफलतापूर्वक निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक तकनीकों का परीक्षण और प्रमाण देने के मिशन भी शामिल किए जाएंगे. यह विशाल संरचना एक रिसर्च सेंटर के रूप में कार्य करेगी, जहां भारतीय अंतरिक्ष यात्री और वैज्ञानिक सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, खगोल विज्ञान और पृथ्वी अवलोकन से संबंधित प्रयोग कर सकते हैं. अंतरिक्ष यात्री 15-20 दिन तक इस स्टेशन में रह सकेंगे.

संशोधित योजना में अब बीएएस के विकास और इसके लिए आवश्यक प्रारंभिक मिशन शामिल हैं. इसमें एक और चालक दल रहित मिशन और गगनयान कार्यक्रम के लिए आवश्यक अतिरिक्त उपकरण जोड़ना भी सम्मिलित है. कार्यक्रम को अपडेट करने का मतलब यह है कि दोनों परियोजनाओं की सुचारु प्रगति के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. ध्यान रहे कि दिसंबर, 2018 में स्वीकृत गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य मानव को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने के अलावा भारत के भविष्य के मानव अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों के लिए आवश्यक बुनियादी तकनीकों को स्थापित करना है.

आज अंतरिक्ष में एडवेंचर करने वाले सभी प्रमुख देश भविष्य के चंद्रमा मिशनों और अन्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास और बड़े निवेश कर रहे हैं. भारत के गगनयान कार्यक्रम को इसरो की मौजूदा परियोजना प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके संचालित किया जाएगा. इसका लक्ष्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक प्रमुख तकनीकों का निर्माण और प्रदर्शन करना है. इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए इसरो ने 2026 तक चल रहे गगनयान कार्यक्रम के तहत चार मिशन पूरे करने की योजना बनाई है. इसके अतिरिक्त, यह बीएएस-1 विकसित करेगा और दिसंबर, 2028 तक बीएएस के लिए विभिन्न तकनीकों का परीक्षण और सत्यापन करने के लिए चार और मिशन संचालित करेगा.

उल्लेखनीय है कि बीएएस जैसी अंतरिक्ष सुविधा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण पर निर्भर क्षेत्रों में वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ाएगी. इसके परिणामस्वरूप नई तकनीकी प्रगति होगी और महत्वपूर्ण अनुसंधान और विकास क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा. मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में उद्योग की अधिक भागीदारी से आर्थिक गतिविधि को भी बढ़ावा मिलेगा और अंतरिक्ष और इससे संबंधित क्षेत्रों के भीतर विशेष उच्च तकनीक वाले क्षेत्रों में अधिक नौकरियां पैदा होंगी.

बीएएस में एक कॉमन बर्थिंग मैकेनिज्म का उपयोग करके एक साथ जुड़े पांच मॉड्यूल होंगे. स्टेशन का माप 27 मीटर गुणा 20 मीटर होगा और इसका वजन लगभग 52 टन होने की उम्मीद है, जो मूल रूप से नियोजित 25 टन से बहुत अधिक है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

सप्तमातृका का महात्म्य

स्तुति में जनमानस का जागरण देवी के कई रूप हैं. त्रिमहादेवी, पंचदेवी, सात बहिनियां, अष्टमातृका, नवदुर्गा, दशमहाविद्या, द्वादशप्रधानदेवी, षोडश देवी, अष्टादश शक्ति की साधना एवं पूजन की परंपरा हजारों साल से भारतीय जनमानस के केंद्र में रहा है. शतपथ ब्राह्मण में सप्तमातृका का वर्णन है. यह सप्तमातृका ही भारत के गांव गांव में सातों बहिनयां, शीतला माता के रूप में पूजन किया जाता है. महादेवी के इस सप्तमातृका रूप को रुद्र के सात बहनों के रूप में उल्लेख मिलता है. दुर्गा की ये सात शक्तियां ही ब्राहमी, माहेश्वरी, कौमारी, वैष्णवी, बाराही, नरसिंही और ऐंद्री है. देवी के इस सप्तमातृका के रूप का वर्णन विक्रमादित्य के दरबारी साहित्यकार अमर सिंह ने अपने अमर कोष में किया है. उनकी यह कलाकृति हरेक गांवों में मिल जायेगी, जहां गांव की हरेक परिवार कोई भी शुभ अनुष्ठान की शुरूआत माता की पूजन और मांगलिक कर्मकांड से करता है. भारतीय जनमानस जब माता की आराधना में जगजननी भजन का गायन करता है, तब उसमें भगवती के योगिन रूप को अष्टमातृका और नव नव दुर्गा के रूप में स्मरण किया जाता है. वह कई रूप धारण करती है. वह कई शस्त्रों को धारण करती है. परमधारम उनका निवासस्थल है. वही शक्ति है, और वही राधा, सीता, पार्वती, शिव, राम और कृष्ण है. माता करूणामयी है और दुष्टों के लिए संहारकारी भी है. माता दुर्गा ने शक्ति के कई स्वरूप में दुष्टों का संहार किया है. शुंभ निशुंभ से युद्ध करते हुए मां सरस्वती की रक्षा के लिए देवताओं ने अपने सप्तमातृका शक्ति को भेजा था. इसका उल्लेख मातृवात्सल्यविंदानम् में विस्तार से किया गया है. इस युद्ध में देवताओं की सेनापति माता काली बनीं. काली के सात रूपों में भैरवजी को माता के एकमात्र भाई के रूप में पूजन किया जाता है. हरेक गांव के देवस्थान में उनको देवियों के भाई के रूप में स्थान दिया गया है. सप्तमातृका की पूजन में शक्तिपूज का स्थान भैरवजी का है और उनके बिना देवी आराधना का कर्म पूरा नहीं होता है. काली रहस्य में वर्णन किया गया है कि -काली, कपालिनी, कांता, कामदा. कालसुंदरी, कालरात्रि, कालिका च काल भैरवपूजिता..मंदिरों में सप्तमातृका के पूजन के लिए मिट्टी की पिंडी बनायी जाती है. देवी के सप्तमातृका के रूप को पिंडी के माध्यम से व्यक्त किया जाता है. कई स्थानों पर यह पिंडी पत्थर के बनाकर उसमें माता के रूप, आकार आदि को उकेरा जाता है.

क्या कामयाब होगी बिहार में तीसरी धुरी!

• राज्यनामा

वेद प्रकाश

इस बिहार की राजनीति में एक और पार्टी का उदय हुआ है. चुनावी रणनीति और चक्रव्यूह रचने वाले प्रशांत किशोर अब स्वयं अपनी पार्टी बनाकर मैदान में उतरे हैं. सुराज नाम की यह पार्टी एकाएक राजनीति के समर में नहीं उतरी है. प्रशांत किशोर ने इसके लिए लंबी तैयारी की है. पदयात्रा करके बिहार के ओर-छोर को नापा है. बिहार की सियासत के तमाम समीकरणों को अपने तराजू पर तोला है. बहरहाल, इतना तय है कि यह पार्टी अपने कुछ अलग तेवरों के साथ होगी और इसने बिहार की राजनीति में प्रभाव रखने वाली तमाम पार्टियों को इसके बारे में सोचने को विवश किया है.

अभी यह भी साफ नहीं है कि यह पार्टी किसके जनाधार पर सेंध लगा सकती है. कांग्रेस आरजेडी को अपने मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रखने की चिंता है. बीजेपी पिछड़े और सवर्ण मतदाताओं को बिखरने नहीं देना चाहती. सत्ता में बीजेपी के साथ सहभागिता करने वाली जेडीयू को पिछड़ों, अति पिछड़ों पर अपने प्रभाव को कायम रखने की जद्दोजहद है. भारत के सियासी दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर जब अपनी पार्टी लेकर आए हैं, तब कई तरह की कसौटियां उनके सामने भी हैं.

चुनावी रणनीति बनाना और चुनाव के समर में उतरना दो अलग-अलग पहलू हैं. चुनाव के पैंतरों को समझकर राजनीति में सब कुछ हासिल होता तो देश की सियासत को बखूबी समझने वाले राजनीतिक समीक्षक सियासत की पारियां भी खेल रहे होते. लेकिन सियासत का जमीनी संघर्ष बहुत अलग होता है. इसलिए कई सामाजिक आंदोलन करने वाले भी सियासत से जूझते रहने और सफल आंदोलनों के बाद भी खुद सियासत का हिस्सा नहीं बन पाते. साथ ही यह भी समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने राजनीति की शुरुआत के लिए उस बिहार को चुना है जहां सियासत हमेशा उलझी हुई रही है. जातीय और क्षेत्र के उलझे समीकरण रहे हैं.

ऐसा नहीं है कि केंद्र या राज्य में स्थापित हुई सियासी पार्टियों को कोई नई पार्टी चुनौती नहीं दे सकती. तेलुगू स्वाभिमान के नारे पर 1982 में एनटी रामाराव ने तेलुगूदेशम की स्थापना की थी. इसने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के वर्चस्व को समाप्त किया था. एनटी रामाराव की राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी. लेकिन कुछ ही समय में उनकी स्थापित की हुई पार्टी ने सत्ता हासिल की. आज भी आंध्र प्रदेश में तेलुगूदेशम का परचम लहरा रहा है. वर्ष 2012 में अरविंद केजरीवाल ने जिस आम आदमी पार्टी को स्थापित किया वह एक साल में ही सत्ता में आ गई थी. इस समय भी दिल्ली व पंजाब में आप की सरकार है. लेकिन इन पार्टियों की अगर बिहार में सुराज पार्टी से तुलना करें तो कुछ परिस्थितियों में अंतर दिखता है. निस्संदेह दिल्ली में आप की सफलता में अन्ना हजारे के आंदोलन का प्रताप था. भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना के आंदोलन का ज्वार ऐसे उठा कि केजरीवाल और उनके साथियों को सियासत का एक प्लेटफार्म मिल गया. ऐसे में अगर बिहार की ओर देखें तो प्रशांत किशोर के सामने पार्टी को सामने रखकर जनता को झकझोरने वाला नया मुद्दा या नारा नहीं दिखता. प्रशांत किशोर सियासी बिसात बिछाने के समीकरणों को तैयार करने के मास्टर हो सकते हैं लेकिन बिहार में बड़ी उथल-पुथल के लिए उन्हें जनता को झकझोरने के लिए किसी बड़े नारे की जरूरत होगी.

> चुनावी रणनीति बनाना और चुनाव के समर में उतरना दो अलग–अलग पहलू हैं. चुनाव के पैंतरों को समझकर राजनीति में सब कुछ हासिल होता तो देश की सियासत को बखूबी समझने वाले राजनीतिक समीक्षक सियासत की पारियां भी खेल रहे होते. लेकिन सियासत का जमीनी संघर्ष बहुत अलग होता है.

बिहार की सियासी पार्टियां और राजनीतिक सूरमा इस बात का आकलन कर रहे हैं कि सुराज उन्हें कहां नुकसान पहुंचा सकती है और कहां सुराज की मौजूदगी उनके हित में हो सकती है. वहीं सुराज की कोशिश यही होगी कि वह बिहार में परिणामों से नई हलचल मचा दे. इसके लिए प्रशांत किशोर कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे.

प्रशांत किशोर की पार्टी निश्चित तौर पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. वह बिहार की सियासत में एक धुरी बनेगी, इसमें संदेह नहीं है. प्रशांत किशोर अपनी पदयात्रा में मिले जनसमर्थन से उत्साह में हैं. बिहार की इस पार्टी को हल्के में लेने की भूल कोई भी दल नहीं कर रहा. खासकर तब जबकि बिहार में महज तीन-चार प्रतिशत वोट इधर-उधर होने से खेल संभव हो जाता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इलेक्ट्रोनिक दौड़ में 'कुछ' पिछड़ तो नहीं रहा!

• पर्यावरण

सुनीता नारायण

दुनिया की कार इंडस्ट्री आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसका सामना उसने पहले कभी नहीं किया. इलेक्ट्रिक वाहन, इंटरनल कम्बस्चन यानी आईसी इंजन वाले वाहन की जगह लेने को तैयार हैं लेकिन इससे कार इंडस्ट्री के दिग्गजों की हालत भी अस्थिर हो रही है. अगर इतनी महत्वपूर्ण इंडस्ट्री, दूसरे देशों के नए महारथियों के साथ प्रतिस्पर्धा से ही इंकार करेगी, तो फिर विकसित देशों के हरित-बदलाव लाने के संकल्प का मतलब क्या रह जाएगा.

दरअसल मैं चीन के बारे में बात कर रही हूं, आज की तारीख में कच्चे माल, बैटरी तकनीक और अत्याधुनिक सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के मामले में जिसका दबदबा है. चीन ने यह जानते हुए कि उसकी कार इंडस्ट्री पारंपरिक आईसी वाले इंजन के मामले में कभी प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएगी, जानबूझकर ई-वाहनों में निवेश किया. अब चूंकि दुनिया को जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करना है तो उसमें इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल, इस एजेंडे का हिस्सा है. यूरोपीय संघ ने कारों से कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर लक्ष्य तय किए हैं, उसने नियम बनाए हैं कि 2035 से केवल जीरो उत्सर्जन वाले वाहन ही बेचे जा सकेंगे.इसका मतलब है कि अगले दस सालों में पूरे यूरोपीय संघ में कोई पेट्रोल या डीजल वाहन नहीं होगा. अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार ने 2030 तक कुल वाहनों की बिक्री में, पचास फीसदी इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का लक्ष्य रखा है. जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हरित - परिवहन की ओर जाने के कदमों ने चीन की कार इंडस्ट्री को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है. सवाल यह है कि चीन के दबदबे की हालत में अगर पश्चिमी देशों की कार इंडस्ट्री कमजोर पड़ती है तो क्या होगा.

वाहन इंडस्ट्री, तमाम देशों में परंपरागत रूप से मैन्युफैक्चरिंग और नौकरियों की रीढ़ है. यूरोपीय समिति के आंकडे.के मुताबिक, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री यहां 13.8 करोड़ लोगों को रोजगार देती है, यह 26 लाख लोगों को सीधे रोजगार देती है जो निर्माण-क्षेत्र में रोजगार का साढ़े आठ फीसदी हिस्सा है. हालांकि अब यह इंडस्ट्री संकट में है.

सितंबर में जर्मनी की प्रमुख कार कंपनी ने देश में अपने दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बंद करने का ऐलान किया, जिससे तमाम कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट पैदा हो गया और राजनीतिक हंगामा खड़ा हो गया. पश्चिमी देशों की कार इंडस्ट्री को इलेक्ट्रिक वाहनों के पुर्जों की कीमत के मामले में चीन से प्रतिस्पर्धा करने में मुश्किल आ रही है.

> वाहन इंडस्ट्री, तमाम देशों में परंपरागत रूप से मैन्युफैक्चरिंग और नौकरियों की रीढ़ है. यूरोपीय समिति के आंकडे.के मुताबिक, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री यहां 13.8 करोड़ लोगों को रोजगार देती है, यह 26 लाख लोगों को सीधे रोजगार देती है जो निर्माण–क्षेत्र में रोजगार का साढ़े आठ फीसदी हिस्सा है. हालांकि अब यह इंडस्ट्री संकट में है.

यूरोपीय देशों के इलेक्ट्रिक वाहन, पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की तुलना में अभी भी महंगे हैं और अब जब ज्यादातर देश हरित-वाहनों पर सब्सिडी और अन्य लाभ वापस लेना चाहते हैं तो कार मालिकों को आयातित वाहनों की ओर बढ़ना पड़ रहा है.

अब, वही एक रास्ता है, जो अमेरिका ने अपनाया और अब यूरोपीए संघ अपना रहा है - चीन में बनने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों और यहां तक कि पुर्जों पर भी, आयात शुल्क बढ़ाना. अमेरिका ने चीन के ई- वाहनों पर सौ फीसदी शुल्क लगाया है, कनाडा ने भी ऐसा ही किया और अब यूरोप इन वाहनों पर दस फीसदी शुल्क बढ़ाने की सोच रहा है.इसके अलावा, अमेरिका ने, जो ई-वाहनों पर ठीकठाक सब्सिडी देता है, शर्त लगाई है कि चीन समेत बाहर के देशों से आने वाले ई-वाहनों पर इंसेंटिव तभी मिलेगा, जब उनके निर्माण में खास खनिजों या बैटरियों का इस्तेमाल न किया गया हो. इसका मतलब यह होगा कि चीनी सहयोगी वाली इंडोनेशियाई कंपनी के निकेल वाले वाहनों को भी सब्सिडी से वंचित किया जा सकता है. सब्सिडी,लोगों को ई-वाहनों की ओर आकर्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है. चीन में ई-वाहनों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है. अधिकारिक आंकड़ें के मुताबिक, जुलाई 2024 में इनकी बिक्री ने आईसी इंजन वाले वाहनों को पीछे छोड़ दिया, जब एक महीने में ही कम से कम 8,53,000 ई - वाहनों की बिक्री हुई.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

भारतीय राजनीति में उभरते नए दल के मायने

भारतीय राजनीति में कॉर्पोरेट का दखल हाल के दिनों में लगातार बढ़ रहा है. पहले मुख्यधारा की दोनों बड़ी पार्टियों बीजेपी और कांग्रेस को इसने अपनी जद में लिया. उससे जी नहीं भरा तो दूसरी पार्टियों की तरफ रूख करना शुरू कर दिया. हालांकि स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों की वजह से कांग्रेस की मजबूरी है कि वो कॉर्पोरेट की गोद में उस तरह से नहीं खेल सकती, जिस तरह से बीजेपी खेलती है.लेकिन फिर भी ये सच है कि मौका मिलते ही कांग्रेस के क्षेत्रीय क्षत्रप कॉर्पोरेट के कैंपस में उसी तरह हाजिरी लगाते हैं जैसे भाजपाई. इसके बाद आई उनकी बारी जो विकल्प की राजनीति की बात कर रहे थे. इसमें सबसे पहला नाम आया 'आम आदमी पार्टी' का. आम आदमी के नाम से शुरू हुई राजनीति ने देश की राजधानी दिल्ली और फिर बाकी प्रदेशों में धन का ऐसा जाल बुना कि उसके झांसे में कई बड़े-बड़े सूरमा आ गए.अब इसी तरह के पूंजीवादी प्रयोग के जरिए बिहार में एक नई पार्टी का गठन किया गया जिसका नाम है जनसुराज. इलेक्शन मैनेजमेंट के जरिए करोड़ों-अरबों कमाने वाले प्रशांत किशोर पार्टी के सर्वे-सर्वा हैं. ज़ाहिर है कभी मोदी तो कभी ममता के बीच झूलने वाले प्रशांत किशोर की कोई विचारधारा नहीं है. और संभवतः वे मानते होंगे कि राजनीति में प्रबंधन के जरिए समीकरण बनाए-बिगाड़े जा सकते हैं. लेकिन खुद को पॉलिटिकल पंडित मानने वाले प्रशांत किशोर ये सियासी ककहरा भी नहीं जानते हैं कि बिना विचारधारा और प्रतिबद्धता के किसी तरह की राजनीति हो ही नहीं सकती.या ये भी हो सकता है कि इस बात को जानते हुए प्रशांत किशोर बिना विचारधारा का एक मॉडल लेकर आए , जो बिहार के संपन्न मिडिल क्लास को सूट करता है. यानी वो तबका जिसके पास पूंजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा के साथ सामाजिक वर्चस्व भी है, लेकिन सामाजिक न्याय की राजनीति से टकराकर उन्हें बिहार में हर बार मुंह की खानी पड़ती है. इसलिए बहुत मुमकिन है कि जनसुराज बिहार की तीन बड़ी राजनीतिक पार्टियों आरजेडी, बीजेपी और जेडीयू की बीच जगह नहीं तलाश करेगा, बल्कि एक के साथ रहकर बाकी दो को कमजोर करने की कोशिश बाहर से करता रहेगा.इसका प्रमाण लोकसभा चुनाव के दौरान अलग-अलग टीवी चैनलों पर दिए गए प्रशांत किशोर के साक्षात्कार के जरिए लगाया जा सकता है. वह व्यक्ति जिसे देश के राजनीतिक मिजाज की समझ हो, जिसके पास अलग-अलग राज्यों को डेटा हो, जो वोटिंग पैटर्न से वाकिफ हो, वो अकारण बीजेपी के 300 से पार जाने की भविष्यवाणी नहीं करेगा.

(जनचौक)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आस्था/श्रद्धा/ निष्ठा

हिंदी पत्रकारिता में जब किसी धार्मिक आयोजन का समाचार लिखना होता है तो आस्था, श्रद्धा और निष्ठा, इन तीनों शब्दों से पाला पड़ता ही है. हम भले ही इनका अर्थ न समझते हों, पर इनका प्रयोग धड़ल्ले से करते चले जाते हैं. प्रयोग भी काफी हद तक सटीक ही होता है. इसके बावजूद यदि हम इन शब्दों को अच्छी तरह जान लें तो इसका प्रयोग हम और भी अच्छे और प्रभावशाली ढंग से कर पायेंगे. तीनों शब्द अर्थ के दृष्टिकोण से भक्ति के बहुत करीब होते हैं. यदि यह प्रश्न किया जाये कि क्या आपको ईश्वर में आस्था है? तो आपका जवाब हां भी हो सकता है और नहीं भी. जहां आस्था है, वहां श्रद्धा भी हो, यह आवश्यक नहीं है. इसलिए कि आस्था और श्रद्धा में सूक्ष्म अंतर है. आस्था का मतलब होता है संशय और संदेह का अभाव. जब संशय और संदेह नहीं रहता तो विश्वास होता है और इसी विश्वास का नाम है आस्था. जहां पर आस्था होती है, वहां पर केवल विश्वास होता है. विश्वास या तो होता है या बिल्कुल भी नहीं होता. श्रद्धा का अर्थ है अहंकार का नहीं होना और आस्था का अर्थ है संशय और संदेह का नहीं होना. अर्थात पूर्ण विश्वास होना. आस्था का अर्थ है पूर्ण विश्वास और श्रद्धा का अर्थ है अहंकार रहित विश्वास. इससे मिलता जुलता तीसरा शब्द है निष्ठा. संस्कृत में विशेषण शब्द है निष्ठ, जो तत्सम के रूप में हिंदी में बहुप्रचलित है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार निष्ठ शब्द का अर्थ है ठहरा हुआ, स्थित, कार्य में लगा हुआ, तत्पर, मन से लगा रहनेवाला, विश्वास करनेवाला, किसी के प्रति श्रद्धा और भक्ति रखनेवाला. इसी से बना शब्द है निष्ठा, जिसका प्रयोग संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में किया जाता है. इसका मतलब है भक्ति या श्रद्धा का भाव या मनोवृत्ति, गहरा अनुराग या विश्वास, स्थिति ठहराव, निश्चय, आधार, एकाग्रता, तत्परता, दक्षता तथा दृढ़ता.

खीर और खिचड़ी का आनंद लीजिए

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

खीर और खिचड़ी दोनों साथ साथ – ना बाबा ना. खीर और खिचड़ी का कोई साथ नहीं है. खीर के साथ खिचड़ी नहीं खाते और और खिचड़ी के साथ दही खाते हैं, खीर नहीं. खीर हर त्यौहार पर बनती है. खिचड़ी के लिए बस एक ही त्यौहार मुक़र्रर है. मकर संक्रांति का पर्व. इस दिन तिल-गुड और खिचड़ी खाई जाती है, मकर संक्रांति में खिचड़ी का इतना कुछ महात्म्य है कि मकर संक्रांति पर्व को खिचड़ी नाम से ही पुकारा जाने लगा है. पर खिचड़ी किसी अन्य त्यौहार पर नहीं बनाई जाती. खिचड़ी अधिकतर बीमारी-हारी में खाई जाती है. बीमारी में खीर नहीं दी जाती. खीर स्वस्थ लोगों का खाना है. खीर किसी की भी पकाएं (चावल की, लौकी की, गोभी की) लेकिन उसके लिए दूध आवश्यक है. खिचड़ी भले ही उरद की दाल की बनाएं या मूंग की दाल की, उसके लिए दूध बिलकुल गैर ज़रूरी है, चावल आवश्यक है.एक दूसरे से मेल न खाते हुए भी खीर और खिचड़ी, दोनों कम से कम एक बात में समान हैं. कहा यह जाता है कि खिचड़ी के चार यार – घी, दही, पापड, अचार. दूध और चावल की बनी सादा खीर भी खाने में स्वाद पूरा नहीं आता. खीर में मेवा भी पडी हो, मज़ा तभी आता है. इलाइची केसर पिस्ता बादाम-खीर का पूरा स्वाद लेने के लिए ज़रूरी हैं. राजनीति में अभी तक खिचड़ी पकती थी. कैसे चुनाव जीता जाए इसके लिए दलों में गुप-चुप मंत्रणाए होती थीं फिर भी जब एक पार्टी को बहुमत नहीं मिल पाता था, खिचड़ी सरकार बना ली जाती थी. खिचड़ी सरकार की अपनी सीमाएं हैं. ऐसी सरकार में जबतक पटती रहती है, लोग खिचड़ी स्वाद ले ले कर जीमते रहते हैं. अन्यथा खिचड़ी-सरकार पटरी से उतर जाती है. शायद ही कभी खिचड़ी सरकार अपना टर्म पूरा कर पाई हो. खिचड़ी सरकारों को हमेशा बदनामी ही हाथ लगी. शायद इसीलिए राजनीति का रुझान अब खीर की तरफ हो गया है. इसका संकेत केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने कर दिया है. पटना में उन्होंने यादव और कुशवाहा समाज को साथ लाने की वकालत करते हुए कहा की यदि यदुवंशियों का दूध और कुशवाहों का चावल मिल जाए तो खीर बढ़िया बन सकती है. साथ में दलितों,आदि, की पञ्च-मेवा भी मिल जाए तो खीर का स्वाद और भी बढ़ जाए. राजनीति में आप इशारे से बात करें तो लोग समझते नहीं. सीरियस से सीरियस बात को बस उड़ा देते हैं. कुशवाहा जी इशारा कर रहे हैं कि खिचड़ी कब तक पकाते-खाते रहोगे ? खीर खाओ खीर. लेकिन लोग हैं कि समझते ही नहीं. खिचड़ी खाने की लगता है आदत पड़ गई है. पर ऐसे लोगों की भी दुनिया में कमी नहीं है. मैं कई ऐसे लोगों को व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ. खीर और खिचड़ी यदि दोनों उनके सामने रख दी जाएं, वे निश्चित रूप से खीर के मुकाबले खिचड़ी को ही वरीयता देंगे. राज-नेताओं को भी खिचड़ी खाने की आदत पड़ गई है. उन्हें वही स्वाद लगती है. खिचड़ी के बाद वे सीधे मलाई खाते हैं.

नवरात्र विशेष

राम नाम का दीप जला है मन के भीतर

न राम केवल किताबों और मंदिरों में हैं और न रावण केवल पुतलों और आख्यानों में. ये दोनों हमारे परिवेश में है, हमारे ही आसपास हमारे ही भीतर हैं. यही कारण है कि विजयदशमी पर हर साल खुद को राम मानते हुए हम रावण वध तो कर देते हैं, पर आसुरी शक्ति खत्म नहीं हो पाती. दरकार है अब हम अपने आसपास के दशानन की पहचान करें. आत्ममंथन करें कि कहीं हमारे मन के किसी कोने में तो रावण नहीं छिपा. साथ ही इस प्रसंग से कुछ सीख लें.

हमारी धार्मिक मान्यताओं और विश्वास की कहानियों में राम और रावण सबसे चर्चित चरित्र हैं. दोनों प्रकांड विद्वान, दोनों महायोद्धा. पर एक को हमने भगवान के रूप में पूजा तो दूसरा आसुरी शक्ति का प्रतीक बना. त्रेता युग में राम ने रावण का वध किया था. उसके बाद से हम विजयादशमी पर प्रत्येक वर्ष रावण वध की परंपरा का निर्वाह करते हैं. पर क्या वाकई आसुरी शक्ति का विनाश अब तक हो पाया है. सच पूछिए तो बिल्कुल नहीं. आज भी रावण हमारे भीतर-बाहर जीवित है. पर यह भी सच है कि मन के किसी कोने में राम भी विराजमान हैं. राम हैं यानि उम्मीद है, आशा है, विश्वास है. इस कारण तमाम बुराइयों के बाद भी एक भीतर बाहर की लड़ाई जारी है. दशहरा एक मौका है भीतर के राम को पहचानने का. एक अवसर है उन तमाम रावणों को बेनकाब परास्त करने का जो हमारी जिंदगी को कहीं न कहीं प्रभावित कर रहे हैं. आइए, विजयदशमी के बहाने राम और रावण की चर्चा करें. राम से सीख तो लें ही, रावण के व्यक्तित्व के बेहतर पहलुओं से भी सीखें.

▪ मृत्यु के साथ वैर का अंत

रावण के वध के बाद श्रीराम विभीषण से कहते हैं कि मृत्यु के साथ ही दुश्मनी का भी अंत हो जाता है. अब तुम रावण का अन्तिम संस्कार विधि-विधान से करने की तैयारी करो. जो वैर था, वह इसके प्राण के साथ निकल गया. अब यह तुम्हारी तरह मेरा भी प्रिय है. अपराध से घृणा करो अपराधी से नहीं-यह विचारधारा ही इन दिनों प्रशंसनीय है. यही तो है राम की सीख जो तमाम दुनिया का आदर्श है. यही राम की पहचान और परिभाषा भी है.

शबरी के वे जूठे बेर

विजयदशमी एक शुभ अवसर है, जब हम राम को याद करते हुए सामाजिक समरसता के लिए पहल करते हैं. हमारे प्रिय राम ने भी तो शबरी के जूठे बेर खाकर कुछ ऐसा ही संदेश दिया था. स्तरीकरण में नीचले पायदान पर खड़े दलित तबके के लिए मन में प्रेम-संवेदना का एक दीप तो जला कर तो देखिए, मन के भीतर के राम मुस्कुराते नजर आएंगे.

▪ बल इंद्रियों में नहीं संयम में है

दस सिर और बीस भुजाओं वाला, लोकजयी, शिवभक्त, स्वर्णनगरी का अधिपति और स्वयं यमराज को भी अपने अधीन कर लेने वाले रावण का सपरिवार नाश होता है. कन्द-मूल-फल आदि का आहार करने वाले, तपस्वी, वनवासी, जटा-वल्कलधारी श्रीराम उसे युद्ध में परास्त करते हैं. भारतीय सनातन जीवन दृष्टि यही संदेश देती है कि बल मात्र इन्द्रियों में निहित नहीं है. यह तो इन्द्रियों के संयम में निहित है. रावण के पास समस्त भोग-ऐश्वर्य विद्यमान हैं और श्रीराम सारे सुख-भोग त्यागकर संयम और तप का जीवन जी रहे हैं. परन्तु जब श्रीराम और रावण का संघर्ष होता है तो भोगों से पुष्ट बल से अधिक ताकतवर तपस्या से अर्जित शक्ति दिखती है.

▪ मानवीय मूल्यों की शक्ति

राक्षसों से लड़ते हुए भी श्रीराम मानवीय मूल्यों की शक्ति प्रदर्शित करते हैं. राम-रावण के युद्ध के दौरान एक ऐसा भी प्रसंग है कि जिसने रावण समेत सभी को आश्चर्यचकित किया. हुआ यूं कि एक दिन युद्धस्थल से महल में जब रावण लौटा तो बेहद थका और दुखी था. मन्दोदरी को आशंका हुई कि आज फिर कोई प्रियजन युद्ध में मारा गया होगा. पूछने पर रावण कहता है कि ऐसा नहीं, मैं तो राम के व्यवहार से विचलित हूं. मुझे जीवनदान देकर उसने शील का बाण मारा है. यह वेदना कहीं अधिक दुखद है. रावण ने आगे बताया कि निःशस्त्र होकर जब वह रथ से नीचे गिर गया तो राम ने उसे मारने की जगह छोड़ दिया. कहा कि हे लंकेश! अभी तुम युद्ध करने में समर्थ नहीं हो और मैं रघुवंशी होकर असमर्थ को नहीं मार सकता, तुम्हें प्राणदान देता हूं. जाओ, स्वस्थ होकर आना तब तुम्हारा वध करूंगा. रावण मन्दोदरी से कहता है कि इस पीड़ा का कोई उपचार मेरे पास नहीं है.

▪ छोटों को भी दें मान

कितनी नेक सलाह दी थी विभीषण ने, भैया! सीता मां को सम्मान पूर्वक विदा कर दें. रावण ने छोटे भाई की सलाह मानी होती तो लंका की रौनक कभी राख नहीं होती. इसलिए सुनें हम सबकी, और हां, छोटों को भी मान दें.

सीख तो दुश्मन से भी मिलती

रावण राजनीति शास्त्र का विद्वान था और भगवान राम भी यह भलीभांति जानते थे. इसलिए जब रावण मृत्यु का इंतजार कर रहा था, राम ने अनुज लक्ष्मण को उनके पास भेजा. इस उद्देश्य से कि वे राजनीति का पाठ पढ़ सके. दुश्मन से भी सीखने का ऐसा ही माद्दा हमारे भीतर भी होना चाहिए. आइए उन सीखों से हम भी रू-ब-रू हों-

- हमेशा उस मंत्री/अधीनस्थ पर भरोसा करें जो आपकी सबसे अधिक आलोचना करता है.
- अपने भाई, सारथी, दरबान और खानसामा से भी वैर मत मोल लीजिए. इनका वैर बहुत भारी पर सकता.
- भले जीत आपकी आदत सी बन गई हो, पर खुद को विजेता मानने की भूल मत करें.
- भगवान पर भरोसा कीजिए. उससे प्यार या गुस्सा जो भी हो, पूरी शिद्दत के साथ, पूरी मजबूती से.
- दुश्मन को हमेशा बड़ा कर आंकिए. उसे कमजोर या छोटा समझना भूल होती है, जैसे हनुमान के मामले में भूल हुई.
- जीत चाहते हैं तो लालच को परे रखिए. लालच हाथ आई जीत को भगा देगा.
- राजा को लोकहितकारी काम करने चाहिए. भलाई का कोई मौका नहीं चूके, इसके लिए सतत प्रयत्नशील रहे.
- किस्मत का पलड़ा भारी होता. इस मुगालते में मत रहिए कि आप किस्मत को हरा सकते. जो भाग्य में बदा है, भोगना होगा.

होगा शोक, भय और दरिद्रता का नाश

आचार्य अजय मिश्रा

विजयदशमी के दिन कुछ खास परंपराओं का निर्वहन किया जाता है. मान्यता है कि इससे खुशहाली के द्वार खुलते हैं और भय-शोक का नाश होता है. आइए, आज ऐसी ही कुछ परंपराओं की चर्चा करें-

शमी पौधे की पूजा

दशहरा शमी के पौधे को घर में लाकर पौधरोपण किया जाता है. लोग शमी के वृक्ष की पूजा करते हैं और इसके पत्ते को परिजनों में वितरित भी करते हैं. ऐसी मान्यता है कि इससे समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं. घर में मां लक्ष्मी का वास होता है. समस्त देवी देवताओं की कृपा बनी रहती है. मान्यता यह भी है कि घर में शमी का पौधा रहता है तो नकारात्मकता टिक नहीं सकती और सकारात्मक माहौल बना रहता है. यह संकट से बचाता है और सभी प्रकार के तंत्र-मंत्र के असर को खत्म करता है.

नीलकंठ पक्षी का दर्शन

दशहरा के दिन नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है. नीलकंठ के दर्शन शुभ और भाग्य जगाने वाले माने गए हैं. इस परंपरा को महत्व इसी से समझा जा सकता है कि लोग दशहरा के दिन शहर से दूर जंगल, खेतों में जाते हैं और कोशिश करते हैं कि उन्हें नीलकंठ के दर्शन हो जाएं. इससे पूरे साल हर काम में सफलता मिलती है. साथ ही घर में धन-धान्य बढ़ता है. घर में शुभ-मांगलिक आयोजन होते हैं. मान्यता है कि प्रभु श्रीराम ने नीलकंठ पक्षी के दर्शन किए थे और फिर उन्होंने रावण पर विजय प्राप्त की थी.

शस्त्र पूजन

विजयादशमी के दिन शस्त्र पूजा का महत्व कितना है, यह इसी से समझा जा सकता है कि भारतीय सेना भी हर साल दशहरे के दिन शस्त्र पूजा करती है. इस पूजा में सबसे पहले मां दुर्गा की दोनो योगनियां जया और विजया की पूजा होती है फिर अस्त्र-शस्त्रों को पूजा जाता है. इस पूजा का उद्देश्य सीमा की सुरक्षा में देवी का आशीर्वाद प्राप्त करना है. मान्यता है कि इससे शोक, भय और दरिद्रता का नाश होता है. भगवान राम ने भी रावण से युद्ध करने से पहले शस्त्र पूजा की थी.

अपराजिता पूजा

देवी अपराजिता की उपासना के बिना नवरात्र की पूजा अधूरी मानी जाती है. इसलिए विजयादशमी के दिन मां दुर्गा की विदाई से पूर्व अपराजिता के फूल से मां की पूजा कर उनसे अभयदाय मांगा जाता है. इस तरह की आराधना से देवी प्रसन्न होकर विजयी होने का आशीर्वाद प्रदान करती हैं. अपराजिता पुष्प को माता दुर्गा का ही स्वरूप माना गया है और इसके पूजा करने का विशेष महत्व माना गया है. अपराजिता की पूजा के बाद मांएं अपनी बच्चों की कलाई पर अपराजित की बेल लपेटकर हमेशा उनके दीर्घायु होने का आशीर्वाद देती हैं.

पान खाना

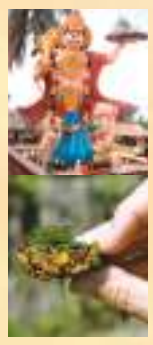

विजयादशमी के दिन पान खाने और हनुमानजी को पान का बीड़ा अर्पित करने की परंपरा रही है. यूं तो पान-सुपारी पूजा का अनिवार्य अंग है और पूरे नवरात्रि के दौरान माता को अर्पित किया जाता है. लेकिन विजयादशमी के दिन विशेषतौर पर पान खाने की परंपरा है. साथ ही दशहरे के दिन हनुमानजी को पान का बीड़ा खिलाना बहुत शुभ माना जाता है. कहते हैं हनुमानजी को बीड़ा बहुत पसंद है. हनुमानजी को बीड़ा अर्पित करने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और संकट भी दूर हो जाते हैं.

दहन नहीं, यहां होता रावण का पूजन

विजयादशमी रावण वध का पर्व है. आसुरी शक्ति, अंहकारी, पर स्त्री पर नजर रखने वाले क्रोधी रावण का वध कर हम उल्लास मनाते हैं. लेकिन देश के कुछ हिस्से में वही रावण पूजा का अधिकारी है. आइए जानें कि कहां पूजे जाते हैं रावण और नहीं होता रावण वध...

गढ़चिरौली, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के गोंड आदिवासी रावण और उनके पुत्र मेघनाद को देवताओं के रूप में पूजते हैं. गोंड आदिवासियों का मानना है कि वाल्मीकि रामायण में रावण कभी भी राक्षसी नहीं था और ऋषि वाल्मीकि ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि रावण ने कुछ भी गलत नहीं किया या सीता को बदनाम नहीं किया. यह तो तुलसीदास थे जिन्होंने रावण को एक क्रूर और शैतान राजा के रूप में चित्रित किया था.

मंदसौर, मध्यप्रदेश

रामायण के अनुसार, रावण मंदसौर के लोगों का दामाद था. यह उसकी पत्नी मंदोदरी का पैतृक घर था. मंदसौर में लोगों से पूछिए तो एक विद्वान के रूप में उनकी तारीफ करते नहीं थकते. दामाद से लिहाज ऐसा कि यहां की बहुएं रावण की प्रतिमा के सामने घूंघट डालकर जाती हैं. भगवान शिव की भक्ति के लिए यहां उनकी पूजा की जाती है. इस स्थान पर रावण की 35 फुट ऊंची मूर्ति है. यहां के खानपुरा क्षेत्र में रुण्डी नामक स्थान पर रावण की प्रतिमा स्थापित है, जिसके 10 सिर हैं.

जोधपुर, राजस्थान

मान्यता है कि रावण की ससुराल जोधपुर में है. रावण की पत्नी महारानी मंदोदरी जोधपुर के मंडोर के राजा की पुत्री थी. लंका से जब रावण बारात लेकर जोधपुर के मंडोर आए थे, तब उनके साथ बारात में गोदा गोत्र के श्रीमाली ब्राह्मण भी यहां आए थे. शादी के बाद रावण तो मंदोदरी को लेकर लंका लौट गए लेकिन गोदा गोत्र के श्रीमाली ब्राह्मण जोधपुर में ही रह गए. तब से लेकर आज तक वे यहां दशानन की पूजा और आराधना करते हैं. आलम ये है कि यह समाज दशहरे को शोक के रूप में मनाते हैं. रावण दहन भी नहीं देखते. जोधपुर के मेहरानगढ़ फोर्ट की तलहटी में रावण और उसकी पत्नी मंदोदरी का मंदिर बना हुआ हैं.

मांड्या व कोलार, कर्नाटक

फसल उत्सव के दौरान, कर्नाटक में कोलार जिले के लोगों द्वारा रावण की बीस भुजाओं वाली मूर्ति की पूजा की जाती है. कर्नाटक के मांड्या जिले के मालवल्ली तालुका में भी भगवान शिव के प्रति समर्पण का सम्मान करने के लिए हिंदू भक्तों द्वारा रावण के मंदिर में पूजा की जाती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रोहित से लेकर नीरज तक सभी खिलाड़ियों ने जताया दुख

रतन टाटा के निधन से गमगीन हुआ खेल जगत

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश के जाने-माने उद्योगपति रतन टाटा ने बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली. 86 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया. इस खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. वहीं, खेल के जगत सितारों ने भी इस पर दुख जताना शुरू कर दिया है. बता दें कि, सोमवार को टाटा स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे. बाद में उन्होंने ही आईसीयू में भर्ती होने के दावों का खंडन कर दिया था. हालांकि, बुधवार को उन्हें एक बार फिर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. डॉक्टरों की टीम की तमाम कोशिशों के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका.

रोहित शर्मा : एक ऐसे व्यक्ति जिसका दिल सोने जैसा था. सर, आपको हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जिसने वास्तव में दूसरों की परवाह की और अपना जीवन दूसरों की बेहतरी के लिए जिया.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड

बीसीसीआई श्री रतन टाटा जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है और पूरे देश के साथ शोक व्यक्त करता है. विभिन्न क्षेत्रों में उनके अमूल्य योगदान ने भारत के विकास और सफलता की कहानी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. जुनून, सहानुभूति, दूरदर्शी नेतृत्व, नवाचार और उत्कृष्टता के सिद्धांतों पर आधारित उनकी असाधारण विरासत आने वाले वर्षों में भावी पीढ़ियों को प्रेरित और मार्गदर्शन करती रहेगी.

नीरज चोपड़ा : श्री रतन टाटा जी के निधन के बारे में सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ. वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, और मैं उनके साथ हुई बातचीत को कभी नहीं भूल पाऊंगा. उन्होंने पूरे देश को प्रेरित किया. मैं प्रार्थना करता हूं कि उनके प्रियजनों को शक्ति मिले. ओम शांति.

मोहम्मद शमी : रतन टाटा सर, आपने अपना पूरा जीवन हमारे देश की प्रगति के लिए समर्पित कर दिया. आपकी विनम्रता, दूरदर्शिता और करुणा हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी.

जय शाह : श्री रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुखी हूं. उनके नेतृत्व, ईमानदारी और समाज के प्रति समर्पण ने विरासत के लिए एक उल्लेखनीय मानक स्थापित किया. उनके प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं.

सूर्यकुमार यादव : एक युग का अंत. दयालुता की प्रतिमूर्ति, सबसे प्रेरणादायक, एक अद्भुत व्यक्ति. सर, आपने बहुत से दिलों को छुआ है. आपका जीवन राष्ट्र के लिए एक आशीर्वाद रहा है. आपकी अंतहीन और बिना शर्त सेवा के लिए धन्यवाद. आपकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी.

सुरेश रैना : भारत ने एक सच्चा आदर्श खो दिया है. रतन टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, करुणा और परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है. उनकी विरासत हम सभी को प्रेरित करती रहेगी.

यूसुफ पठान : श्री रतन टाटा जी के निधन पर हार्दिक संवेदनाएं. उनके उल्लेखनीय नेतृत्व, वैश्विक अधिग्रहण और परोपकारी प्रयासों ने लाखों लोगों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डाला है. उनकी विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी.

वीवीएस लक्ष्मण : हमारे देश के महान व्यक्तियों में से एक के रूप में एक युग का अंत, श्री रतन टाटा जी का निधन. उन्हें हमारे देश के लिए उनके अमूल्य योगदान और एक अविश्वसनीय रोल-मॉडल होने के लिए हमेशा याद किया जाएगा. दुनिया भर में उनके सभी शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना. ओम शांति.

वीरेंद्र सहवाग : हमने भारत के एक सच्चे रतन श्री रतन टाटा जी को खो दिया है. उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा और वे हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे. ओम शांति.

इरफान पठान : श्री रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुखी हूं. वे सिर्फ एक बिज़नेस लीडर ही नहीं थे, बल्कि लाखों लोगों के लिए एक सच्ची प्रेरणा थे. भारत के विकास पर उनका समर्पण, ईमानदारी और प्रभाव बेमिसाल है. हमने एक दिग्गज को खो दिया है, लेकिन उनकी विरासत हमेशा अमर रहेगी.

लाल बजरी के बादशाह राफेल नडाल ने किया संन्यास का ऐलान

एजेंसी। नई दिल्ली

- फ्रेंच ओपन को रिकॉर्ड 14 बार जीतने वाले राफेल नडाल का प्रोफेशनल टेनिस करियर थम गया
- एक इमोशनल वीडियो शेयर करते हुए टेनिस को अलविदा कह दिया
- ओलंपिक में उन्होंने आखिरी बार हिस्सा लिया था, उन्होंने लेवर कप से अपना नाम वापस ले लिया था

सर्वकालिक महानतम टेनिस खिलाड़ियों में से एक राफेल नडाल संन्यास का ऐलान कर दिया है. उन्होंने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए अपने चाहने वालों को रिटायरमेंट की खबर दी. 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने उस खेल को अलविदा कहा, जिसमें उन्होंने अब तक के सबसे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई थी. उन्हें मौजूदा दौर में स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और सर्बिया के नोवाक जोकोविच के साथ महान खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है.

पिछले महीने नडाल ने लेवर कप 2024 से अपना नाम वापस ले लिया था. यह प्रोफेशनल टेनिस में उनका आखिरी अंतिम इवेंट था. पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद नडाल ने पुष्टि की थी कि 2024 में लेवर कप उनका अगला इवेंट होगा. नडाल ने लेवर कप में 2017 में प्राग, 2019 में जिनेवा और फिर 2022 में लंदन में हिस्सा लिया था, जो उनके दोस्त और महान रोजर फेडरर के करियर के आखिरी मैच भी था. उन्होंने उसमें रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर डबल्स में हिस्सा लिया था.

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहले संकेत दिया था कि 2024 उनके दौरे का आखिरी साल हो सकता है. नडाल का इस सीजन में 12-7 मैच रिकॉर्ड है और उन्होंने आखिरी बार पेरिस ओलंपिक में भाग लिया था, जहां वह दूसरे दौर में नोवाक जोकोविच से हार गए थे.

राफेल नडाल को किंग ऑफ क्ले यानी लाल बजरी का बादशाह क्यों कहते हैं?

दरअसल, उन्होंने फ्रांस में खेली जाने वाले ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन को रिकॉर्ड 14 बार जीता. इस टूर्नामेंट को लाल बजरी पर खेला जाता है. यही वजह है कि उन्हें इसका किंग कहा जाता है.

ब्रीफ खबरें

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ग्रीन का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का पीठ में लगी चोट के चलते भारत के ख़िलाफ़ होने वाली अहम बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज़ में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है. दरअसल, इंग्लैंड दौरे पर ग्रीन को लगी चोट के उपचार के लिए उन्हें सर्जरी से गुज़रना पड़ सकता है. हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेडिकल टीम के मुताबिक़ सर्जरी आख़िरी विकल्प है, उससे पहले वह कोशिश कर रहे हैं कि भारत के ख़िलाफ़ होने वाली टेस्ट सीरीज़ से पहले बिना सर्जरी के वह ठीक हो जाएं. इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीसरे वनडे के बाद ही ग्रीन को पीठ में तकलीफ़ हुई थी.

भारतीय टीम अच्छी बल्लेबाजी करती है

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने बुधवार को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मिली हार के बाद भारतीय टीम के दृष्टिकोण और निष्पादन की प्रशंसा की. बुधवार को दिल्ली में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारत ने बांग्लादेश को 86 रनों से हरा दिया. पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में तस्कीन ने कहा, "भारत ने वाकई बहुत अच्छी बल्लेबाजी की. वे ऐसा सिर्फ भारतीय परिस्थितियों में ही नहीं बल्कि सभी परिस्थितियों में करते हैं. उन्होंने अंत तक अच्छी बल्लेबाजी की.

शाकिब ने चुप्पी के लिए मांगी माफी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने बुधवार को अपना राजनीतिक रुख स्पष्ट कर दिया, जिससे उनके लिए बांग्लादेश में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विदाई टेस्ट खेलने का रास्ता साफ हो गया, जैसा कि उन्होंने उम्मीद की थी.इससे पहले, युवा और खेल सलाहकार, आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने जोर देकर कहा था कि शाकिब को सुरक्षा मांगने से पहले अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी. शेख हसीना के शासन के पतन के दो महीने बाद, उन्होंने आखिरकार छात्र आंदोलन पर अपने रुख पर चुप्पी तोड़ी. पूर्व सांसद ने उस दौरान चुप रहने के लिए माफी मांगी. अपने घर में होने वाले अपने अंतिम टेस्ट मैच में लोगों से समर्थन मांगा.

रूट-ब्रूक की पारी से लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट इतिहास का चौथा सर्वोच्च स्कोर बनाया

एजेंसी। मुल्तान

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर घोषित की. इंग्लैंड ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का चौथा सर्वोच्च बनाया. इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 317 रन बनाए और उनका साथ जो रूट ने बखूबी निभाया. रूट ने 262 रनों की पारी खेली. रूट और ब्रूक की शानदार पारियों से इंग्लैंड ने टेस्ट में कीर्तिमान रचा और रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी.

पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए थे, लेकिन उसकी गेंदबाजी काफी खराब रही और रूट तथा ब्रूक ने शानदार पारी खेल इंग्लैंड को बढ़त दिला दी. पहले टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर 267 रनों की बढ़त बना ली है. इस दौरान ब्रूक ने अपने करियर का पहला तिहरा शतक जड़ा. ब्रूक एक पारी में 300 से अधिक रन बनाने वाले छठे इंग्लिश बल्लेबाज बन गए.

रूट-ब्रूक ने की इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी : इंग्लैंड अगर पाकिस्तान के खिलाफ बढ़त लेने में सफल रहा तो उसका सबसे बड़ा श्रेय ब्रूक और रूट की साझेदारी को जाता है. पाकिस्तान के बड़े स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने एक समय अपने तीन विकेट 249 रन पर गंवा दिए थे. लेकिन इसके बाद रूट और ब्रूक ने अपने पैर चट्टान की तरह क्रीज पर जमा लिए.

दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 454 रनों की साझेदारी की. यह टेस्ट में किसी भी विकेट के लिए की गई चौथी सबसे बड़ी और इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है.

ब्रूक इंग्लैंड के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज

ब्रूक ने इसके साथ ही एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली. 34 साल में वह इस प्रारूप में इंग्लैंड के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं. ब्रूक पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए. इससे पहले यह कारनामा 1954 में डेनिस कॉम्पटन ने किया था, जिन्होंने ट्रेंट ब्रिज में 278 रनों की पारी खेली थी. वहीं, इंग्लैंड के लिए 34 साल बाद किसी बल्लेबाज ने टेस्ट में तिहरा शतक जड़ा है. ब्रूक से पहले यह कारनामा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम बूच ने किया था. उन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 333 रन बनाए थे.

310 गेंद, 28 चौके, 3 छक्के... हैरी ब्रूक ने जड़ दिया तिहरा शतक

मुल्तान : इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान के महशूर क्रिकेट मैदान पर तिहरा शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया है. यही वही मैदान है, जहां वीरेंद्र सहवाग ने 2004 में पाकिस्तान के गेंदबाजों को पस्त करते हुए तिहरा शतक जड़ा था और मुल्तान का सुल्तान होने का तमगा हासिल किया था. हैरी ने वीरेंद्र सहवाग के अंदाज में ही सैम अयुब को 144वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका जड़ते हुए तिहरा शतक पूरा किया. वह इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले जो रूट 375 गेंदों में 17 चौके के दम पर 262 रन बनाकर आउट हुए.हैरी पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक लगाने वाले दुनिया के 5वें बल्लेबाज बन गए हैं. उनसे पहले वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स ने 1958 में नाबाद 365 रन की पारी खेली थी, जबकि 2019 में ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ने नाबाद 335 रनों की पारी खेली थी.

श्रीलंका के खिलाफ भारत की 'सर्वश्रेष्ठ फील्डर' रहीं राधा यादव

एजेंसी। दुबई

बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव को बुधवार रात दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में महिला टी20 विश्व कप में श्रीलंका पर भारत की बड़ी जीत में उनके शानदार कैच के लिए सर्वश्रेष्ठ फील्डर का पुरस्कार दिया गया. दुबई में बुधवार 9 अक्टूबर को खेले गए ग्रुप ए के इस मुकाबले में टीम इंडिया हर मोर्चे पर अव्वल साबित हुई, जिसमें सबसे अहम थी फील्डिंग. जहां पिछले दो मुकाबलों में भारतीय फील्डर आसान कैच छोड़ रहे थे, वहीं इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों के तेवर काफी बदले दिखे. राधा यादव, रेणुका सिंह और विकेटकीपर ऋचा घोष के बेहतरीन कैच ने भारत को एक बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. सबसे पहले, बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र तीन विकेट के नुकसान पर 172 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. इसके बाद, सभी पांच गेंदबाजों ने विकेट लिए और इस दौरान उनका इकॉनमी रेट काफी अच्छा रहा, जबकि फील्डरों ने शानदार कैच लपके. इस तरह भारत ने श्रीलंका को 82 रनों से हराया और 0.560 के नेट रन रेट के साथ ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई. फील्डिंग कोच मुनीश बाली ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम की तारीफ की. बीसीसीआई.टीवी पर पोस्ट किए गए वीडियो में उन्होंने कहा, "शानदार प्रदर्शन...हमने 9 कैच लपके और एक स्टंपिंग की. एक भी गेंद पर कोई गलती नहीं हुई." उन्होंने राधा को मैच की सर्वश्रेष्ठ फील्डर घोषित करने से पहले शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, रेणुका सिंह ठाकुर और सजना सजीवन की शानदार फील्डिंग की सराहना की. भारत की जीत पर विचार करते हुए मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा, "क्या जीत है. अगले 3-4 दिन हम जितना संभव हो सके, उतना मैदान पर टिके रहेंगे. आपने मैदान पर अपना काम कर दिया है. एक दिन खत्म हो गया... सभी टिक सही रहे. अच्छी टीमें, खराब टीमें, प्रभावशाली टीमें हमेशा अपनी हार को याद रखती हैं, इसे याद रखें."

सिनर, अल्काराज शंघाई मास्टर्स के क्वाफा में

एजेंसी। शंघाई (चीन)

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर ने बुधवार को एटीपी शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-4, 7-6(1) से सीधे सेटों में हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली. शुरुआती सेट में, शेल्टन की आक्रामक शुरुआत का सामना करते हुए, जिन्होंने 2-1 पर दो ब्रेक पॉइंट बनाए, सिनर ने अपनी दृढ़ता दिखाई. नौवें गेम में, इतालवी खिलाड़ी को आखिरकार मैच का पहला ब्रेक पॉइंट हासिल करने का मौका मिला और उसने इसे सफलतापूर्वक 5-4 की बढ़त में बदल दिया. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार जब दूसरे सेट में निर्णायक टाई-ब्रेक की बात आती है, तो शेल्टन ने सर्विस पर शुरुआती पॉइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने अपने प्रतिद्वंद्वी को बाद में कोई मौका नहीं दिया और महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वश्रेष्ठ प्रहार करते हुए लगातार सात पॉइंट जीते. सिनर ने जीत के बाद कहा, "जाहिर है, हम सिर्फ़ एक मैच नहीं जीत सकते. मुझे लगता है कि आज का मैच बहुत कठिन था. पहले और दूसरे सेट में उसके पास मौके थे. मैंने जिस तरह से इस स्थिति को संभाला, उससे मैं खुश हूं. जाहिर है, मैं पिछले साल जिस स्थिति में था, वहां पहुंच गया हूं, लेकिन यह अलग है. इसलिए मैं जिस स्थिति में हूं, वहां पहुंचकर खुश हूं."

23 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सीज़न में अब तक खेले गए सभी 14 टूर्नामेंटों में क्वार्टर फ़ाइनल तक का सफ़र तय किया है. अपनी निरंतरता के रहस्य के बारे में, सिनर ने कहा कि वह हर चुनौती को स्वीकार करने की कोशिश करते हैं. उन्होंने कहा, "कोर्ट पर हमेशा बहुत कठिन समय होता है. आपको उनके खिलाफ़ जाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए. मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं." दूसरी तरफ़, कार्लोस अल्काराज़ ने भी गाएल मोंफिल्स को 6-4, 7-5 से हराकर क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया. फ्रेंचमैन ने अगस्त में सिनसिनाटी ओपन में अल्काराज़ को हराया था. चाइना ओपन में खिताब जीतने के बाद अल्काराज़ शंघाई में परिणाम को लेकर आशावादी थे. उन्होंने कहा, "मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और शारीरिक रूप से मुझे ज़्यादा समस्याएं नहीं हैं. मैं हाल ही में शानदार टेनिस खेल रहा हूं, इसलिए मुझे इस टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का बहुत भरोसा है." बुधवार को ही नोवाक जोकोविच ने रोमन सफीउलिन पर 6-3, 6-2 से आसान जीत हासिल की और शंघाई मास्टर्स के अपने 10वें क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंच गए.

रिचर्ड गास्के रौलां-गैरो के बाद संन्यास लेंगे

नई दिल्ली। पूर्व नंबर 7 टेनिस खिलाड़ी रिचर्ड गास्के ने अगले साल रौलां-गैरो के बाद संन्यास लेने की अपनी योजना का खुलासा किया है, जो कि क्ले कोर्ट मेजर है. गास्के ने 16 एटीपी टूर खिताब जीते हैं, जिनमें से सबसे हाल ही में पिछले साल ऑकलैंड में जीता था. उन्होंने शीर्ष 10 प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 36 जीत दर्ज की हैं और 2007 और 2013 में दो बार एटीपी फाइनल में भाग लिया है. फ्रांसीसी खिलाड़ी विंबलडन (2007 और 2015) और यूएस ओपन (2013) में सेमीफाइनलिस्ट थे. गास्के ने फ्रांसीसी राष्ट्रीय खेल दैनिक एल''इक्विप के साथ एक साक्षात्कार में कहा, "मुझे लगता है कि मेरे लिए ऐसा करना सबसे अच्छा पल है. ऐसा करना सबसे अच्छा टूर्नामेंट है. यह शानदार है, हमारे पास फ्रांसीसी होने के नाते इस तरह के अविश्वसनीय स्थानों पर रुकने का मौका है.

भारत की जीत से पाकिस्तान को लगा झटका

एजेंसी। नयी दिल्ली

सेफा की राह हुई कठिन

श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं. भारत बनाम श्रीलंका मैच से पहले ग्रुप ए की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहने वाली फातिमा सना की टीम अब तीसरे पायदान पर खिसक गई है. उनकी जगह हरमनप्रीत कौर की टीम ने ले ली है. ग्रुप ए के समीकरणों में किस तरह भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है.

दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत 82 रनों से जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया. इस मैच से पहले उनका नेट रनरेट चिंता का विषय बना हुआ था. हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ उनका नेट रनरेट अब 0.576 का हो गया है और उनके खाते में चार अंक हो गए हैं. शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है जिनका नेट रनरेट ग्रुप की अन्य टीमों के मुकाबलों काफी बेहतर है. लगातार दो मैचों में दो जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेट रनरेट 2.524 का है और उनके खाते में चार अंक हैं.

भारत की इस जीत ने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. दरअसल, दोनों ग्रुपों की अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करती हैं. अब भारत को अपना अंतिम मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है. यह मैच 13 अक्तूबर को दुबई में ही खेला जाएगा. अगर भारत इस मैच में जीत हासिल करने में कामयाब होता है तो उनकी स्थिति अंक तालिका में मजबूत हो जाएगी बशर्ते उन्हें यह मैच बड़े अंत से जीतना होगा.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के अलावा भारत को उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड और पाकिस्तान दोनों अपने बचे हुए दो मैचों में से कम से कम एक मैच हार जाएं. तब भारत नेट रनरेट पर निर्भर हुए बिना अंकों के आधार पर क्वालिफाई कर जाएगा. ऑस्ट्रेलिया के अपने बचे हुए दोनों मैच हारने की स्थिति में भी भारत अंकों के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंच सकता है. उस स्थिति में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान में से केवल एक ही टीम छह अंक हासिल कर सकती है. अगर भारत अपने आखिरी लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच छह अंकों के साथ त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है.

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 सात साल बाद एचआईएल नये रूप के साथ कर रही वापसी, तीन दिन तक चलेगी खिलाड़ियों की नीलामी

नीलामी में 1000 से ज़्यादा महिला-पुरुष हॉकी खिलाड़ी शामिल होंगे

शुभम किशोर। रांची

2024-25 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होने वाली है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं के साथ वैश्विक सितारों सहित 1000 से ज़्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे. सात साल के अंतराल के बाद, एचआईएल एक विस्तारित प्रारूप के साथ वापसी कर रहा है जिसमें पुरुषों और पहली बार एक विशेष महिला लीग दोनों शामिल हैं, जो एक साथ चलेंगी. पुरुषों के लिए हॉकी इंडिया लीग फिर से शुरू हो रही है और महिला लीग का उद्घाटन सत्र इस सीज़न में शुरू होने वाला है.

तीन दिन चलेगा खिलाड़ियों की नीलामी : पुरुषों की नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को होगी, जबकि महिलाओं की ऐतिहासिक नीलामी 15 अक्टूबर को होगी. 400 से ज़्यादा घरेलू और 150 से ज़्यादा विदेशी पुरुष खिलाड़ियों के साथ-साथ 250 घरेलू और 70 विदेशी महिला खिलाड़ियों की नीलामी होगी. खिलाड़ियों को तीन बेस प्राइस कैटेगरी में बांटा गया है: 2,00,000 रुपये, 5,00,000 रुपये और 10,00,000 रुपये, जो उनके द्वारा खुद के लिए चुने गए मूल्य पर आधारित है. 2,00,000 रुपये की श्रेणी में 600 से ज़्यादा खिलाड़ी, 5,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी और 10,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी शामिल हैं. पुरुषों की नीलामी की शुरुआत पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारत की टीम से होगी, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह, उप कप्तान हार्दिक सिंह और मनप्रीत सिंह तथा मंदीप सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं. उत्साह को और बढ़ाते हुए, रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धरमवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए मंच तैयार हो गया है. आर्थर वैन डोरेन, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स, गोंजालो पेइलाट, जिप जानसेन, थिएरी ब्रिंकमैन और दयान कैसिएम जैसे अंतरराष्ट्रीय हॉकी आइकन पुरुषों की लीग में वैश्विक प्रतिभा को जोड़ेंगे.

सभी टीम में 24 खिलाड़ी होंगे : प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों के अनिवार्य समावेश के साथ) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो स्थानीय और वैश्विक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के एचआईएल के दृष्टिकोण को दर्शाता है. खिलाड़ियों को तीन बेस प्राइस कैटेगरी में बांटा गया है: 2,00,000 रुपये, 5,00,000 रुपये और 10,00,000 रुपये, जो उनके द्वारा खुद के लिए चुने गए मूल्य पर आधारित है. 2,00,000 रुपये की श्रेणी में 600 से ज़्यादा खिलाड़ी, 5,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी और 10,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी शामिल हैं.

महिला खिलाड़ियों की भी होगी नीलामी

नीलामी की शुरुआत अनुभवी गोलकीपर सविता, कप्तान सलीमा टेटे, उभरती हुई स्टार और ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और लालरेम्सियामी सहित शीर्ष खिलाड़ियों से होगी. योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है. डेल्फिना मेरिनो, चार्लोट स्टेपेनहॉर्स्ट, मारिया ग्रेनाटो, राचेल लिंच और नाइक लोरेंज सहित अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी बोली लगाने की जंग का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं, जिससे पहली बार आयोजित होने वाली एचआईएल महिला लीग में और रोमांच जुड़ जाएगा.

28 दिसंबर को राउरकेला में भव्य उद्घाटन

एचआईएल 2024-25 की शुरुआत 28 दिसंबर को ओडिशा के राउरकेला में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी. मैच दो प्रतिष्ठित स्थलों - रांची में मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और राउरकेला में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे. महिलाओं का लीग फाइनल 26 जनवरी, 2025 को रांची में होगा, जबकि पुरुषों का फाइनल एक फरवरी, 2025 को राउरकेला में होगा. हर मैच में विजेता सुनिश्चित करने के लिए, लीग ने उन सभी मैचों के लिए शूटआउट की शुरुआत की है जो बराबरी पर समाप्त होते हैं.

ब्रीफ खबरें

नदी में डूबने से 14 साल की किशोरी की मौत

गोपालगंज । जिले के ऊंचका गांव थाना क्षेत्र के इटवा पुल के पास दाहा नदी में डूबने से एक 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई. पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है. वही इस घटना के बाद मृतका के मां का रो रो कर बुरा हाल है. मृतका की पहचान मोतिहारी जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र के महादेवा टोला गांव निवासी जगनारायण कुशवाहा की 14 वर्षीय बेटी रिंकी कुमारी के रूप में की गई. मृतका रिंकी कुमारी अपनी मां के साथ दुर्गा मंदिर में पूजा करने आई थी.

पाटलिपुत्र-सहरसा के बीच शुरू होगी ट्रेन

पटना। आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी-मानसी के मार्ग पर पाटलिपुत्र और सहरसा के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. यह विशेष ट्रेन सेवा 16 अक्टूबर से शुरू होकर 27 दिसंबर तक चलेगी. इस विशेष ट्रेन होगा और इसका परिचालन पाटलिपुत्र-एसएमभीबी, बेंगलुरू एक्सप्रेस के रेक द्वारा किया जाएगा. इस स्पेशल ट्रेन में विभिन्न श्रेणियों के कोच होंगे, जिनमें एक प्रथम एसी श्रेणी, दो द्वितीय एसी श्रेणी, छह तृतीय एसी श्रेणी, एक तृतीय एसी इकोनोमी श्रेणी, छह स्लीपर श्रेणी और तीन जनरल श्रेणी के कोच शामिल हैं.

साइबर फ्रॉड मामले में तीन को किया गिरफ्तार

बांका । बांका में साइबर अपराधियों द्वारा अवैध निकासी कर लेने को लेकर बांका थाना क्षेत्र के तेलिया गांव निवासी जहीर अंसारी के द्वारा साइबर थाना में 6 जून को लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराया था .कांड 11/24 दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक बांका के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक सह थाना अध्यक्ष साइबर थाना बांका विनोद कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. जिसके तहत साइबर अनुसंधान के क्रम में बैंक के खाते से कटे सभी अवैध राशियों का विशेष अवलोकन कर उनके ट्रांजैक्शन मोड की जांच की गई.

पटना में अब पोस्टर वार, सियासत शुरू

तेजस्वी को टोंटी चोर तो लालू को बताया चारा चोर

संवाददाता ।पटना

राजधानी पटना में गुरुवार को पोस्टर के जरिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर हमला किया गया है. सड़कों पर जो पोस्टर लगा है उसमें तेजस्वी यादव को लेकर लिखा गया, 'टोंटी चोर, फेलस्वी यादव' जबकि लालू यादव को लेकर लिखा गया है, 'चारा चोर'. इस पोस्टर को किसने लगवाया है यह नहीं लिखा गया है. पोस्टर पर तेजस्वी यादव और लालू का कार्टून बनाया गया है. इस पोस्टर के बाद सियासत शुरू हो गई है. इस पूरे विवाद के बाद दुबई से पटना लौटे तेजस्वी यादव ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी पहले ही दी है. तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर सवाल खड़ा करने वालों पर लीगल एक्शन लेने की बात कही है. जब उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से इससे जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा पूरा मामला प्रशासन देखेगा. भवन निर्माण विभाग एक-एक चीजों को देखेगा.

वहीं, बीजेपी के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि यह पोस्टर सही मायने में आरजेडी के चरित्र को दर्शाता है. बिहार की जनता के द्वारा लगाया गया यह पोस्टर दर्शा रहा है कि लालू प्रसाद ने किस प्रकार से चारा चुराया था. तेजस्वी ने कैसे सरकारी आवास को खाली करते समय सरकारी संपत्ति नल-टोंटी, एसी को चुराने का काम किया, वो दर्शा रहा है. दानिश ने कहा कि इस पोस्टर के माध्यम से बिहार की जनता इस बात को स्पष्ट मान रही है, स्पष्ट देख रही है कि किस प्रकार से एक राजनीतिक दल के लोग जब उनके पिता शासन में थे तो चारा को चुराने का काम किया. जब उनके बेटे को मौका मिला सरकारी बंगले में रहने का तो सरकारी संपत्ति को लूटने का काम किया.

उधर, इस पोस्टर पर राजद की ओर से भी प्रतिक्रिया दी गई है. राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि तेजस्वी यादव की बढ़ती लोकप्रियता से विरोधी पूरी तरह से हताश और निराश हैं. तेजस्वी की छवि को खराब करने का प्रयास किया जा रहा है.

मामला बोधगया प्रखंड की मोरा मर्दाना पंचायत के मंझौली गांव का

गया में डायरिया से 3 मौत, 50 से ज्यादा लोग हुए बीमार, भर्ती

- डायरिया से 10 वर्षीय बच्चे मिथुन कुमार, कंचन देवी की सात वर्षीय पुत्री गौरी और नरेश यादव की पत्नी की मौत हो गयी

संवाददाता ।गया

गया में दो दिनों में तीन लोगों की डायरिया से मौत हो गई है. इनमें दो बच्चे और एक महिला शामिल है. मामला बोधगया प्रखंड की मोरा मर्दाना पंचायत के मंझौली गांव का है. इस घटना के बाद बीते बुधवार को मेडिकल टीम गांव पहुंची. डायरिया के प्रकोप की खबर सामने आने के बाद पूरे गांव में दहशत है. बताया जाता है कि अभी भी 50 से अधिक ग्रामीण डायरिया की चपेट में हैं. उल्टी और दस्त की शिकायत पर ग्रामीण बोधगया, करमौनी और गया के निजी अस्पतालों में जाकर अपना इलाज करा रहे हैं.

डायरिया की जानकारी मिलने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टरों और मेडिकल की टीम गांव में भेजी गई है. जो लोग गांव में बीमार हैं उनका इलाज किया जा रहा है. बताया जा रहा है कि गांव में एक भोज में खाना खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी. पहले कुछ बच्चे बीमार हुए और इसके बाद बड़े लोगों को भी उल्टी एवं दस्त की शिकायत होने लगी. ग्रामीण अंबिका यादव ने बताया कि डायरिया से एक 10 वर्षीय बच्चे मिथुन कुमार, कंचन देवी की 7 वर्षीय पुत्री गौरी और नरेश यादव की पत्नी की मौत डायरिया हुई है.

गांव छोड़कर भाग रहे हैं ग्रामीण

सिविल सर्जन को डायरिया की जानकारी नहीं

बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि डायरिया के प्रकोप की सूचना के बाद गांव में दो एंबुलेंस और डॉक्टर के साथ मेडिकल टीम को भेजा गया. गांव में पहुंचे डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि ग्रामीणों को ओआरएस आदि दिया जा रहा है. उधर गया के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है. जानकारी ली जा रही है. डायरिया के प्रकोप से ग्रामीण गांव छोड़कर किसी दूसरे जगह अपने रिश्तेदार के यहां जाकर रह रहे हैं. गांव के कई घरों के दरवाजे पर ताला लटका है. सन्नाटा पसरा है.

महाष्टमी के दिन सीएम नीतीश कुमार पहुंचे माता शीतला मंदिर

पटना । शारदीय नवरात्र के महा अष्टमी के दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना के अगम कुआं स्थित माता शीतला मंदिर पहुंचे. वहां उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना की और बिहार के अमन सुख शांति की दुआ मांगी. मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने से पहले ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. सुबह से ही आम लोगों के मंदिर के प्रवेश में रोक लगा दी गई थी. बता दें कि शारदीय नवरात्र के आज महाष्टमी का दिन है प्रत्येक वर्ष महा अष्टमी के दिन अगम कुआं स्थित शीतला मंदिर में सुबह से ही पूजा करने वाले श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटती है. इसे लेकर मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था.

सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे : चारों तरफ साफ- सफाई की व्यवस्था की गई थी. मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे. कड़ी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री गुरुवार को शीतला मंदिर पहुंचे. वहां पहुंचते ही मंदिर के पुजारी एवं प्रबंधन समिति के लोगों ने सीएम का भव्य स्वागत किया. मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र देकर चुनरी देकर एवं मंदिर से संबंधित फोटो फ्रेम देकर उन्हें सम्मानित किया.

पटना-गया रेलखंड पर दुर्घटनाग्रस्त होने से बची इस्लामपुर-हटिया एक्स.

संवाददाता ।पटना

रेलगाड़ी संख्या 18623 इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन बीती देर रात करीब 12.15 बजे पटना-गया रेलखंड के बेलागंज-नेयामतपुर रेलवे स्टेशन के बीच पिलर संख्या 75/05 के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई. इस संबंध में जहानाबाद रेल थाना अध्यक्ष दीप नारायण यादव ने बताया कि बुधवार की देर रात करीब सवा बारह बजे यह घटना हुई है. उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा रेल पटरी में बिछाए गये सीमेंट ब्लॉक्स स्लीपर को उठाकर रेल लाइन पर रख दिया गया था. हालांकि, ड्राइवर ने उसे देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका लेकिन ट्रेन रुकते-रुकते इंजन स्लीपर में जा टकराया. इस दौरान रेल यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई. थानाध्यक्ष ने बताया कि रेल पटरी से स्लीपर हटाकर रेल परिचालन शुरू कराया गया. इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ स्थानीय थाना बेलागंज में एफआईआर दर्ज कराई गई गयी है. इधर, घटना की छानबीन करते हुए रेल पुलिस की टीम भी लगातार छापेमारी कर रही है.

कारोबार

रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश बढ़ा

नयी दिल्ली । भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी निवेश 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 9 प्रतिशत बढ़कर 2.2 अरब डॉलर हो गया है. यह पिछले साल समान तिमाही में हुए निवेश से दोगुना है. वैश्विक रियल एस्टेट कंसल्टिंग फर्म सैविल्स इंडिया की ओर से जारी की गई रिपोर्ट्स में कहा गया कि देश में रियल एस्टेट में जनवरी से सितंबर 2024 की अवधि में 3.9 अरब डॉलर का निवेश प्राइवेट इक्विटी की ओर से किया गया है. यह 2023 में हुए कुल निवेश से अधिक है.

टीसीएस को 11,909 करोड़ का मुनाफा

नयी दिल्ली । भारत की सबसे वैल्यूएबल आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएस) ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जुलाई-सितंबर तिमाही में टीसीएस का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर करीब 5% बढ़कर 11,909 करोड़ रहा. एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 11,342 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं, क्यू2एफवाई25 में सालाना आधार पर कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 8% बढ़कर 64,259 करोड़ रुपए हो गया है.

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ी

नयी दिल्ली । देश में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में तिमाही आधार पर 1.59 फीसदी बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंच गई. जनवरी-मार्च तिमाही में देश में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे. कुल 96.96 करोड़ ग्राहकों में 4.20 करोड़ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वायरलेस इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 92.75 करोड़ पहुंच गई है. ट्राई की ओर से 'इंडिया टेलीकॉम सर्विसेज परफॉर्मेंस इंडिकेटर' रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मोबाइल सेवाओं के लिए हर ग्राहक से दूरसंचार कंपनियों को होने वाली कमाई सालाना आधार पर 8.11 फीसदी बढ़कर 157.45 रुपये पहुंच गई है.

भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर के पार, गौतम अडानी दूसरे नंबर पर : फोर्ब्स

एजेंसी ।नयी दिल्ली

भारत के 100 सबसे अमीर व्यक्तियों की संपत्ति बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गयी है. बीते वर्ष के मुकाबले इस साल देश के शीर्ष 100 अमीर लोगों में से 80 प्रतिशत की संपत्ति में बढ़त देखने को मिली है. फोर्ब्स की ओर से गुरुवार को जारी की गयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी. फोर्ब्स की भारत के 100 शीर्ष अरबपतियों की लिस्ट के मुताबिक, इस साल देश के शीर्ष कारोबारियों की संपत्ति बढ़कर 1.1 ट्रिलियन डॉलर हो गयी है. यह 2019 के आंकड़े से दोगुने से भी अधिक है. रिपोर्ट में बताया गया, इस दौरान दिग्गज कारोबारी गौतम अदानी की संपत्ति में बड़ा उछाल देखने को मिला है और वह शॉर्ट-सेलर फर्म की रिपोर्ट से हुए नुकसान के बाद मजबूती से उबरे हैं. इस साथ उन्होंने अपने बेटों और भतीजों की नियुक्ति भी कंपनियों में शीर्ष पदों पर की है.

विनोद अदानी की संपत्ति 48 अरब डॉलर है : रिपोर्ट में कहा गया कि उनके भाई विनोद अदानी की संपत्ति 48 अरब डॉलर है. इसे मिलाकर पूरे परिवार की संपत्ति 116 अरब डॉलर होती है, जो उन्हें दूसरे नंबर पर बनाए रखने के लिए पर्याप्त है. रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने और नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के कारण शेयर बाजार में आयी तेजी से भारत के शीर्ष सबसे अमीर लोगों की संपत्ति में पिछले 12 महीने में 40 प्रतिशत या 316 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है. सावित्री जिंदल जो कि ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन हैं. वह इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. पिछले साल इस लिस्ट में आठ महिलाएं थी, जिनकी संख्या अब बढ़कर नौ हो गयी है. महिमा दतला, जो कि एक निजी वैक्सीन निर्माता बायोलॉजिकल ई को नियंत्रित करती हैं, फोर्ब्स की सूची में चार नए लोगों में से एक हैं.

दिलीप सांघवी 32.4 बिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गये

अन्य तीन लोगों में जेनेरिक दवाओं और फार्मा सामग्री के निर्माता कंपनी हेटेरो लैब्स के संस्थापक बी. पार्थ सारथी रेड्डी, परिधान निर्माता शाही एक्सपोर्ट्स के हरीश आहूजा और प्रीमियर एनर्जीज के संस्थापक और अध्यक्ष सुरेंद्र सलूजा, जो सौर पैनल और मॉड्यूल बनाते हैं. सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के संस्थापक दिलीप सांघवी 32.4 बिलियन डॉलर के साथ तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गये और टोरेंट ग्रुप के सुधीर और समीर मेहता की संपत्ति दोगुनी से अधिक बढ़कर 16.3 बिलियन डॉलर हो गयी. निखिल कामथ (38) जिन्होंने अपने बड़े भाई नितिन (45) के साथ मिलकर ऑनलाइन ब्रोकरेज जेरोधा की स्थापना की है.

जीएसटी एमनेस्टी स्कीम 1 नवंबर से

कम ब्याज और पेनल्टी देकर होगा केस का निपटारा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने जीएसटी एमनेस्टी स्कीम को नोटिफाई कर दिया है. ये स्कीम 1 नवंबर से खुल जाएगा. टैक्सपेयर्स इस स्कीम के तहत तुलनात्मक तौर पर कम इंटरेस्ट और पेनल्टी चुका कर अपने पेंडिंग मामलों का निपटारा कर सकते हैं. जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का फायदा वे सभी टैक्सपेयर्स उठा सकेंगे, जिनके 1 जुलाई 2017 से लेकर 31 मार्च 2020 तक के टैक्स के मामले पेंडिंग पड़े हुए हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई में बजट पेश करते वक्त अपने बजट भाषण में ही जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का ऐलान किया था. बताया जा रहा है कि ऐसे टैक्सपेयर्स, जिन्हें सेक्शन 73 नोटिस का आर्डर मिला है, वे इस स्कीम का फायदा उठा सकते हैं. हालांकि जिन टैक्सपेयर्स को फ्रॉड के मामलों में नोटिस दिया गया है, उन्हें इसका फायदा नहीं मिल सकेगा.

पेज वन का शेष

सब शरीक-ए-जुर्म हैं...

उनकी यह उपलब्धि मीडिया की सुर्खियां भी बनी थीं. यह तमाशा परवान चढ़ा सियासत के चर्चित जहांपनाह आलमगीर आलम के जमाने में, सवा तीन सौ लोग बहाल कर लिये गये. ये नियुक्तियां कैसे हुईं, इसका विवरण आयोग की रिपोर्ट में तो है ही, मीडिया ने भी उस समय इसे उछाला था. नियुक्ति एजेंट थे. रेट फिक्स था. सबको मालूम था. नेताओं, विधायकों की सिफारिशें भी मानी गई थीं. कंबल ओढ़ कर घी पीने का यह सत्कर्म राज्य की सबसे बड़ी पंचायत में हुआ. सब मगन थे. किसी ने यह नहीं सोचा कि इतनी छोटी विधानसभा में आखिर इतने अधिकारियों-कर्मचारियों की क्या जरूरत है और यदि जरूरत है तो नियुक्ति का पारदर्शी तरीका क्यों नहीं अपनाया गया ?

2007 में यह मामला विधानसभा में उठा तो एक जांच समिति बना दी गई. सुबूत मांगे गये तो सीडी भी दी गई. लेकिन समिति की रिपार्ट नामंजूर कर दी गई और दूसरी समिति बना दी गई जिसने रिपार्ट ही नहीं दी. झारखंड में कार्यपालिका के महारथियों ने तो भ्रष्टाचार के कई कीर्तिमान गढ़े ही हैं, विधायिका के सिरमौरों ने भी कमाल किया है. एक ही दिन में सैकड़ों अभ्यर्थियों के साक्षात्कार ले लिये गये. एक अन्य विधानसभा अध्यक्ष शशांक शेखर भोक्ता ने नियम- कायदे को ताक पर रखकर पैरवी पुत्रों को प्रमोशन भी दे दिया. अधिकार की मादकता सभी ने छक कर पी. लोक लाज, शर्म-हया भी धोकर पीया. इन्हें गुमान था कि सदन के मुखिया के नाते उन्हें कोई छू नहीं सकता. लेकिन अब इनके कारनामों की जांच होगी. जांच कब तक पूरी होगी, उसमें कौन दोषी पाया जाएगा और उसे क्या सजा मिलेगी, इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा. यह पूरा मामला शैतान की आंत की तरह उलझा हुआ है. इसे सुलझाना आसान नहीं होगा. वह भी तब जब कदम-कदम पर अड़ंगे लगाये जाएंगे. दो दशक से ज्यादा समय तो यों ही निकल गया है. अब भी हमारी विधानसभा कह रही है कि वह कार्रवाई कर रही है. ठीक वैसे ही जैसे विधायकों की अपात्रता के आरोप में करती है. वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है, लेकिन बाबूलाल मरांडी अपात्र हैं या पात्र, फैसला नहीं आया है. पिछली विधानसभा के स्पीकर ने भी आधा दर्जन विधायकों पर फैसला तब दिया जब सदन चला चली की बेला में था. ये लोग कोर्ट में मामलों के लंबित रहने पर भाषण झाड़ते हैं, लेकिन अपनी अदालत में शीघ्र फैसला देना मुनासिब नहीं समझते हैं. विधानसभा नियुक्ति घोटाले में कार्रवाई को अपने चिरपरिचित ढर्रे से ही लंबित रखना चाहती थी. इसीलिए विशेषाधिकार का सवाल खड़ा किया जा रहा है. लेकिन महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद जब विधानसभा अध्यक्ष दलबदल के आरोपी विधायकों पर शीघ्र फैसला नहीं दे रहे थे, तब सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं समय सीमा तय कर दी, जिसे स्पीकर को मानना पड़ा. यहां तो मामला खुल्लमखुल्ला भ्रष्टाचार का है. इसलिए सुप्रीम कोर्ट जाना है तो शौक से जाइए. राज्य को आर्थिक चपत लगाइए. लेकिन सुप्रीम कोर्ट भला क्यों चाहेगा कि विधानसभा में घोर अनियमितता की जांच ही न हो. जिस राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्री भ्रष्ट हों, अधिकारी भ्रष्ट हों, विधायिका पर भ्रष्टाचार के आरोप हों, उस राज्य के विकास की नित कसमें खायी जायें, तो झारखंडियों का कलेजा चाक हो जाता है. लेकिन इसके जिम्मेदार भी हम ही हैं. आखिर हम ही तो इन्हें चुनते हैं और ये अधिकारियों के साथ मिलकर हमारा भविष्य लूटते-खसोटते हैं.

भारत में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग में 15 बिलियन डॉलर के अवसर

नई दिल्ली । भारत द्वारा एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण पर जोर दिया जा रहा है. इस बीच, एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ताइवानी कंपनियों के लिए प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 15 अरब डॉलर के बड़े अवसर मौजूद हैं. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रिक मोटर, सीसीटीवी और स्मार्ट हेल्थकेयर (फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, हृदय गति मॉनिटर) जैसे अन्य क्षेत्र भी ताइवान के लिए आशाजनक हैं. भारत में ताइवान के लिए इन क्षेत्रों में 60 बिलियन डॉलर का लक्षित बाजार है. ताइवान इंडस्ट्री इन क्षेत्रों में घरेलू बाजार के साथ निर्यात के लिए भी निवेश कर सकती है.

चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर सख्ती, ठोका जुर्माना

नई दिल्ली । मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी. ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई. इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया.

बाजार बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते तेजी के साथ बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी

आईटी, फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट

एजेंसी ।मुंबई

गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग, एनर्जी शेयरों में खरीदारी के चलते ये तेजी रही है. हालांकि आईटी, फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट ने बाजार को ऊपरी लेवल से नीचे गिरा दिया. मिडकैप स्टॉक्स ने भी निराश किया है. गुरुवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 144 अंकों के उछाल के साथ 81,611 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 24,998 अंकों पर बंद हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 स्टॉक्स तेजी के साथ और 9 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 23 तेजी के साथ और 27 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक 3.90 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 1.82 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.63 फीसदी, पावर ग्रिड 1.58 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.43 फीसदी, मारुति 1.34 फीसदी, एनटीपीसी 1.33 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.20 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.06 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.71 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ.

जबकि टेक महिंद्रा 2.82 फीसदी, सन फार्मा 1.90 फीसदी, इंफोसिस 1.68 फीसदी, टाइटन 1 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.97 फीसदी और टीसीएस 0.64 फीसदी गिरकर बंद हुआ है.

गुरुवार के कारोबार में बैंकिंग, ऑटो, मेटल्स, एनर्जी, इंफ्रा शेयर तेजी के साथ बंद हुए. जबकि आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया, कंज्यूम ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. मिडकैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 166 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ है तो निफ्टी का स्मॉलकैप इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ है. वहीं बाजार के मार्केट कैप फ्लैट 462.22 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है. रतन टाटा के निधन के बीत शेयर बाजार में टाटा समूह के शेयरों में बड़ी गतिविधि रही. 24 लिस्टेड कंपनियों में 16 तेजी के साथ जबकि 8 गिरकर बंद हुए. टाटा इंवेस्टमेंट, टाटा केमिकल्स, टाटा कॉफी, टाटा मेटालिक्स, टाटा टेलीसर्विसेज का स्टॉक तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि वोल्टास, ट्रेंट, टाइटन जैसे शेयर में गिरावट रही.

सादगी की मिसाल रतन टाटा को एक विजनरी लीडर, परोपकारी, राष्ट्र निर्माता और वैश्विक कारोबारी के रूप में याद करेगी दुनिया

उद्योग जगत के 'रत्न' रतन टाटा के साथ एक युग का अंत

लगातार न्यूज नेटवर्क

उद्योग जगत के 'रत्न' रतन टाटा नहीं रहे. उनका बुधवार देर रात 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. इसके साथ ही एक युग का अंत हो गया. शोक में डूबे देश और दुनिया सादगी की मिसाल और दिखावे से दूर रहने वाले रतन टाटा को एक विजनरी लीडर, परोपकारी, राष्ट्र निर्माता और वैश्विक कारोबारी के रूप में याद कर रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ने उनके योगदान और उनके द्वारा भारतीय उद्योग को दी गई दिशा की सराहना की. डॉ. सिंह ने कहा कि वह केवल एक व्यावसायिक आइकन नहीं थे, बल्कि उनकी दृष्टि और मानवता उनके जीवन में स्थापित कई चैरिटी कार्यों में झलकती है. रतन टाटा ने कई ऐसे फैसले लिए जिनका सीधा असर असर भारतीयों के जीवन पर पड़ा. वहीं टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि रतन टाटा के नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया कि समूह की वृद्धि तीव्र गति से जारी रहे. साथ ही वह अपनी नैतिक कसौटी पर भी खरा उतरे. उन्होंने एक बयान में कहा कि टाटा समूह के लिए, रतन टाटा एक अध्यक्ष से कहीं अधिक थे. मेरे लिए, वे एक मार्गदर्शक और मित्र थे. उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत कर हमें प्रेरणा दी. उत्कृष्टता, अखंडता और नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, टाटा समूह ने उनके नेतृत्व में अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया. वे हमेशा अपने नैतिक मानदंडों के प्रति सच्चे रहे. रतन टाटा भले ही अब हम सब के बीच नहीं रहे, लेकिन वे अपने पीछे एक बड़ी विरासत छोड़ गए हैं, जो हमें और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी.

ग्रुप कायापलट के साथ ऐसे किया विस्तार : देश के शीर्ष कारोबारी रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर,1937 को मुंबई में हुआ था. रतन टाटा ने शुरुआती पढ़ाई मुंबई से करने के बाद 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला में स्नातक की डिग्री प्राप्त की. इसके बाद वह एक युवा कार्यकारी के रूप में टाटा समूह में शामिल हुए थे. 1962 के अंत में भारत आने से पहले उन्होंने लॉस एंजिल्स में जोन्स और एमोंस के साथ कुछ समय तक काम किया और फिर टाटा स्टील के शॉप फ्लोर पर काम किया. विभिन्न कंपनियों में सेवा देने के बाद, उन्हें 1971 में नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी का प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया और बाद में 1975 में उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम पूरा किया.1981 में उन्हें समूह की दूसरी होल्डिंग कंपनी टाटा इंडस्ट्रीज का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने ग्रुप में कई अहम बदलाव किए और नई टेक्नोलॉजी वाले बिजनेस पर फोकस किया. अपने विनम्र व्यवहार और मजबूत व्यावसायिक कौशल के लिए प्रसिद्ध रतन टाटा ने 1991 से 28 दिसंबर, 2012 को अपनी सेवानिवृत्ति तक टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया.

बेजुबानों को लेकर भी फिक्रमंद रहते थे : बेजुबानों को लेकर भी रतन टाटा फिक्रमंद रहते थे. यही वजह है कि टाटा ट्रस्ट्स स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल खोला गया. 1 जुलाई को उद्योगपति रतन टाटा ने मुंबई में अपनी पसंदीदा परियोजना टाटा ट्रस्ट्स स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल का शुभारंभ किया. अस्पताल के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इस रोमांचक खबर को साझा किया गया था. रतन टाटा देशवासियों को समय-समय पर अपनी जिम्मेदारी का भी अहसास कराते रहते थे. लोकसभा चुनाव के दौरान मुंबईवासियों से अपील की कि लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल हों. 18 मई के एक्स पोस्ट में लिखा था, 'सोमवार को मुंबई में मतदान का दिन है. मैं सभी मुंबई वासियों से आग्रह करता हूं कि वे घर से बाहर निकलें और जिम्मेदारी से मतदान करें.' एक अन्य पोस्ट में जानवरों के प्रति उनका असीम प्रेम देखने को मिला. बेजुबान की तस्वीर शेयर कर लिखा, 'अब जबकि मानसून आ गया है, बहुत सी आवारा बिल्लियां और कुत्ते हमारी कारों के नीचे शरण लेते हैं. आवारा जानवरों को चोट लगने से बचाने के लिए, कार को चालू करने और तेज करने से पहले उसके नीचे जांच करना जरूरी है. अगर हम अपने वाहनों के नीचे उनकी मौजूदगी के बारे में नहीं जानते हैं, तो वे गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं, विकलांग हो सकते हैं और यहां तक कि मारे भी जा सकते हैं. अगर हम इस मौसम में बारिश के दौरान उन्हें अस्थायी आश्रय दे सकें, तो यह दिल को छू लेने वाला होगा. कोरोना महामारी के दौरान की अगर हम बात करें तो जब देश के लोग मुश्किल समय में थे, लोग सड़कों पर भूखे मरने को मजबूर थे, तब रतन टाटा ने आगे आकर लोगों की मदद की और 1500 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की. इस मुश्किल समय में वह अपने कर्मचारियों के साथ-साथ पूरे देश के लिए खड़े रहे थे.

देश व समाज के प्रति था जिम्मेदारी का गजब भाव

रतन टाटा ने नमक से एयरलाइंस तक में भारत को आत्मनिर्भर बनाया. समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव कूट-कूट कर भरा था. यह बात उनके सोशल पोस्ट से भी जाहिर होती है. टाटा ने अपने इन पोस्ट में देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को अत्यधिक गंभीरता से प्रस्तुत किया. रतन टाटा जब इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे, तब भी वह लोगों के बारे में सोच रहे थे, उन्होंने एक्स पर अपने अंतिम पोस्ट में लिखा था, 'मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में हाल ही में फैली अफवाहों से अवगत हूं और सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं. मैं अच्छे मूड में हूं और अनुरोध करता हूं कि जनता और मीडिया गलत सूचना फैलाने से बचें.'

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई में 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. छात्राओं ने उनके चित्र के सामने कैंडल जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी.

सौम्य और दयालु रतन टाटा ने 'भारत ब्रांड' को विश्व पटल पर ले जाने में निभाई अहम भूमिका

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के डायरेक्टर जनरल, चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि बड़े कद के बावजूद उनका सौम्य और दयालु स्वभाव प्रेरणादायक और दुर्लभ था. बनर्जी ने आगे कहा कि सीआईआई में उनकी सलाह हमेशा व्यावहारिक थी और उन्हें भारतीय बिजनेस की क्षमता पर भरोसा था. उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि कैसे भारतीय कंपनियां एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है. लगभग दो दशकों तक सीआईआई की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य के रूप में रतन टाटा इंडस्ट्री चैंबर के लिए एक मार्गदर्शक बने रहे. उन्होंने वास्तव में भारतीय उद्योग के लिए आगे का रास्ता बनाया और वैश्विक स्तर पर पहुंचाया. सीआईआई, एक महान लीडर के निधन पर टाटा ग्रुप के साथ है और गहरा शोक व्यक्त करता है. एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि रतन टाटा ने टाटा ग्रुप के कारोबार को दुनिया के विभिन्न देशों में फैलाने के साथ भारत ब्रांड को भी विश्व पटल पर विभिन्न सेक्टरों जैसे आईटी, ऑटोमोबाइल, स्टील और हॉस्पिटैलिटी में ले जाने का काम किया है. सूद ने आगे कहा कि उनका जीवन भारत के उद्यमियों के लिए वैश्विक स्तर पर सोचने और आगे बढ़ने, एक बेदाग प्रतिष्ठा और कॉर्पोरेट प्रशासन के बहुत उच्च मानक को बनाए रखने के लिए एक प्रेरणा है. कई स्टार्टप्स को आगे बढ़ाने का श्रेय भी रतन टाटा को दिया जाता है. ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष अरुण कुमार गरोडिया ने कहा कि रतन टाटा अपने पीछे एक समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं, जो कि आने वाले समय में नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम करेगी.

पहले प्यार ने छोड़ा हाथ, रतन टाटा के विवाह न करने की वजह रही खास

भारतीय उद्योग के जगत में रतन टाटा व्यावसायिक दृष्टिकोण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के लिए जाने जाते हैं. हालांकि, उनकी निजी जिंदगी का एक पहलू जो अक्सर चर्चा का विषय रहा है और वह है उनका अविवाहित रहना. साल 1937 में 28 दिसंबर को रतन टाटा का जन्म पारसी परिवार में हुआ था. उनके दादा जमशेदजी टाटा ने टाटा ग्रुप की नींव रखी थी, जिसे रतन टाटा ने आगे बढ़ाने का संकल्प लिया. रतन टाटा की शुरुआती शिक्षा मुंबई में हुई. इसके बाद वो अमेरिका चले गए, यहां उन्होंने आर्किटेक्चर की पढ़ाई की. फिर मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए हार्वर्ड बिजनेस स्कूल का रुख किया. उनके शिक्षित और सक्षम होने का गुण उनके करियर में भी झलकता है. 1962 में रतन टाटा ने टाटा समूह में काम करना शुरू किया. बाद में, वह टाटा ग्रुप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे. साल 1991 में उन्होंने टाटा समूह के अध्यक्ष का पद संभाला और अपने नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया. देश की मशहूर शख्सियत, नामी परिवार, अथाह पैसा फिर भी रतन टाटा अविवाहित रहे तो आखिर वजह क्या है? इससे जुड़े सवाल कई बार और बार बार पूछे जाते रहे. तो हकीकत ये है कि रतन टाटा को प्यार हुआ था. एक बार नहीं चार बार. लॉस एंजिल्स में मिली लड़की से तो बात शादी तक पहुंच गई थी लेकिन वो हो न सका और प्यार अधूरा रह गया. एक इंटरव्यू में रतन टाटा ने बताया था कि लॉस एंजिल्स स्थित एक आर्किटेक्चर फर्म में काम करने के दौरान एक लड़की से वह मिले और देखते ही देखते उन्हें प्यार हो गया. उस लड़की के साथ शादी करके टाटा सेटल होना चाहते थे, लेकिन इसी बीच उन्हें अपनी बीमार दादी की देखभाल के लिए भारत आना पड़ा और फिर वह वापस नहीं जा सके. इस दौरान सोचा कि वो लड़की भारत आ जाए लेकिन तभी भारत-चीन के बीच जंग छिड़ गई और उस प्रेमिका के माता पिता ने भारत नहीं भेजा. नतजीतन रिश्ता टूट गया. ऐसा टूटा कि फिर कभी जुड़ नहीं पाया. टाटा का नाम सिमी ग्रेवाल संग भी जुड़ा. सिमी के टॉक शो में टाटा ने ऐसा ही कुछ कहा भी था. बताया था, कैसे वह एक बार उनके साथ समुद्र तट पर टहल रहे थे और उस पल की शांति ने उन्हें काम से जुड़ी टेंशन से मुक्त कर दिया था. खुद ग्रेवाल ने भी एक मीडिया समूह से अपने संबंधों का खुलासा किया था. खैर ब्रेक अप्स के बाद भी रतन टाटा ने उद्योग जगत में तहलका मचाए रखा. समाज सेवा को प्राथमिकता दी. टाटा ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, और ग्रामीण विकास में योगदान जारी रखा. उन्होंने अपने करियर और समाज सेवा को प्राथमिकता दी. उनकी जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि उन्होंने व्यक्तिगत संबंधों की बजाय अपने व्यवसाय और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी. उनका मानना था कि व्यक्तिगत रिश्तों से अधिक महत्वपूर्ण है समाज की सेवा करना. रतन टाटा ने अपनी ऊर्जा और समय को उन प्रोजेक्ट्स में लगाना उचित समझा, जो समाज के लिए लाभकारी हो.

शोक में डूबा उद्योग जगत, सुंदर पिचाई बोले हमेशा भारत की बेहतरी के लिए किया काम

दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन ने उद्योग जगत को बड़ा नुकसान पहुंचाया है. गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से लेकर महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा तक, प्रमुख कारोबारी नेताओं ने रतन टाटा के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं. रतन टाटा के साथ अपनी आखिरी मुलाकात को याद करते हुए सुंदर पिचाई ने कहा कि टाटा ग्रुप के चेयरमैन 'भारत को बेहतर बनाने के बारे में गहराई से सोचते थे'. गूगल के सीईओ ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'रतन टाटा के साथ गूगल में मेरी आखिरी मुलाकात में हमने वेमो (गूगल की सेल्फ ड्राइविंग कार कंपनी) की प्रगति के बारे में बात की. उनको सुनना प्रेरणादायक था. वह एक असाधारण व्यवसाय और परोपकारी विरासत छोड़ गए हैं. भारत में आधुनिक व्यवसाय नेतृत्व को मार्गदर्शन देने और विकसित करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वह भारत की बेहतरी को लेकर संजीदा थे. उनके प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना और रतन टाटा जी की आत्मा को शांति मिले.' महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि वे 'रतन टाटा की इस अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं.' उन्होंने ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा 'भारत की अर्थव्यवस्था ऐतिहासिक छलांग लगाने के कगार पर खड़ी है. रतन टाटा के जीवन और काम का हमारी इस स्थिति में बहुत बड़ा योगदान है. इसलिए, इस समय उनका मार्गदर्शन अमूल्य होता.'

बड़ी उपलब्धियों में से एक दुनिया की सबसे सस्ती कार की शुरुआत

टाटा संस के अध्यक्ष के पद पर अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कंपनी को विविधीकरण और वैश्वीकरण की ओर निर्देशित किया. उनके नेतृत्व में समूह ने इस्पात, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार किया. टाटा की बड़ी उपलब्धियों में से एक 2008 में टाटा नैनो की शुरुआत थी. दुनिया की सबसे सस्ती कार के रूप में लाई गई, नैनो का उद्देश्य भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग के लिए सुरक्षित और किफायती परिवहन प्रदान करना था. उनके नेतृत्व में टाटा ग्रुप का राजस्व 100 बिलियन डॉलर (2011-2012) से अधिक हो गया था. भारत सरकार ने 2008 में टाटा को अपने दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार, पद्म विभूषण से सम्मानित किया. उन्हें कई अन्य पुरस्कार, सम्मान, कई भारतीय और वैश्विक विश्वविद्यालयों से मानद डॉक्टरेट और अन्य सम्मान भी मिले. रतन टाटा ने अपने जीवनकाल में अलग-अलग समय पर टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा पावर, टाटा ग्लोबल बेवरेजेज, टाटा केमिकल्स, इंडियन होटल्स और टाटा टेलीसर्विसेज सहित प्रमुख टाटा कंपनियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था. वे भारत और विदेशों में विभिन्न संगठनों से भी जुड़े रहे और मित्सुबिशी कॉरपोरेशन और जेपी मॉर्गन चेस के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में काम किया. टाटा 2012 में टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में अपने पद से सेवानिवृत्त हुए, लेकिन विभिन्न परोपकारी और व्यावसायिक उपक्रमों में सक्रिय रहे. उनके परोपकारी कार्यों को कई पुरस्कारों के माध्यम से मान्यता मिली, जिनमें पद्म भूषण और पद्म विभूषण शामिल हैं, जो भारत के दूसरे और तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं. सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अपने अंतिम समय तक सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाया. इस दौरान उन्होंने कई नए स्टार्टअप और शिक्षण संस्थानों को प्रोत्साहित किया.

साहस व योगदान को मनमोहन सिंह ने किया याद

रतन टाटा के निधन से देश भर में शोक की लहर है. उनके निधन पर राजनीति से लेकर उद्योग जगत और फिल्म जगत के दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है. पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने ने टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को पत्र लिखकर रतन टाटा के निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की. मनमोहन सिंह ने लिखा- 'रतन टाटा के निधन से अत्यंत दुखी हूं. वह भारतीय उद्योग के एक महान नेता थे. वह केवल एक व्यावसायिक आइकन नहीं थे, बल्कि उनकी दृष्टि और मानवता उनके जीवन में स्थापित कई चैरिटी कार्यों में झलकती है.' उन्होंने आगे कहा कि वह सच्चाई कहने का साहस रखते थे. उनमें सत्ता में बैठे लोगों से सच बोलने का साहस था. मुझे उनके साथ कई मौकों पर बहुत करीब से काम करने के पल याद हैं. मैं इस दुखद अवसर पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं. उनकी आत्मा को शांति मिले. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रतन टाटा के निधन पर संवेदनाएं व्यक्त की. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मुझे रतन टाटा के साथ अनगिनत बातचीत याद आ रहे हैं. जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तो मैं उनसे अक्सर मिलता था. जब मैं दिल्ली आया तो यह बातचीत जारी रही. उनके निधन से बेहद दुख हुआ. इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं.

गाजा के स्कूल पर हवाई हमले में 28 मरे

एजेंसी। गाजा/बगदाद

फ़िलिस्तीन रेड क्रेसेंट ने कहा है कि इजराइल के हवाई हमले में सेंट्रल ग़ाज़ा के दीर अल-बलाह में स्थित स्कूल पर हमले में 28 लोगों की मौत हो गई. वहीं इजराइल डिफेंस फ़ोर्स यानी आईडीएफ़ ने ग़ाज़ा में स्कूल पर किए गए हवाई हमले पर गुरुवार को बयान जारी किया. इजराइल डिफेंस फ़ोर्स ने कहा कि दीर अल-बलाह में स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से ऑपरेट कर रहे आतंकवादियों पर सटीक हमला किया है. कमांड एंड एंड कंट्रोल सेंटर का इस्तेमाल आतंकवादी आईडीएफ सैनिकों पर हमलों करने के लिए करते हैं.

इजराइली सेना कहती रही है कि स्कूलों का इस्तेमाल हमास कर रहा है.

इसके अलावा इजराइल लेबनान की राजधानी बेरूत समेत दक्षिण लेबनान में हमला कर रहा है. इसमें पांच स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो गई. इसके जवाब में हिज़बुल्लाह ने भी इजराइल पर रॉकेट पर हमला किया. इसी बीच, शिया मिलिशिया समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने इजरायल के दक्षिणी बंदरगाह शहर ईलाट में एक 'महत्वपूर्ण' स्थल पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है. समूह ने बुधवार रात कहा कि यह हमला 'फिलिस्तीन और लेबनान वासियों के समर्थन में' किया गया. साथ ही कहा कि उन्होंने संकल्प लिया है कि वो 'दुश्मन के गढ़ों' को निशाना बनाते रहेंगे.

उमर अब्दुल्लाह नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल के नेता चुने गये

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फ़ारूक़ अब्दुल्लाह ने गुरुवार को बताया कि उमर अब्दुल्लाह को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुन लिया गया है. फ़ारूक़ अब्दुल्लाह ने मुख्यमंत्री चुनने और गठबंधन में शामिल दलों के साथ बैठक करने को लेकर न्यूज़ एजेंसी पीटीआई से कहा, रकल बैठक होगी. सीएम पद को लेकर भी जल्द ही दावेदारी पेश होगी. वहीं उमर अब्दुल्लाह ने कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल की बैठक हुई. मैं दिल की गहराई से शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और एक मौका दिया कि मैं राजभवन जाकर हुकूमत बनाने का दावा पेश करूं.

सदी के सबसे बड़े मिल्टन तूफ़ान से फ्लोरिडा में अब तक चार की मौते, 30 लाख घर अंधेरे में, पानी भी नहीं

सदी के सबसे बड़े अमेरिका में मिल्टन तूफ़ान के फ़्लोरिडा में दस्तक देने से 30 लाख से अधिक घरों और दुकानों की बिजली गायब हो गई. राज्य के सेंट लूसिया में चार लोगों की मौत हो गई. फ्लोरिडा के सेंट पीटर्सबर्ग में पीने का पानी नहीं आ रहा है. अधिकारियों को मिल्टन तूफ़ान से मची तबाही के बाद पानी की सप्लाई को रोकना पड़ा है. टैम्पा के पूर्व में 35 लोगों का रेस्क्यू किया गया है. अधिकारियों ने लोगों की सलाह दी कि वो दूषित पानी से दूर रहें.

सर्वेक्षण 2020-21 में 41.8 प्रतिशत था, 2022-23 में 59.8 प्रतिशत हुआ इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों का आंकड़ा

तेजी से डिजिटल हो रहा भारत, दो वर्षों में बदली देश की तस्वीर

एजेंसी। नयी दिल्ली

मोबाइल टेलीफोन की कम दरें (लो-कॉस्ट मोबाइल टेलीफोनी) भारत को डिजिटल बनाने की राह पर लाने में मददगार रही हैं. वर्ष 2022-23 में 15 वर्ष से ज्यादा उम्र के 85 प्रतिशत लोग मोबाइल फोन कनेक्शन का इस्तेमाल कर रहे थे. मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों का यह आंकड़ा ठीक दो वर्ष पहले 2022-21 में 70.2 प्रतिशत था. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रिलीज किए गए एक सर्वेक्षण से यह जानकारी सामने आई है. भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में भी दो वर्षों में काफी सुधार देखा गया है.

15-25 वर्ष के 82 प्रतिशत ग्रामीण युवा इंटरनेट का करते हैं इस्तेमाल

ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 25 वर्ष की आयु के 82 प्रतिशत से अधिक युवा इंटरनेट का उपयोग करते हैं. वहीं, शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा लगभग 92 प्रतिशत है. इसमें यह भी पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 15-24 वर्ष के 95.7 प्रतिशत लोग मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 97 प्रतिशत से थोड़ा कम है.

9.9 प्रतिशत करते हैं कंप्यूटर (पीसी लैपटॉप, डेस्कटॉप) का इस्तेमाल

कंप्यूटर (डेस्कटॉप, पीसी, लैपटॉप) का इस्तेमाल 9.9 प्रतिशत लोग करते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में 4.2 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 21.6 प्रतिशत लोग कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं. 15-24 वर्ष की आयु के 96.9 प्रतिशत व्यक्ति सरल कथनों को समझ कर पढ़ने और लिखने में सक्षम हैं तथा सरल अंकगणितीय गणनाएं करने में भी सक्षम हैं.

सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी बताती है कि 2020-21 में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों का आंकड़ा 41.8 प्रतिशत था. वहीं, 2022-23 में यह बढ़कर 59.8 प्रतिशत हो गया. इनमें 15-29 आयु वर्ग के लोग 84.2 प्रतिशत से भी ज्यादा हैं. सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी के अनुसार, 15 वर्ष से अधिक उम्र की 78.7 प्रतिशत महिलाएं एक्टिव मोबाइल कनेक्शन का इस्तेमाल कर रही हैं. ठीक दो वर्ष पहले इस उम्र वर्ग की केवल 56.7 प्रतिशत महिलाएं ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर पा रही थी. वहीं, 2020-21 में 83.2 प्रतिशत पुरुष ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर पा रहे थे. ठीक दो वर्ष बाद 2022-23 में मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले पुरुषों का यह आंकड़ा 91.4 प्रतिशत पहुंच गया.

इस नए सर्वेक्षण के अनुसार, हर 5 में से 2 व्यक्ति बैंकिंग लेन-देन करने में सक्षम है. वहीं, 43.4 प्रतिशत लोग अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल ईमेल भेजने में कर सकते हैं. लगभग 94 प्रतिशत आबादी के पास उनके निवास स्थान से दो किलोमीटर के भीतर बारहमासी सड़कों तक पहुंच थी और शहरी क्षेत्रों में 93.7 प्रतिशत लोगों के पास 500 मीटर के भीतर परिवहन सेवा उपलब्ध थी. स्वच्छता और पेयजल की उपलब्धता में दो वर्ष पहले की तुलना में सुधार हुआ है और यह लगभग पूर्ण हो गई है. शहरी क्षेत्रों में जेब से किया जाने वाला खर्च घटकर 1,446 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में 950 रुपये रह गया, जिससे स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में भी सुधार का संकेत मिलता है.

लाओस में पीएम मोदी का ग्रैंड वेलकम और हिंदी में अभिवादन

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को 21वें आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाओस पहुंचे. जहां राजधानी वियनतियाने पहुंचने पर भारतीयों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया.

पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए वियनतियाने के होटल डबल ट्री में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग पहले से मौजूद रहे. इस दौरान एक खास नजारा भी देखने को मिला. दरअसल, होटल डबल ट्री में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए भारतीयों और लाओस समुदाय के लोगों ने गायत्री मंत्र का पाठ किया. इसका वीडियो भी सामने आया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी के सामने भारतीय समुदाय के लोग हाथ में तिरंगा लिए हुए गायत्री मंत्र का जाप कर रहे हैं. इस दौरान पीएम मोदी भी उनके सामने हाथ जोड़कर गायत्री मंत्र का जाप करते हैं. पीएम मोदी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. एक अन्य वीडियो में लाओस समुदाय के लोगों ने वियनतियाने के होटल डबल ट्री में पीएम मोदी का हिंदी में अभिवादन करते हुए ग्रैंड वेलकम किया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)